



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 26, 1976 (आषाढ 5, 1898)

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 26, 1976 (ASADHA 5, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1976

सं० पी०-1753/प्रशा०-II—म० ल० के० ग० के कार्यालय में स्थायी लेखा अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में इस समय प्रतिनियुक्त आधार पर वित्त एवं लेखा अधिकारी के रूप में कार्यरत श्री पी० आर० पी० पाणिकर की सेवाएं 3-6-76 (पूर्वान्तर) से म० ल० के० ग० के कार्यालय को पुनः माँगी जाती हैं।

प्र० ना० मुख्यर्जी,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1976

सं० पी०/1573-प्रशा०-I—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में मुख्य प्रशासन अधिकारी व रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त किए जाने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग में उप-सचिव के रूप में स्थानापन आधार पर कार्य कर रहे श्री जै० बी० गुप्त को 30-4-1976 के अपराह्न से कार्यमुक्त कर दिया गया है।

126GT/76

दिनांक 17 मई 1976

सं० पी०/1855-प्रशासन-I—विज्ञान और शिल्प-विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने पर डॉ० जॉनेफ पी० जॉन, अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को 30-4-1976 के अपराह्न से कार्य-भार से मुक्त कर दिया गया है।

पी० एन० मुख्यर्जी
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मई 1976

सं० ए० 12025(II)/1/75-प्रशा०-III—वर्ष 1975 के लिए अनुभाग अधिकारी ग्रेड की प्रवर सूची में सम्मिलित किए जाने हेतु वाणिज्य मंत्रालय के के० स० म० संवर्ग में पुनः आवंटित हो जाने के परिणामस्वरूप, संघ लोक सेवा आयोग के के० स० म० संवर्ग के स्थायी सहायक (इस समय अनुभाग अधिकारी (विणेप) के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्त श्री एच० आर० कृष्णराज और जिनको इस कार्यालय की समसंबद्ध अधिसूचनाओं दिनांक 26-3-1976 और 23-4-1976 द्वारा 1-3-1976 से वर्ष 1975 के लिए संघ लोक सेवा आयोग के के० स० म० संवर्ग

5403

के अनुभान अधिकारी ग्रेड की प्रबल सूची में अनंतिम रूप से सम्मिलित कर लिया गया था, को 31 मई, 1976 के अपराह्न से आयोग के कार्यालय से कार्यमुक्त कर दिया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी,
प्रबल सचिव
प्रशासन प्रभारी,
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमण्डल सचिवालय
कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग
प्रवर्तन निदेशालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 20 मई 1976
(नियुक्ति)

श्री एम० दुबे, आयकर अधिकारी (श्रेणी II), वाई-ए, भागलपुर को प्रवर्तन निदेशालय के कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 1-5-1976 से अगले आदेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन, निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 मई 1976

सं० ए० 20014/62/76-प्रशा०-१—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री ए० कनारे, उपनिरीक्षक को दिनांक 3 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की अध्याई सामान्य अपराध संकंध शाखा में अस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक के पद पर प्रोफ्रत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक/
विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जून 1976

सं० ए० 19036/4/76-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री शरीफुल हसन, निरीक्षक, लखनऊ शाखा को प्रोफ्रत हो जाने पर, दिनांक 15-5-1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थाई रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19036/10/76-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, कलकत्ता पुलिस के अधिकारी श्री एस० एल० सान्याल को दिनांक 24-5-76 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19036/13/76-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,

एसद्वारा, बी० एस० एफ० के अधिकारी श्री ए० चक्रवर्ती को दिनांक 25-5-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० आर० 126/70-प्रशा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा कलकत्ता पुलिस के अधिकारी श्री आर० एन० मुखर्जी को दिनांक 24-5-76 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० आर०-115/68-प्रशा०-५—निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री भोद्धम्मद शाफीक, अपराध-सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो को दिनांक 18-5-76 से दिनांक 1-7-76 की अवधि तक के लिए स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में प्रोफ्रत करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशा० अधि० (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1976

सं० एम०-79/66-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० के० सम्मेना, भारतीय पुलिस सेवा, राजस्थान, 1952 को दिनांक 29 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं अपर पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली नियुक्त करते हैं।

के० के० पुरी, उप-निदेशक (प्र०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1976

सं० 4/5/75-प्रशा०—श्री एस० एन० भल्ला, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक ने एयर इंजिन्योर से परावर्तन होने पर 24 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक आयोग में स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार संभाला।

श्रीनिवास, अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 मई 1976

सं० ओ०-II-1047/76-स्थापना—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर रामेश्वर शाह को तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 12-5-76 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर रामेश्वर शाह को 21 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्र०)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल
शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली-110003, दिनांक 31 मार्च 1976

सं० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा०-1—इस कार्यालय के दिनांक 27 दिसम्बर, 1975 की हिन्दी में जारी की गई अधिसूचना सं० ई० 31015(1)/1/75-प्रशा०-1 के सिलसिले में :—

श्री “बी० जी० श्रद्धे” के स्थान पर श्री “व० ग० थते” पढ़ा जाए।

दिनांक 21 मई 1976

सं० ई०-31015(1)/1/75-प्रशा०-1—खेतरी को स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० आर० खोसला, सहायक कमांडेंट, ने दिनांक 6 दिसम्बर 75 के पूर्वाह्नि से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल, हिन्दुस्तान क्लिमिनाशक लि�०, नई दिल्ली, के उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 मई 1976

सं० ई०-38013(1)/3/76-प्रशा०-1—सीमा सुरक्षा बल, गृह मंत्रालय, को स्थानान्तरित होने पर, श्री के० राममूर्ति, आई० पी० एस० (तमिलनाडु 1949), ने दिनांक 24 मई 76 के अपराह्नि से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल के उप-महानिरीक्षक (दक्षिण क्षेत्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में था।

दिनांक 1 जून 1976

सं० ई० 16013(1)/2/76-प्रशा०-1—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से स्थानान्तरित होने पर, श्री ई० मो० महाजन, आई० पी० एस० (एम० टी०-1953) ने दिनांक 31 मई, 1976 के पूर्वाह्नि से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल के उप-महानिरीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

ली० सिं० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जून 1976

सं० पी०/टी० (1)-प्रशा०-एक—इस कार्यालय की तारीख 20 मार्च, 1976 की सम-संख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में, राष्ट्रपति श्री एस० डी० त्यागी, वरिष्ठ भूगोलवेत्ता की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर तर्द्य नियुक्ति को 16 मई, 1976 से 19 जून, 1976 तक की और कालावधि के लिए सहर्व बढ़ाते हैं।

रा० भ० चारी,
भारत के महापंजीकार और पदेन संयुक्त सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद (म० प्र०)
होशंगाबाद, दिनांक 4 जून 1976

सं० पी० डी० /1/2402—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०-1/384 दिनांक 13 अप्रैल 1976 के आगे श्री प्रेम प्रकाश शर्मा फोरमैन (प्रोफेशन) को दिनांक 17-5-76 से 24-5-76 की अवधि के लिए, चूंकि श्री पीटर जायं, सहायक कार्य प्रबन्धक ने उनकी छुट्टी दिनांक 23-5-76 तक बढ़ाई है और श्री एम० पद्मानाभन, सहायक कार्य प्रबन्धक दिनांक 24-5-76 से 24-6-76 तक की छुट्टी पर हैं। की अवधि के लिए प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

आर० विश्वनाथन,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मई 1976

सं० प्रशा०-1/कार्य० आदेश क्रमांक 175/5-34/76-77/537—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित की गई तिथियों से समय वेतनमान रु० 840-1200 में लेखा अधिकारियों के स्थायी पदों पर मूलरूप में नियुक्त किया है—

क्रमांक नाम

लेखा अधिकारियों
की मूलरूप में
नियुक्ति की तिथि

सर्वश्री

1. एच० सी० कोहली	1-3-1974
2. बी० एन० साहनी	1-7-1974
3. पी० एन० शर्मा	1-3-1975
4. आर० पी० सम्भरवाल	1-12-1975
5. एच० एस० रेखी	1-12-1975
6. एच० एल० गुप्ता	1-12-1975

एच० एस० दुग्गल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार डाक तार
नई दिल्ली-110054, दिनांक 26 सितम्बर 1975

सं० प्रशा०/5/16/23(ए०) (2) बाबूराम—निवेशक लेखा तथा लेखापरीक्षा डाक-तार क्षुरथला कार्यालय के श्री बाबूराम अनुभाग अधिकारी को महालेखाकार डाक-तार हारा दिनांक 30-7-1975 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखाधिकारी के पद पर उपनिवेशक लेखा तथा लेखा परीक्षा डाक-तार लखनऊ के कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 6 अक्टूबर 1975

सं० प्रश्ना० 5-23(ए०) (2) ई० वेंकटापद्या—निदेशक, लेखा एवं लेखापरीक्षा डाक-तार नागपुर कार्यालय के स्थायी लेखाधिकारी श्री ई० वेंकटापद्या का दिनांक 3 अगस्त 1975 को निधन हो गया है।

दिनांक 19 अक्टूबर 1975

सं० प्रश्ना० 5/20/23(ए) (2) आर० एस० त्यागी—डाक-तार लेखापरीक्षा संगठन के लेखाधिकारी श्री आर० एस० त्यागी के उद्योग एवं सिविल पूर्वि मन्त्रालय में प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, दिनांक 31-7-1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 16 दिसम्बर 1975

सं० प्रश्ना०-5/27/23(ए) (2) के० सी० बी०—उपनिदेशक लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-तार लखनऊ कार्यालय के लेखाधिकारी श्री के० सी० वर्मा का स्वर्गवास 11 नवम्बर, 1975 को हो गया।

दिनांक 28 दिसम्बर 1975

सं० प्रश्ना०-5/30/23(ए) (2) एल० के० श्यामल—निदेशक लेखा तथा लेखा परीक्षा, डाक-तार कलकत्ता कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एल० के० श्यामल की नियुक्ति महालेखाकार डाक-तार दिल्ली ने अगले आदेशों तक उपनिदेशक लेखा तथा लेखापरीक्षा डाक-तार पटना कार्यालय में लेखाधिकारी के पद पर स्थानापन्थ क्षमता में दिनांक 28-11-75 पूर्वाह्नि से कर दी है। पदोन्नति केवल तदर्थ आधार पर है और पुनरीक्षण अधीन है।

सं० प्रश्ना०-5/31/23(ए) (2) एम० आर० स्वामीनाथन—निदेशक लेखा तथा लेखापरीक्षा, डाक-तार हैदराबाद कार्यालय

दिनांक 31 मई 1976

अ० सं० का० आ० प्रश्ना०-5-4/23 (ए) (2)—महालेखाकार डाक-तार ने अगले आदेशों तक निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की स्थानापन्थ लेखाधिकारियों के रूप में पदोन्नति तथा प्रत्येक के नाम के सामने वर्णित डाक-तार, शाखा लेखा परीक्षा कार्यालयों में नियुक्ति कर दी है।

उनकी पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और परिणोधनाधीन है:—

क्र०	नाम	अनुभागाधिकारी के रूप में जिस कार्यालय से संबंधित है	नियुक्ति का कार्यालय	लेखाधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
सं०				

सर्वथी			
1. श्री जय कुमार बैनर्जी	भैंडार वर्कशाप एवं तार जांच कलकत्ता	भैंडार वर्कशाप व तार जांच कलकत्ता	31-1-76
2. सुबोध रंजन चक्रवर्ती	निदेशक, लेखा व लेखा परीक्षा, डाक-तार, कलकत्ता	के अधीन स्थानीय लेखा परीक्षा दूर संचार, भैंडार व फैक्टरी जवलपुर	27-2-76
3. श्री० स्वामीनाथन।	निदेशक, लेखा व लेखा परीक्षा डाक-तार, पटना।	उप-निदेशक, लेखा व लेखा परीक्षा डाक-तार, पटना।	(अपराह्न) 17-2-76

4. एस० देसीकाचारी	निदेशक, लेखा व लेखा परीक्षा, डाक-तार, हैदराबाद	उप-निदेशक लेखा व लेखा परीक्षा, डाक-तार, कटक।	11-2-76
5. निर्मलेन्दु बैनर्जी	निदेशक, ले० व ले० परीक्षा, डाक-तार, कलकत्ता।	उप-निदेशक, ले० व ले० परीक्षा, डा० ता० कटक के प्रधीन स्थानिक ले० परी० अधिकारी दूर संचार लेखे, भुवनेश्वर।	24-2-76
6. विनय कुमार घोष	नि० ले० व ले० परीक्षा, डाक-तार, कलकत्ता।	उप-निदेशक ले० व ले० परी० डाक-तार, कटक।	18-3-76
7. करण सिंह जैन	नि० ले० व ले० परीक्षा, डाक-तार, दिल्ली।	उप-निदेशक, ले० व ले० परी० डाक-तार, लखनऊ।	27-1-76

स० का० आ० प्रशासन 5-75/23(ए) (२)---महालेखाकार लेखाधिकारियों के रूप में पदोन्नति तथा नियुक्ति उनके नामों के आदेशों तक कर दी है।

उनकी पदोन्नति तदर्थ आधार पर है और परिशोधन अधीन है।

क० स० नाम	अनु० अधि० के रूप में जिस कार्यालय से संबंधित है।	जिस कार्यालय में नियुक्त हुई ले० अधि० के रूप में पदोन्नति की तिथि
-----------	--	---

सर्व श्री

1. एस० सुश्रामाण्यम	निदेशक, लेखा व लेखा परीक्षा, डाक-तार, हैदराबाद।	उपनिदेशक लेखा व लेखा परीक्षा डाक-तार, भोपाल।	24-12-75
2. जी० सुश्रामाण्यम-II	नि० ले० व ले० परी० डा० ता० मद्रास।	नि० ले० व ले० परी० डा० ता०, नागपुर।	22-1-76
3. वी० बैद्यनाथन	—वही—	—वही—	23-1-76
4. यूधिष्ठिर राज महाजन	नि० ले० व ले० परी० डा० ता०, कपूरथला।	उप० नि० ले० व ले० परी०, डा० तार, लखनऊ।	24-12-75
5. पी० एस० रंगराव	नि० ले० व ल० परीक्षा, डाक-तार, हैदराबाद।	उप नि० ले० व ले० परीक्षा, डा० तार, भोपाल।	6-3-76
6. एन० लक्ष्मणन	—वही—	उप-नि० ले० व ले० परी० डा० तार, कटक।	24-12-75
7. एस० रामास्वामी-II	नि० ले० व ले० परी०, डा० तार, मद्रास।	नि० ले० व ले० परी० डा० तार, नागपुर।	23-1-76
8. रमेश चन्द्र शर्मा-II	नि० ले० व ले० परी० डा० तार, कपूरथला।	उप-नि० ले० व ले० परी० डाक-तार, पटना।	26-12-75
9. वी० स्वामीनाथन	नि० ले० व ले० परी० डाक-तार, हैदराबाद।	नि० ले० व ले० परी० डा० तार, कपूरथला।	9-1-76

कार्यालय, महालेखाकार एक मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 25 मई 1976
प्रारूप सूचना

सं० प्रशासन एक/118—महालेखाकार, मध्यप्रदेश एक, ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के रूप में उनके नाम के आगे उल्लिखित दिनांक से नियुक्त किया है:—

सर्वश्री
 1. आर० वेंकटाचारी (02/0194) 23-4-76 (अपराह्न)
 2. के० वाई० एल० एन० चारयुलु (02/0196) 17-5-76 (पूर्वाह्न)
 3. वी० जी० जगन्नाथन (02/0198) 3-5-76 (पूर्वाह्न)
 4. ए० के० सक्सेना (02/0200) 3-5-76 (पूर्वाह्न)
 5. वी० डी० गोयल (02/0201) 3-5-76 (पूर्वाह्न)
 एस० एल० भलहोद्दा,
 वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय, महालेखाकार द्वितीय मध्य प्रदेश
ग्वालियर, दिनांक 3 जून 1976
विज्ञप्ति

सं० प्रशा०-6/रा० अ०-वाणिज्य/395—श्री वासुदेव विघ्नेश्वर पाण्डे, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार मध्य प्रदेश द्वितीय, ग्वालियर, अधि-वापिकी व्यय होने पर, दिनांक 31 मई, 1976 अपराह्न से, शासकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त हुए।

मायार्सिंह,
(एस० एस० निरहानी)
उप-महालेखाकार/प्रशासन

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय पूर्वी रेलवे कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1976

सं० एल०/8/74—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० एस० मुखार्जी, लेखा परीक्षा अधिकारी को 31 मई 1976 (मध्यरात्रि) से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।
एन० जी० सेन, मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक
नई दिल्ली-22, दिनांक 2 जून 1976

सं० 40011(2)/75—प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

क्र० सं०	नाम, रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	पेशन स्थापना की अन्तरित की तारीख	संगठन
	सर्वश्री			
1. जोन पी० फिलिप, (पी०/171)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।	
2. मनोहर सिंह, (पी०/183)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-76	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ।	
3. वी० डी० महाजन, (पी०/615)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, वायु सेना देहरादून।	
4. आर० वी० नवरंगे, (ओ०/175)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।	
5. हरबंश सिंह, (ओ०/236)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।	
6. पूर्णनन्द शर्मा, (ओ०/277)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।	
7. शिव कुमार सूरी, (ओ०/278)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।	
8. वी० एस० जैन, (ओ०/302)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, अन्य रैक, उत्तर मेरठ।	

(2) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) विनियमावली, 1972 के नियम 48 के प्रावधानों वे: अन्तर्गत स्वेच्छा रे सेवा-निवृत्ति का नोटिस दे दिए जाने पर, श्री पी० एन० एन० शॉनिवासन, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/241) को जो रक्षा लेखा नियंत्रक (अपराह्न), पूना में सेवारत थे को 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया।

(3) रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री ए० कल्याण सुन्दरम, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/420) जो कि रक्षा लेखा नियंत्रक, (नी सेना), बम्बई के संगठन में सेवारत थे, के 18-4-1976 को हुए निधन को खंड के साथ अधिसूचित करते हैं।

तदनुसार, श्री ए० कल्याण सुन्दरम को 19-4-1976 (पूर्वाह्न) से विभाग की नक्फ़ी से निकाल दिया गया है।

(4) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० दिनांक 5-5-76 के पैरा (1) में उप-पैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री एम० पी० मायुर, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा-निवृत्ति पूर्वे 26-4-76 से 31-7-76 तक 97 दिन की अंजित छुट्टी मंजूर की गई है।”

(5) निम्नलिखित को इस विभाग की सूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए० दिनांक 5-5-76 के पैरा (2) में उप-पैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री एम० एल० सिक्का, स्थायी लेखा अधिकारी को 4-5-76 से 10-8-76 तक 99 दिन की अंजित छुट्टी मंजूर की गई है।”

सी० वी० नागेन्द्र,
रक्षा लेखा उप-महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियाँ

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियाँ सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 मई 1976

सं० 44/76/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को जो डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (सेलैक्शन ग्रेड) दिनांक 1-1-73 के संशोधित वेतनमान रु० 2000-125-2250 प्राप्त कर चुके थे, डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (सेलैक्शन ग्रेड) आई० ओ० एफ० एम० के प्रथम स्तर के पद तथा रु० 2500-125/2-2750 के वेतन स्तर पर प्रत्येक के समने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री ओ० पी० बहल, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

2. श्री के० डी० कोहली, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

3. श्री डी० नाई० मोहो, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

4. श्री डी० के० चक्रवर्ती, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

5. श्री आई० के० नायक, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

6. श्री डी० सेन, स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 1-5-74

7. श्री के० विष्णोई, डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (एस० जी०)---दिनांक 24-9-74

डा० एस० भट्टाचार्य, महानियंत्रक
आर्डनेन्स फैक्टरियाँ

कलकत्ता-700016, दिनांक 24 मई 1976

सं० 41/76/जी०—एक वर्ष की सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री डी० संथानम्, स्थायी महायक प्रबन्धक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

सं० 42/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री बी० सी० बी० राव, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

सं० 43/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर, श्री एम० एन० भण्डारी, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), 31 मार्च, 1976 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 2 जून 1976

सं० 46/76/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री गुरवन्त सिंह, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 29 फरवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियाँ

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई 1976

आयात और नियर्ति व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/595/60 प्रशा० (राज०)/3473—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर थे: एच० एस० कुबाल ने दिनांक 28 फरवरी, 30 1976 के अपराह्न को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-नियर्ति के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६/६२२/६१-पशा० (राज०)/३४९—सेवा निव॰त्ति की आयु प्राप्त होने पर शीघ्रता० एम० एम० ब्रूर्हात् ने दिनांक अप्रैल 30, 1976 के अपराह्न को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० कौल, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1976

आदेश

शिखण्य :—सर्वश्री मद्रास हैंडकरचीफ एक्सपोर्टिंग कम्पनी, नम्बर 25 मंगममल स्ट्रीट, मद्रास-600001 को 10506 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०/क०/२८०२५०/सी०/एक्स० एक्स०/५८/एम०/४१-४२ दिनांक 3-2-76 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करना।

सर्वश्री मद्रास हैंडकरचीफ एक्सपोर्टिंग कम्पनी, नं० 25 मंगममल स्ट्रीट, मद्रास-600001 को रंगों और रसायनों का आयात करने के लिए उपर्युक्त लाइसेंस इस कार्यालय द्वारा प्रदान किया गया था।

फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया था। यह बताया गया है कि उनके द्वारा लाइसेंस का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है। अपने दावे के समर्थन में सर्वश्री मद्रास हैंडकरचीफ एक्सपोर्टिंग कम्पनी, नं० 25 मंगममल स्ट्रीट, मद्रास-600001 ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

(मि० सं० सीटी/टक्स/१८/ओ० डी० ७५/ई० पी० सी०-१ से जारी किया गया)

आई० ए० रशीद, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 2 जून 1976

सं० ई० एस० टी०-१-२ (663)---श्रीमान् राष्ट्रपति 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री शक्ति प्रसाद घोषाल को वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में उप-निदेशक (पी० और डी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ई० एस० टी०-१-२ (502)---वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के उप-निदेशक और वस्त्र आयुक्त गवा-निवृति को आयु प्राप्त कर लेने पर 30 अप्रैल 1976 के अपराह्न में सेवा-निवृत्त हो गए।

राजेन्द्र पाल कपूर, वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 21 मई 1976

सं० सी० ई० आर०/६ ए०/७६---सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (4)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 16 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

- “(1) उपनिदेशक गण, खाद्य और पूर्ति, संपूर्ण हिमाचल प्रदेश में हिमाचल प्रदेश
- (2) जिलों के खाद्य और पूर्ति नियंत्रक उनके अपने संबद्ध जिले गण में
- (3) जिला निरीक्षक गण, खाद्य और पूर्ति
- (4) निरीक्षक गण, खाद्य और पूर्ति उनके अपने संबद्ध जिले में
- (5) उप-निरीक्षक गण, खाद्य और पूर्ति ,

सं० सी० ई० आर०/६ बी०/७६---सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (12)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम सं० 15 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“उप निदेशक गण, खाद्य और पूर्ति, संपूर्ण हिमाचल प्रदेश हिमाचल प्रदेश में”

सं० सी० ई० आर०/६ सी०/७६---सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/६/६९ दिनांक 24 अप्रैल, 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में, कम संख्या 4 के बाद संभं 1, 2 और 3 में असर: निम्न प्रविष्टियां जोड़ दी जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3
“5 (1) उपनिवेशक गण संपूर्ण हिमाचल प्रदेश खाद्य और पूर्ति में हिमाचल प्रदेश		
(2) जिलों के खाद्य उनके अपने संबद्ध और पूर्ति नियंत्रण में		हिमाचल प्रदेश में
(3) जिला निरीक्षक गण खाद्य और पूर्ति	”	
(4) निरीक्षक गण उनके अपने संबद्ध खाद्य और पूर्ति अधिकार क्षेत्र में		
(5) उप-निरीक्षक गण खाद्य और पूर्ति	”	

गौरी शंकर भारतीय, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 11 मई 1976

सं० ई०-11(7)---इस विभाग की अधिसूचना सं०-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 के वर्ग 7—प्रभाग 2 में निम्नलिखित प्रविष्टि किया जाए, अर्थात्—

- प्रविष्टि “अमसिस” के पूर्व “प्रैल्यूमिनीय ब्रांचेज” को प्रविष्टि किया जाए;
- “बांन-बांत” या “किसमस क्रकर्स” “चायनिज क्रकर्स” तथा “क्रकर्स” के पूर्व निशान निविष्टि किया जाए;
- प्रविष्टि “लान्सेस” के पूर्व “हैंड प्लेयर्स” को प्रविष्टि किया जाए;
- प्रविष्टि “मरुन” के पूर्व “मैग्नीनिय ब्रांचेज” तथा पेन्सील्स को प्रविष्टि किया जाए;
- “साकेट साउंड सिग्नल्स” प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि किया जाए “स्पार्कलर्स (एवं इलेक्ट्रिक स्पार्कलर्स) स्पार्कलर (इलेक्ट्रिक स्पार्कलर सहित)

जो कि बेरीयम सेट्रेट, प्रैल्यूमिनीय पाउडर, मंगेशियं पाउडर, लोहे का बुरावा, डेक्सट्रिन और गोंद आदि के मिश्रण को तार पर लगाकार इस प्रकार बनाया गया हो कि एक तार का वजन 22 ग्राम से कम हो और स्पार्कलर जलते समय तथा जलने के पश्चात् अवश्य गरम अवशेष न छोड़े।”

दिनांक 29 मई 1976

सं० ई०-11(7)---इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाए, अर्थात् :

वर्ग 6 के अन्तर्गत—प्रभाग 3 के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि “परक्यूशन प्रायमर्स” के बाद में “सेफ टी-डेट्स” को छोड़ दिया जाए।

इंग्रज नरसिंह मूर्ति, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1976

सं० ए०-17011(20)/71-ए-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा इंजीनियरिंग शाखा के निरीक्षण अधिकारी ग्रेड III के श्री एम० गंगाराजू को 6 मई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों के जारी होने तक सेवा के ग्रेड II में उप निदेशक (निरीक्षण) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री गंगाराजू ने कलकत्ता निरीक्षण मंडल के टाटा नगर केन्द्र में 24 अप्रैल, 1976 (अपराह्न) से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) का पदभार छोड़ दिया तथा 6 मई, 1976 के पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में उप निदेशक (निरीक्षण) (इंजीनियरी) का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 7 जून 1976

सं० ए० 17011/102/76-ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतव्यारा श्री आर० सी० वर्मा, भांडार परीक्षक (इंजीनियरी) उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली को 15-5-76 के अपराह्न से आगामी आवेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1976

सं० प्र०-1/1(849)—राष्ट्रपति, इस महानिदेशालय में उप निदेशक (सांख्यिकी) के रूप में कार्य कर रहे भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-III के अधिकारी श्री पी० सी० सरकार को दिनांक 14 मई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में विशेष

कार्याधिकारी (सांचिकी) (भारतीय सांचिकी सेवा के ग्रेड-V) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,
उपनिदेशक (प्रणासन)
कृते महानिदेशक, पूर्वि तथा निपटान

इस्पात और खान मंदिरालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 27 मई 1976

सं० 9/58/सी०/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री एन० के० चौधरी को सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 27 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 50/66(के० सी० पी० एस०)/19बी०—खनिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री के० सी० पी० सिंह ने शिफ्ट बास के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थानापन्न क्षमता में, 16 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० 50/66(पी० के० एच०)/19बी०—खनिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री पी० के० हैजल ने शिफ्ट बास के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, स्थानापन्न क्षमता में, 22 मार्च 1976 के अप्राह्न से संभाल लिया।

सं० 2222(ए० सी० बी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री असामी चन्द्र बनर्जी को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 2 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(सी० बी० एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री सी० बी० सेशाद्रि को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22-3-1976 के पूर्वाह्न पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(एस० के० सी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री सजल कान्ती

चौधुरी को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-750-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 मई, 1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(एस० एस० जी)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री एस० एस० गुप्ता को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 25-3-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(एस० एन० एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री एस० एन० सिंह को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 29-3-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (टी० पी० आर०)/19बी०—खनिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री टी० पी० राय ने ड्रिलर के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 16 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

सं० 2251 (एम० एस० आर०)/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलर श्री मंगल सिंह रावत सरकारी सेवा से वार्द्धधन्य निवर्तन पर 31 जनवरी, 1976 (अप्राह्न) से निवृत्त हो गए।

दिनांक 28 मई 1976

सं० 2251 (के०के० बी०)/19बी०—खनिज समन्वयन निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री के० के० बक्सी ने ड्रिलर के पद का कार्यभार, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उसी क्षमता में, 23 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से संभाल लिया।

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त सहायक प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशासनिक अधिकारी के वर्ग में “आगामी निष्पत्ते नियमों” के अन्तर्गत, उसी विभाग में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, 12-12-1975 के पूर्वाह्न से प्रोफार्मा पदोन्नति दी जाती है।

- श्री जी० एन० घोष
- श्री के० जी० रामचन्द्रन
- श्री सी० एस० सूरभा

सं० 459/बी०/14/74/19/सी०—निम्नोक्त अधिकारियों की सहायक रसायनज्ञ के वर्ग में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथि से पुष्टि की जाती है:—

क्रमांक	अधिकारियों का नाम	पुष्टि तिथि
सौधी भर्ती		
1.	श्री एस० आर० पाल	2. 6. 70
2.	, एम० बी० अकोलकर	2. 6. 70
3.	, बी० पी० चटर्जी	2. 6. 70
4.	, एम० आर० सेन गुप्ता	2. 6. 70
5.	, बी० डी० कपूर	4. 6. 73
6.	, जी० पी० एस० नायर	4. 6. 73
7.	, एस० एस० लाल	4. 6. 73
8.	, बी० एम० तिवारी	4. 6. 73
9.	, पी० आर० पाल	4. 6. 73
10.	, एस० पलानी	4. 6. 73
11.	, बी० पी० सिंहा	4. 6. 73
12.	डा० बी० मजुमदार	4. 6. 73
13.	श्री जी० एन० सचन	4. 6. 73
14.	, आर० एन० सुद	4. 6. 73
15.	, आर० एम० अग्रवाल	4. 6. 73
16.	, आर० जी० जोशी	4. 6. 73
विभागीय पदोन्नति		
1.	श्री बी० के० गुप्ता	8-12-67
2.	, एस० के० हालदर	4-10-69
3.	, एस० के० मित्रा	2-6-70
4.	, एम० पी० आर० नायर	2-6-70
5.	, सी० एन० मूर्धी	1-6-72
6.	, मु० जफर	4-6-73
7.	, एस० एन० सिंह	4-6-73
8.	, बी० एस० विद्येदी	4-6-73

दिनांक 31 मई 1976

सं० 2222 (के० पी० एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री के० पी० सिंह को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(ए० के० आर०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री ए० के० रैन को उसी विभाग में, सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

रो-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 31 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2181 (एस० एम० ए०) (बी० पी० एस०)/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

1. श्री एस० एम० अजहर — 2-3-1976 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० पी० शर्मा — 2-3-1976 (पूर्वाह्न)

सं० 2181 (जे० आर० एस०) (बी० के० जी०)/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से नियुक्त किया जाता है:—

1. डा० जुग राज सिंह — 11-3-1976 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० के० गुलहाटी — 12-3-1976 (पूर्वाह्न)

सं० 2222(टी० के० सी०)/19ए०—श्री तपन कुमार चक्रवर्ती को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 10 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2586 (आर० पी० सी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री रमा प्रसाद चटर्जी सरकारी सेवा से वार्द्धक्य निवृत्ति पर 1 मार्च 1976 (पूर्वाह्न) से निवृत्त हो गये।

सं० 2222(के० के०)/19ए०—श्री कुलदीप कचरा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 11 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जून 1976

सं० 2222(टी० के० पी०)/19ए०—श्री तापस कुमार पाइन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222(एस० के० जी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री एस० के० गाधोक को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई धमता में, आगामी आदेश होने तक, 2-4-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 683/बी/1734(4)/19 सी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अस्थायी अधिकारियों को उनके वर्ग में तथा उनके नामों के सामने दर्शायी तिथि से स्थायीवत् धोषित किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम	पद	स्थायीवत् धोषित किये जाने की तिथि
1.	श्री के० के० चक्रवर्ती	सहायक भू-वैज्ञानिक	7-5-69
2.	श्री ए० के० किंचल	"	16-12-70
3.	श्री बी० के० नागा राजा राव	"	11-12-70
4.	श्री एस० दत्त गुप्ता	"	29-12-70
5.	श्री विजय कु० जोशी	"	23-1-71
6.	श्री पी० बी० बट्टोपाध्याय	"	18-12-70
7.	श्री स्वपन कु० सरकार	"	3-1-71
8.	श्री रनजीत कु० दत्ता	"	21-12-70
9.	श्री पी० देवगुप्ता	"	16-1-71
10.	श्री बी० के० अक्रवर्ती	"	31-1-71
11.	श्री रथीन्द्रनाथ दत्ता	"	5-1-71
12.	श्री के० बी० नायर	"	12-12-70
13.	श्री एस० सी० राय	"	22-2-71
14.	श्री अरुण कुमार महंती	"	19-12-70
15.	श्री पी० प्रकाश	"	11-12-70
16.	श्री जे० एल० युस्सू	"	16-1-71
17.	श्री आर० बी० अर्थर	"	28-12-70
18.	श्री रनजीत कु० चक्रवर्ती	"	8-1-71
19.	श्री बारीन चटर्जी	"	16-12-70
20.	श्री पी० के० थाम्पी	"	18-12-70
21.	श्री पी० बी० तरन	"	15-2-71
22.	श्री के० ई० विश्वनाथन	"	19-12-70
23.	श्री आई० आर० राव	"	19-12-70
24.	श्री के० बी० वेंकटेश	"	5-12-70
25.	श्री श्रमिताभ राय	"	18-12-70
26.	श्री आर० आर० बट्टोपाध्याय	"	18-12-70
27.	श्री भनोरंजन दास	"	16-12-70

क्र० सं०	नाम	पद	स्थायीवत् धोषित किये जाने की तिथि
28.	श्री सेखर भद्र	सहायक भू-वैज्ञानिक	19-12-70
29.	श्री असीम कु० बसु	"	19-12-70
30.	श्री आर० के० वाखलू	"	26-12-70
31.	श्री प्रदीप कुमार धोष	"	1-1-71
32.	श्री एम० एन० डागे	"	5-12-70
33.	श्री एन० के० आर० वर्मा	"	27-12-70
34.	श्री सुरेन्द्र नाथ पंडा	"	19-12-70
35.	श्री लालिन संगमा	"	3-1-71
36.	श्री जे० एम० श्रालम	"	3-8-68
37.	श्री मुन्नत चक्रवर्ती	"	16-1-72
38.	श्री आर० पी० शर्मा	"	18-4-72
39.	श्री आर० सुन्दरम	"	29-9-72
40.	श्री बी० एस० रावत	"	23-8-72
41.	श्री एस० एस० मशा	"	25-3-73
42.	श्री एस० के० भट्टाचार्जी	"	2-6-72
43.	श्री के० एस० श्रीराम	"	20-8-72
44.	श्री आर० एस० मिश्रा	"	1-3-72
45.	श्री के० पी० रेण्डी	"	31-5-72
46.	श्री आर० एन० मुखोपाध्याय	"	14-4-73
47.	श्री एस० पी० महाकुद	"	6-1-73
48.	श्री के० के० सेन	"	9-2-73
49.	श्री ए० बी० के० राव	"	28-2-73
50.	श्री एस० जी० उष्मोजी	"	26-12-72
51.	श्री पी० एन० चौधुरी	"	8-12-72
52.	श्री एस० मेहरा	"	15-1-73
53.	श्री टी० के० सेन	"	11-11-72
54.	श्री एस० एस० बोस	"	10-3-73
55.	श्री आर० पी० रैडक्सीफ	"	25-9-72
56.	श्री ए० के० दास	"	30-10-72
57.	श्री हरपाल सिंह	झीलर	18-9-68
58.	श्री य० एस० पी० गुप्ता	"	10-9-68

बी० के० एस० वरदन,
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर, विनांक 9 जून 1976

सं० ए/19011(106)/70—सिव्वन्दी ए—राष्ट्रपति
श्री एच० एन० बट्टोपाध्याय, सहायक खान नियंत्रक, भारतीय खान
ब्यूरो को 7 मई 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक

भारतीय खान व्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न क्षमता के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून 1976

सं० ए० 19011(30)/75—स्था० ए०—पाइराइट, फास्फेट और रसायन सीमित, देहरादून से प्रतिवर्तित होने पर श्री डॉ० वी० शुलकर्णी भारतीय खान व्यूरो में दिनांक 26-5-1976 के पूर्वाह्न से उप अयस्क प्रशासन अधिकारी के रूप में अपने काम पर हाजिर हो गए हैं।

ए० के० राधवाचारी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण
भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 मार्च 1976

सं० 4-122/75—स्था०—निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण एतद्वारा श्री नवकिशोर दास की इस सर्वेक्षण में सहायक मानव विज्ञानी विशेषज्ञ (संस्कृति) के पद पर 24 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थाई आधार पर नियुक्ति करते हैं।

सी० टी० थामस
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 2 जून 1976

सं० स्था० 1—5086/पी०एफ० (पी० के० एस०)—भारत के महासर्वेक्षक, श्री पी० के० शर्मा, सहायक प्रबन्धक सं० 103 (पो० ज० का०) मुद्रण वर्ग (म० प्र०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून, को सेवाकाल की अवधि की समाप्ति पर दिनांक 29 फरवरी 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सहृष्ट नियृत्त करते हैं।

डॉ० पी० गुप्ता
मेजर इंजीनियर
सहायक महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1976

सं० एफ० 11-2/74-ए-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, अभिलेख निवेशक, भारत सरकार एतद्वारा श्री विजय कुमार को नियमित अस्थायी आधार पर दिनांक 31-7-1975 से आगामी आदेशों तक पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (वर्ग II राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून 1976

सं० एफ० 11-2/74-ए-1—श्री वी० एल० राजदान, सहायक रसायनज्ञ ग्रेड-I नितान्त तदर्थ आधार पर (श्री सी० पी० मेहरा, वैज्ञानिक अधिकारी जो छुट्टी पर हैं उनके स्थान पर) 1 जून 1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी (वर्ग II राजपत्रित) नियुक्त किये गये। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिए किसी भी प्रकार के दावे का अधिकार प्रदान नहीं करेगी। और न अन्य उच्च ग्रेड में परोपकारि हेतु प्रदाना और वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य से गिनी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद
अभिलेख निवेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1976

गुद्धि-पत्र

सं० 10/10/76—स्टाफ-तीन—इस महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 2/5/76-एस०तीन, दिनांक शुन्य का आंशिक संशोधन करते हुये, क्रम संख्या 15 के सामने दिया गया श्री एल० सी० लोगानी का नाम जे० सी० लोगानी कर दिया जाए।

वी० भादु
अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1976

सं० 2/44/60—स्टाफ-दो—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/44/60—स्टाफ दो दिनांक 21 मई 1975 का अधिक्रमण करते हुए, महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एच० एस० बैट्टीस, हैड कलर्क, दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई को दिनांक 14-5-76 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी इम्फाल में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्ति करते हैं।

दिनांक 5 जून 1976

सं० 2/7/63—स्टाफ-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० नागनरसिम्हा, लेखाकार, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बंगलौर को 27-5-76 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, शिमला में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सेन पाँथी
अनुभाग अधिकारी
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 29 मई 1976

सं० 17/20/49—सिब्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री लिंग० श्रीनिवासन स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के

छट्टी चले जाने के कारण श्री विहू के० नायर स्थानापक्ष विक्रेता फिल्म प्रभाग बंगलौर को दिनांक 11-5-1976 से फिल्म प्रभाग बंगलौर में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

आर० एस० शर्मा
प्रशासकीय अधिकारी
कूले प्रमुख नियमिता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई 1976

सं० 33-12/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में भौतिक चिकित्सक श्रीमती एस० पासी को 25 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उसी अस्पताल में वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक के पद पर तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 28 मई 1976

सं० ए-12025/1/76-डी—राष्ट्रपति ने डा० जी० सी० श्रीवास्तव को 6 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक केन्द्रीय भारतीय भेषज कीष प्रयोगशाला, गाजियाबाद में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर पूर्णतया अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 9-24/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती सरला कपूर को 5 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महानिदेशालय में वरिष्ठ ट्यूटर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

वरिष्ठ ट्यूटर के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने पर श्रीमती सरला कपूर ने 5 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न को उसी महानिदेशालय में ट्यूटर के पद पर कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
राष्ट्रीय शर्करा संस्था
(खाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 26 मई 1976

सं० स्था० प्रशास०-३(1)/67—श्री वी० सीधारमेया की नियुक्ति मूल रूप में से हिन्दी एवं कल्याण अधिकारी के स्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतनक्रम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 15 अक्टूबर 1971 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामव्या, निदेशक

(सिंचाई विभाग)

महा प्रबन्धक का कार्यालय,
फराक्का बांध परियोजना

फराक्का, दिनांक 26 मई 1976

सं० पी० एफ०-II/223/5448(8)—श्री बन्दकान्त बलवत्त भादगांवकर दिनांक पहली जनवरी 1976 के पूर्वाह्न से सहायक अभियन्ता के पद पर, फराक्का बांध परियोजना, कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय, (सिंचाई विभाग) भारत सरकार, में अस्थायी रूप से नियुक्त किए गए।

श्रीगेडियर डी० आर० काथुरिया
महा प्रबन्धक
फराक्का बांध परियोजना

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 30 अप्रैल 1976

सं० पी० ए०/५५(५)/७५-आर०-४(जिल्द-II)—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक श्री समाकुलम वेंकटरामन करथीकेयन को 9 अप्रैल 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/८१(३७)/७३-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी सहायक (सी) श्री ताराकाद मुब्बारोयन मुब्बाराम को 1 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1976

सं० पी० ए०/८१(१६)/७६-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी सहायक फोरमैन श्रीर स्थानापन्न फोरमैन श्री विश्वनाथ गणेश श्रोक को 1 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मई 1976

सं० पी० ए०/८१(५७)/७६-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री अनंत कृष्णा भट्ट को 1 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/८१(१२८)/७५-प्रार-४—भाभा परमाणु अनु-संधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थायी प्रारूपकार (बी) श्री स्थानापन्न प्रारूपकार (सी) श्री नारायण हीरानन्द पुनकाणी को एक फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के तिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उल्लीकृष्णन,
उप स्थानापन्न अधिकारी (भ)

बम्बई-४०००८५, दिनांक 29 मई 1976

सं० ५/४१५/चिकित्सा/स्थाना-४—भाभा परमाणु अनु-संधान केन्द्र के निदेशक एक स्थायी सहायक मैट्रन श्रीमती तारा रामचन्द्र थलसांगकर को श्रीमती चको, मैट्रन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर निम्नलिखित अवसरों पर स्थानापन्न मैट्रन नियुक्त करते हैं।

1. २८-१-७६ से २५-३-७६ तक ५८ दिन
2. ५-४-७६ से ५-६-७६ तक ६२ दिन

एम० के० एस० सुश्रमणियन्,
उप स्थानापन्न अधिकारी

बम्बई-४०००८५, दिनांक 29 मई 1976

सं० ५/१/स्थाना-II—इस अनुसंधान केन्द्र के २९-१०-१९७५ की अधिसूचना सं० १/१/७१/स्थाना-XI/३४६ के त्रैम में, भाभा केन्द्र के नियन्त्रक एक स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री कृष्णपुरम रामन पिलै वेणु गोपालन नायर को २१-९-१९७५ (पूर्वाह्न) से ३०-४-१९७६ (अपराह्न) तक इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णपूर्णी,
उप स्थानापन्न अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-४००००१, दिनांक 24 मई 1976

सं० डी० पी० एस०/ए०/११०१३/३२(ए)/७६-स्थाना—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय क्रय एवं भंडार यूनिट के अस्थायी भंडारी श्री बी० बी० नायर को १ मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से ३ अप्रैल, 1976 के अपराह्न तक ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रूपये के वेतनमान में श्री बी० बी० प्रभु सहायक भंडार अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/११०१३/३२(ए)/७६-स्थाना—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक हैदराबाद स्थित

इस निदेशालय के हैदराबाद क्षेत्रीय क्रय एवं भंडार यूनिट के अस्थायी क्रय सहायक श्री डी० डी० नायक को, सहायक क्रय अधिकारी श्री पी० बालगनाधरन को, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर १६-१-७६ (पूर्वाह्न) से २१-२-७६ (अपराह्न) तक रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में अस्थायी रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

विशुत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-५, दिनांक 27 मई 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/३(२६२)/७६-प्रशासन—बम्बई स्थित विशुत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायित्व उच्च श्रेणी लिपिक सथा स्थानापन्न प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री एन० टी० वरवाणी को श्री जी० एस० खुराना, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर १० मई, १९७६ के पूर्वाह्न से ११ जून, १९७६ के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० जे० भाटिया, प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-५०००१६, दिनांक 28 मई 1976

सं० ए० एम० डी०-२/२४४७/७५-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में कार्य कर रहे स्थानापन्न विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० डी०), श्री दिवाकर गोस्वामी का उपरोक्त पद से उनका त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा स्वीकार किये जाने पर, श्री गोस्वामी ने २३ मार्च, १९७६ के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-३८००५३, दिनांक 7 मई 1976

सं० अ० उ० के०/स्था०/१-१-५६/७६—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में श्री एन० नारायणस्वामी को स्टेशन अधिकारी के पद पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६० के वेतनमान में रु० ७१०/-

प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 5 मार्च, 1976 से नियुक्त करते हैं।

मेजर आर० सी० सेमुअल (सेक्वा निश्चत्)
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नगर विमानन मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 जून 1976

सं० ई(1) 03515—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, उपकरण, पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० चौधुरी को 17-5-1976 के पूर्वाह्न से 13-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चौधुरी स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक (उपकरण) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 4 जून 1976

सं० ई(1) 04255—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एम० बी० घोष को 21-5-1976 के पूर्वाह्न से 17-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

संख्या ई(1) 05132—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एम० एल० घोष को 21-5-1976 के पूर्वाह्न से 17-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1) 05195—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० दास को 17-5-1976 के पूर्वाह्न से 13-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दास, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1) 05773—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एम० सक्सेना को 18-5-1976

के पूर्वाह्न से 14-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एम० सक्सेना, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 5 जून 1976

सं० ई(1) 04193—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को 21-5-1976 के पूर्वाह्न से 17-8-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञ^{कुत्ते} वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1976

सं० ए-22015/13/76-ई० एस०—श्री अमिय कुमार मैत्र ने 1 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय वेतन एवं लेखा कार्यालय, नागर विमानन विभाग, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 28 मई 1976

सं० ए-38012/7/76-ई० एस०—निवर्त्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता, क्षेत्र, कलकत्ता-700052 के कार्यालय के श्री डी० एन० अन्तिया, वरिष्ठ विमान निरीक्षक ने 30 अप्रैल, 1976 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 31 मई 1976

सं० ए-32014/2/75-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को 1 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है:

- श्री थामस कोशी,
तकनीकी सहायक,
वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
- श्री के० बी० एस० मूर्ति,
तकनीकी सहायक,
वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

नई दिल्ली, दिनांक मई 1976

सं० ए-32013/18/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री किशू टेकचन्द्रानी, वरिष्ठ संचार अधिकारी को 15 मई, 1976 से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें नागर विमानन विभाग, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 2 जून 1976

सं० ए-38012/1/76-ई० सी०—निवृत्ति आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप निदेशक, 'रेडियो निर्माण एवं विकास एकक' सकारात्मक एवं रोपी, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री सुखदेव राज, सहायक उपर्योगी प्रधिकारी ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 30 प्रैन, 1976 (अगराह) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई, 1976

सं० ए-31013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० रामाचन्द्रन को 1 जनवरी, 1976 से स्थायी रूप में नागर विमानन विभाग में निदेशक विमानसार्ग एवं विमानक्षेत्र के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 मई 1976

सं० ए-31013/9/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री जी० सी० राय को 13 नवम्बर, 1975 से स्थायी रूप में नागर विमानन विभाग में उड़ान नियोक्तक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 मई 1976

सं० ए-31013/3/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० सरकार को 10 अप्रैल, 1975 से नागर विमानन विभाग में स्थायी रूप में उप महानिदेशक के ग्रेड में नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1976

सं० ए-32013/3/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से तथा अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग

के विमान सार्ग एवं विमान क्षेत्र संगठन में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
सर्वश्री :			
1. टी० एस० एन० राज०	क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय,	29-3-76	दमदम
2. बी० एम० राय०	दमदम	8-4-76	
3. एस० भटू०	सहायक निदेशक (सूचना एवं विनियम) के रूप में मुख्यालय में तैनात	1-4-76	
4. आर० एन०	नागर विमानन प्रशिक्षण	29-3-76	भटनागर
5. के० एन० बहल०	केन्द्र, इलाहाबाद	27-4-76	
6. के० सी० दुग्गल०	ऊधमपुर	8-5-76	
7. आई० एम० तुली०	पटना	[30-4-76	
8. बी० बी० बग्गा०	पालम	30-3-76	(अपराह्न)
9. आर० जे० युवराज०	नागपुर/बम्बई	29-3-76	
10. एम० के० दास०	दमदम	29-3-76	
11. एम० एस० जी० के०	बम्बई	10-5-76	वारियर

विश्व विनोद जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक जून 1976

सं० 1/369/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वि० सं० से० की नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री भगत सिह को अल्पकालीन रिक्त स्थानों पर 11-2-76 से 28-2-76 (दोनों दिन समेत) तक और 1-3-76 से 15-3-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधियों के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय
गुन्टुर-4, दिनांक 27 अप्रैल 1976

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं० 1—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गुन्टुर,
मुख्यालय के श्रेणी II के स्थानापन्न अधीक्षक श्री बी० जनानसंबंधन को मूल, नियमावली 56 जे० के० उपबन्धों के

अधीन दिनांक 16 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

सं० 2—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के वरीय ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को अगला आवेश होने तक गुन्टुर स्थित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय में, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रेणी-II के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने-अपने नाम के सामने बतायी गई तिथि से अधीक्षक, श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार संभाल लिया है।

क०	अधिकारी का नाम	स्थेशन	अधीक्षक, केन्द्रीय
सं०			उत्पाद शुल्क, का कार्यभार संभालने की तिथि

सर्वेषी :

1. जे० राम मूर्धी	नि० और आ० कोठा	1-4-1975
पेट		
2. सहयव महमूद	आई० डी० ओ०	3-3-1976
	एलरु	
3. महो० इजाज हुस्तेन	मुख्यालय, गुन्टुर	23-2-1976
4. पी० पुटरहया	एम० ओ० आर०, रामचन्द्रापुरम्	11-3-1976
5. जी० ए० गजपतिराव आई० डी० ओ०	विशाखापत्तनम्	8-3-1976
6. एम० धवलेश्वरराव	एम० ओ० आर०	2-3-1976
	पोथावरम्	

पी० आर० कृष्णन्,
समाहर्ता

इलाहाबाद-1, दिनांक 15 मई 1976

सं० 27/1976—पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, गोरखपुर में अधीक्षक (तकनीकी) के रूप में तैनात श्री एस० एन० पी० त्रिवेदी, स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग, 'ख' ने अधीक्षक (तकनीकी) के कार्यालय कार्यभार दिनांक 30-4-1976 को (दोपहर के बाद) श्री जी० पी० धरबारी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गोरखपुर को सौंप दिया और उसी तारीख तथा समय से वे सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास,
समाहर्ता

पटना, दिनांक 2 जून 1976

मि० सं० II (7) 5-स्था०/75/5227-भारत सरकार, राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश संख्या 15/76, जो पत्र संख्या एफ० ए०-३२०१२/१७/७५-सी० ई० आर० सी० (प्र०) दिनांक 21-4-1976 द्वारा जारी किया गया। श्री एस० एस० टंडन, प्रशासन अधिकारी श्रेणी (बी) केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय, इलाहाबाद को स्थानापन्न रूप से मुख्य लेखा अधिकारी श्रेणी (ए) के रूप में नियुक्त किया गया, के अनुसरण में श्री एस० एस० टंडन, मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय, पटना के रूप में दिनांक 10-5-1976 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

हरिनारायण साहू,
समाहर्ता

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1976

संख्या 48—श्री एम० एल० कपूर, निरीक्षक (सैलेक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, दिल्ली को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क श्रूप बी० के रूप में स्थानापन्न तौर से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है, उन्होंने दिनांक 17-4-76 के अपराह्न में अधीक्षक, सीमा शुल्क, हवाई माल, यूनिट, पालम सई दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

संख्या 49—श्री जगत प्रकाश आनन्द, निरीक्षक (सैलेक्शन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, विल्ली को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क "श्रूप बी०" के रूप में स्थानापन्न तौर से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है उन्होंने दिनांक 17-4-76 के अपराह्न में अधीक्षक, सीमा शुल्क विदेश डाक कार्यालय, के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

म० सा० बधवार,
समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

व्यालियर-6, दिनांक 1 जून 1976

सं० 41—नियुक्त पर, स्थानापन्न उप अधीक्षक (कार्यपालक) श्री बी० एल० भण्डारी, ने 12 फरवरी, 1976 के दोपहरपूर्व को रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, उप नारकोटिक्स

आयुक्त, नीमच के कार्यालय में अधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 42—नियुक्ति पर, स्थानापन्न उप अधीक्षक (कार्यपालक), श्री आर० पी० निर्मल ने 12 फरवरी, 1976 के दोपहरपूर्व को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, श्री बी० तीरथ जिला अफीम अधिकारी, चित्तोड़गढ़ को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए, जिला अफीम अधिकारी, भीलवाड़ा, का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 43—नियुक्ति पर, स्थानापन्न उप अधीक्षक, (कार्यपालक) श्री रहीम बक्स ने 13 फरवरी, 1976 के दोपहरपूर्व को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, श्री जे० मगनजी, जिला अफीम अधिकारी, नीमच-IV, को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुए जिला अफीम अधिकारी, नीमच-III प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 44—नियुक्ति पर, स्थानापन्न उप अधीक्षक (कार्यपालक) श्री सी० एम० प्रसाद, ने 19 फरवरी, 1976 के दोपहर बाब को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, श्री डी० एन० श्रीवास्तव के स्थान पर जिला अफीम अधिकारी बाराबंकी-III प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया। श्री डी० एन० श्रीवास्तव का स्थानान्तरण हो गया है।

सं० 45—बाराबंकी-III प्रभाग से स्थानान्तरण पर, श्री डी० एन० श्रीवास्तव ने 29 फरवरी, 1976 के दोहपर बाद को, श्री मुनीश्वर राम के स्थान पर जिला अफीम अधिकारी, मन्दसौर-II प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया। श्री मुनीश्वर राम सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सं० 46—नियुक्ति पर, स्थानापन्न उप कार्यालय अधीक्षक सेवल-I अधीक्षक (अनुसंचिकीय) श्री इन्द्र सिंह रत्ना ने 3 मई, 1976 के दोपहरपूर्व को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, प्रशासन अधिकारी समूह-ख का कार्यभार संभाल लिया। श्री रत्ना को निर्यात कक्ष, नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

सं० 47—श्री मुनीश्वर राम, जो पिछले दिनों मन्दसौर-II प्रभाग में, जिला अफीम अधिकारी के रूप में तैनात थे, 29 फरवरी, 1976 के दोपहरबाद को निवर्तन पेंशन पर सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 48—श्री रहीम बक्स, जो पिछले दिनों नीमच-III प्रभाग में, जिला अफीम अधिकारी के रूप में तैनात थे, 31 मार्च, 1976 के दोपहरबाद को निवर्तन पेंशन पर सेवा निवृत्त हो गए।

अभिलाष शंकर,
भारत का नारकोक्षिस आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 मई 1976

सं० क-12017/5/76-प्रशा०-पांच—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा०-पांच (जिल्द-दो) दिनांक 16 अक्टूबर, 1975 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एम० पी० नम्बूद्री, अनुसंधान सहायक को पश्चिमी रीजिंग प्रभाग, अहमदाबाद, केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायनवर्ग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में दिनांक 1-1-1976 से 9-5-1976 की अवधि के लिये पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थे रूप में नियुक्त करते हैं। श्री नम्बूद्री दिनांक 10-5-1976 (पूर्वाह्न) से अनुसंधान सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये हैं।

जसवंत सिंह, अवार सचिव
कूते, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1976

सं० 27-ई० ई०/प्रार(i)/69-ई० सी०-II—के० लो० नि० विभाग के निम्नलिखित अधिकारी बार्दूंक्य (58 वर्ष) की की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में 30-4-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए :—

नाम और वर्तमान पदनाम

1. श्री जयप्रकाश—निर्माण सर्वेक्षक (विमानन) अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (विमानन) कार्यालय के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली ।

2. श्री ए० सी० राजगोपाल—कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), मद्रास केन्द्रीय विद्युत मण्डल-II, के० लो० नि० विभाग, मद्रास ।

दिनांक 4 जून 1976

सं० 27-ई०/एव०(8)/72-ई० सी०-II—श्री हरसरन सिंह जो पहिले केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के केन्द्रीय भण्डार मण्डल-II के कार्यपालक इंजीनियर थे और 23-4-76 को सेवा-निवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर गए थे, बार्दूंक्य (58 वर्ष) की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 31-5-76 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उप निवेशक
कूते प्रमुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1976

सं० 74/प्रार० ई०/161/1—रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं की आम सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे लिखे खण्डों पर ए० सी०

ऊपरी कर्षण तारों पर 10-6-1976 से अथवा इसके बाद 25 के० वी० विजली प्रवाहित कर दी जाएगी। इसी तारीख से, ऊपरी कर्षण लाइनों को हर समय विजलीयुक्त माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उसके पास नहीं जाएगा और न ही उसके निकट काम करेगा।

- (i) गाजियाबाद (छोड़कर) से साहिबाबाद (सहित) तक। (संरचना सं० कि० मी० 18/29 और 24—11/19 जी, जी० ए० एल० पर 30 जी, 11/29 मुख्य लाइन पर 22);
- (ii) जी० ए० एल० खण्ड पर साहिबाबाद (छोड़कर) से नया यमुना पुल (सहित) तक। (संरचना सं० कि० मी० 11/19 जी, 30 जी—1532/19, नई दिल्ली की ओर 20, 1533/जी० ए० एल०-6, तुगलकाबाद की ओर जी० ए० एल०-7);
- (iii) नया यमुना पुल (छोड़कर) से तिलक ब्रिज (सहित) तक। (संरचना सं० कि० मी० 1532/19, 20—1536/19-20 नई दिल्ली की ओर और मुख्य लाइन पर बम्बई की ओर कि० मी० 1534/1-2);
- (iv) तिलक ब्रिज (छोड़कर) से नई दिल्ली (सहित) तक (इसमें मिटो ब्रिज भी शामिल है) (संरचना सं० कि० मी० 1536/19-20—1539/8, 11)।

अमृत लाल गुप्त,
सचिव, रेलवे बोर्ड

सदारी छिप्पा कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 19 मई 1976

स० का० शा०/रा० सा०/१५विध II—श्री ए० के० गणेश, स्थानापन्न शाप अधीक्षक/उत्पादन नियंत्रण/शेल (श्रेणी-III) को स्थानापन्न रूप से सहायक निर्माण प्रबंधक/अनुरक्षण/फर० (श्रेणी-II) के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 3-5-76 से पदोन्नति की गई है और उन्हें 3-5-76 से श्रेणी-III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

श्री ए० शंकरर्लिंगम, अस्थाई सहायक विजली इंजीनियर/निर्माण को स्थानापन्न रूप से दिनांक 8-4-76 से तदर्थ रूप से निर्माण प्रबंधक/विजली (व० भा०) के पद पर पदोन्नति की गई है।

श्री ए० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी (श्रेणी-II) को स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ लेखा अधिकारी/फर्निंग (व० मा०) के पद पर दिनांक 10-5-76 से पदोन्नति की गई है।

श्री एल० जी० श्रीनिवासन, भंडार लेखे का निरीक्षक (श्रेणी-III) को दिनांक 10-5-76 से स्थानापन्न रूप से श्रेणी-II सेवा में सहायक लेखा अधिकारी (केन्द्रीय लेखा परीक्षा अनुभाग) के पद पर तदर्थ रूप से पदोन्नति की गई है।

एस० सुश्रमणियम
उप-मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबंधक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1976

सं० 8—श्री ए० आर० चोपर० मुख्य योजना अधिकारी (विभागाध्यक्ष-स्तर-I) उत्तर रेलवे, जो भारतीय रेल थाक्सिक इंजीनियरी सेवा विभाग के अधिकारी थे। 31-3-76 (अपराह्न) से अन्तिम रूप से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

वेद प्रकाश साहनी,
महाप्रबन्धक

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1976

सं० 14—निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से रेल सेवा से सेवा निवृत्त/अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर दिया गया है :—

1. श्री ए० एल० सेवक	31-12-75 अपराह्न
2. श्री मोहन लाल	5-12-75 अपराह्न
3. श्री ध्यान सिंह	10-2-76 अपराह्न
4. श्री वी० पी० तिवारी	27-1-76 अपराह्न

दिनांक 31 मई 1976

सं० 10—भण्डार विभाग उ० रे० के निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तारीख से अन्तिम रूप से निवृत्त हो गए हैं :—

1. श्री श्री० पी० व्हेहन, सहायक भण्डार नियंत्रक कानपुर	31-1-76 अपराह्न
2. श्री एस० पी० श्रीवास्तव सहायक भण्डार नियंत्रक शकूरबस्ती	31-1-76 अपराह्न
3. श्री सी० एल० सौधी प्रवर भण्डार अधिकारी प्रधान कार्यालय	29-2-76 अपराह्न
4. श्री एस० के० पारनी, सहायक भण्डार नियंत्रक लखनऊ	31-3-76 अपराह्न

सं० 11—रेल सुरक्षा दल, उ० रे० के निम्नलिखित अधिकारी अपने नाम के सामने दी गई तारीख से रेल सेवा से अन्तिम रूप से निवृत्त हो गए हैं :—

1. श्री कन्हैयालाल जी, सुरक्षा अधिकारी फिरोजपुर	31-1-76 अपराह्न
2. श्री जसवन्त राय, सहायक सुरक्षा अधिकारी (ग्रन्ति शामन) प्रधान कार्यालय	31-3-76 अपराह्न

पी० आर० पुसालकर,
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
(महाप्रबंक का कार्यालय)
(कार्मिक शाखा)

पांडु, दिनांक 27 मई 1976

सं० ४१०/५५/III/९६(०)---श्री एस० एस० खुराना को, जिन्हें बिजली इंजीनियरी विभाग में परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 21-11-75 से अवैर वेतनमान में सहायक बिजली इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

एच० एल० वर्मा,
महा प्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 सिटरस प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 21 मई 1976

सं० 1162टी० (560) कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सिटरस प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

आर० व्हि० मेधी,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और लाखनोटिया इन्डस्ट्रीज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कटक, दिनांक 27 मई 1976

सं० 426/76/734 (2) कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स लाखनोटिया इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और उत्कल लकड़ी कारपोरेशन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कटक, दिनांक 27 मई 1976

सं० 215/76-735(2)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास की अवसान पर उत्कल लकड़ी कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

सी० आर० दास,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ मेसर्स डब्लू आर० ड्रापर
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इनलिक्वीडेशन)

कानपुर, दिनांक मई 1976

सं० 220-एल० सी०---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मैसर्स डब्लू आर० ड्रापर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड (इनलिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

एम० एल० साह,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
यू० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी बिनोद दाता प्रोसेसिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

रवालियर-474001, दिनांक 29 मई 1976

सं० 1069/टेक---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी बिनोद दाता प्रोसेसिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

महेश प्रसाद,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, रवालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रिमियर स्टाक एण्ड सेयारस् डिलारस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1976

सं० 12435/560/75---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रिमियर स्टाक एण्ड सेयारस् डिलारस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बेयस्ट्रन आर्ट प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 1 जून 1976

सं० 25823/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बेयस्ट्रन आर्ट प्रोसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

एस० सि० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिटवैक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1976

सं० 3502—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिटवैक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन,
कम्पनीयों का सहायक रजिस्टर,
दिल्ली

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना और दी टाटानगर फाउन्ड्री कम्पनी (बिहार) लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 5 जून 1976

सं० 592 (समा०)—कम्पनी अर्जी सं० 2, 1976 में पटना स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 7-5-76 के आदेश द्वारा भेसर से दी टाटानगर फाउन्ड्री कम्पनी (बिहार) लिमिटेड के परिसमाप्त का आदेश दिया गया है।

स० प्र० तायल,
कम्पनी निवांधक बिहार, पटना

आयकर विभाग
आयकर आयुक्त का कार्यालय केरल-I
कोचीन 16, दिनांक 24 मई 1976

आयकर
आदेश सं० I/76-77

सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/76-77(1)—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उप धारा (2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-2 का आयकर आयुक्त, मैं निवेश देता हूँ कि समय समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 1/73-74 (सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/73-74, दिनांक 12-7-73) के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे। यह आदेश 1-6-1976 से प्रवृत्त होगा।

पृष्ठ (8) पद सं० (12) (ट्रिवानड्रम), कोलम (3) के नीचे पद (v) के रूप में “आयकर अधिकारी एफ०-वार्ड” जोड़िए।

आदेश सं० 2/76-77

सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/76-77/I—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124(2) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-I का आयकर आयुक्त मैं निवेश देता हूँ कि समय-समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 2/73-74, दिनांक 12-7-73 (सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/73-74) के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे। यह आदेश 1-6-1976 से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4), आयकर सरकिल, ट्रिवानड्रम के नीचे आयकर अधिकारी, ई-वार्ड ट्रिवानड्रम के बाद “आयकर अधिकारी एफ०-वार्ड ट्रिवानड्रम” जोड़िए।

(2) आयकर सरकिल ट्रिवानड्रम के सभी आयकर अधिकारी उक्त आदेश सं० 2/73-74 की अनुसूची के कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सदगोपन,
आयकर आयुक्त

धनकर आयुक्त का कार्यालय, केरल-I

दिनांक 24 मई 1976

धन कर

आदेश सं० 3/76-77

सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/76-77/I—धनकर अधिनियम 1957 की धारा 8 (अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-I का धनकर आयुक्त, मैं निवेश देता हूँ कि समय समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 3/73-74, दिनांक 12-7-73 (सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/73-74) के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे। यह आदेश 1-6-1976 से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4) आयकर सरकिल, ट्रिवानड्रम के नीचे आयकर अधिकारी, ई-वार्ड, ट्रिवानड्रम के बाद “आयकर अधिकारी एफ०-वार्ड ट्रिवानड्रम” जोड़िए।

(2) आयकर सरकिल ट्रिवानड्रम के सभी अधिकारी आदेश सं० 3/73-74 की अनुसूची के कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सदगोपन
धनकर आयुक्त

उपहार-कर आयुक्त का कार्यालय, केरल-I

दिनांक 24 मई 1976

उपहार कर

आदेश सं० 4/76-77

सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/76-77/I—उपहार कर अधिनियम 1958 की धारा 7 (अ) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-I का उपहार कर आयुक्त, मैं निवेश देता हूँ कि समय समय पर संशोधित इस कार्यालय के आदेश सं० 4/73-74, दिनांक 12-7-73 (सी० सं० 1(9) (बी०) /जी० एल०/73-74) के संलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे। यह आदेश 1-6-76 से प्रवृत्त होगा।

(1) पृष्ठ (4) आयकर सरकिल ट्रिवानड्रम के नीचे आयकर अधिकारी ई-वार्ड, ट्रिवानड्रम के बाद “आयकर अधिकारी, एफ०-वार्ड ट्रिवानड्रम” जोड़िए।

(2) आयकर सरकिल, ट्रिवानड्रम के सभी अधिकारी उक्त आदेश सं० 4/73-74 की अनुसूची के कोलम (2) और (3) में विनिर्दिष्ट सभी कार्यों का पालन करेंगे।

पी० सदगोपन,
उपहार कर आयुक्त, केरल-I

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बंबई

बंबई, दिनांक 15 मई, 1976

निवेश सं० अ० इ० 2/2061/4050/75-76—अतः मुझे
एम० जे० माथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी
सं० नं० 38, हि० सं० 1 (पार्ट) है, जो जुहू में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-10-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अब्दुल हैमे उफ़ साहीर लुधियानवी।
(अन्तरक)
2. मेसर्स परछाइयां को० आ० हा० स०० लि०।
(अन्तरिती)
3. 1. इमाहिमभाई ए० नाडियादवाला 2. हबीब अब्दुल
करीम नाडियादवाला 3. डॉ० रामप्रकाश कपूर 4. कुमारी
परीदा अब्दुल करीम 5. श्रीमती सहीदा ए० नाडियादवाला
6. श्रीमती फिरोजा इमाहिम नाडियादवाला 7. कुमारी अनवर
सुलतान मोहम्मद शर्वी 8. धर्म खोपड़ा 9. सरदार बेगम
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुद्धतर बंबई में बंबई उपनगर के जिला तालुका साउथ सैलसेट
जुहू सांताकुम्ह, बांद्रा में स्थित एवं अवस्थित जमीन जिसका सर्वेक्षण
सं० 38, हिस्सा सं० 1 (पार्ट) क्षेत्रफल 7681 वर्गगज या उसके
समकक्ष है और जिसका निर्धारण मुनिसिपल आर बार्ड सं० 9875
के रूप में किया गया है, का वह तमाम बड़ा भाग अथवा खंड जो
अविभाजित है तथा जो बिल्डिंग के साथ परछाइयां के नाम से जाना
जाता है, उसमें ग्राउंड और तीन अपर स्टोरीज और दो गैरेजेस
शामिल है, वह माप में 1200 वर्गगज या उसके समकक्ष है।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बंबई

तारीख: 15-5-76

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती जयवंती जयसिंह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

बंबई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० 2/2068/4111/75-76—अतः मुझे
एम० जै० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 218, हिं० सं० 3 है, जो विलेपालें (परिचम)
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

2. अंधेरी नव बहार को० अ०० स०० लि०।

(अन्तरिती)

4. श्री जयसिंह मधुरादास, और विजय मधुरादास श्रीमती
कांता सुंदरसिंह कापड़िया(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंबई नगर और बंबई उपनगर के पहले रजिस्ट्रेशन जिला और
उपजिला में अंधेरी तालुका के विलेपालें में स्थित एवं अवस्थित जमीन
अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जिसका सर्वेक्षण सं०
218, हिस्सा सं० 3 है तथा जो माप में 515 वर्गगज अर्थात्
430. 542 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है और जिसका निर्धारण
0. 40 किया गया है तथा जिसका सी० टी० एस० सं० 666 है,
शीट सं० 16 है।

एम० जै० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 15-5-76

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 19 मई 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1327-5/सितम्बर, 75-अतः मुमे
द्वी० आर० अमिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 578/10 माटुंगा डिवीजन है, जो
दादर माटुंगा इस्टेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 17-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-126GI/76

1. श्री नाजमाई दोगवाजी श्रीनगां असली।

(अन्तरक)

2. श्री रसिकलाल उफं रोहोतकुमार एम० ठक्कर।

(अन्तरिती)

3. श्री एम० एच० जालनावाला, आर० बी० दारूवाला,
एम० बी० दुमासिया, ई० डी० दारूवाला, पी० पी० मिस्त्री और
श्रीमती के० एस० टाटा।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उप जिला और नगर द्वीप में दादर माटुंगा इस्टेट पर स्थित और अवस्थित वह तमाम भूभाग अथवा भूखंड जिसका प्लाट नं० 732 तथा पैमाइश में 703 वर्गरोज अर्थात् 587.80 वर्गमीटर है, जो कि इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर पूर्व में अथवा उसकी ओर बह एस्टेट है जो कि आई यम्बूआई नवरोजे आटलीवाला तथा अन्यों को पट्टे पर दी गयी है तथा जिसका प्लाट सं० 721 है। दक्षिण पूर्व में अथवा इसकी ओर मार्ग सं० 4, पारसी कालोनी अर्थात् जहांगीर विमलर्लि रोड है और उत्तर पश्चिम में अथवा उत्तर पश्चिम की ओर उस एस्टेट की प्लाट सं० 732 है जो कि सोसायटी को पट्टे पर दी गई है, उस जमीन के भाग अथवा टुकड़े का नया सर्वेक्षण सं० 118 सी० पार्टी और सी० एस० सं० 578/10 माटुंगा डिवीजन है।

भूमि के उक्त प्लाट नं० 732 पर खड़े भवन और संरचनाएं दिनशा हाउस के नाम से जानी जाती हैं।

उक्त सोसायटी में अधिन्यासक द्वारा रखे गए शेयर सर्टिफिकेट नं० 1093 में समाविष्ट एक पूर्ण संदत शेयर जिसका नं० 7413 है और अंकित मूल्य 50 रुपये है।

मही० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 19-5-76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 21 मई, 1976

निर्देश सं० अ० ई० 5/451/75-76/35—अतः मुझे,
बही० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और

जिसकी सं० प्लाट सं० 86 सबरमन स्कीम सं० 3 है, जो चेंबूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-9-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती लिला बही० गाड०
- (2) कोमल कन्स्ट्रक्शन क० (अन्तरक)
2. मै० कोमल विला प्रिमायसेस क० आ० हा० स००
(अन्तरिती)
3. 1 अगस्त, 1975 को दि कोमल विला प्रिमाइसेस
को आपरेटिव सोसायटी लि० के सदस्यों की सूची।

दुकान सं० 1 और 2 श्री ओम प्रकाश गार्ग
दुकान सं० 3 श्री विष्णुनाथी मोरारजी

दुकान सं० 4
दुकान सं० 5
दुकान सं० 6
दुकान सं० 7
दुकान सं० 8
गेरेज सं० 1
गेरेज सं० 2
प्लाट सं० 11
प्लाट सं० 12
प्लाट सं० 13
प्लाट सं० 14
प्लैट सं० 15
प्लैट सं० 16
प्लैट सं० 17
प्लैट सं० 18
कर्मशियल सं० 1
कर्मशियल सं० 2

श्री तालाक्षी कुनवारजी
श्री आर० नैतिकठन
श्री कै० कल्याणजी
श्रीमती० श्री० एस० पिटो
श्री० एस० एस० हलदणकर
श्री० कै० पी० सुभ्रमण्यन
श्री० एम० सी० भाटिया
सर्वश्री० वसंत अन्ड कंपनी
श्री० बही० बेंकटरामन
सर्वश्री० जे० ए० पिते
सर्वश्री० पी० एम० बेटीगेरी
श्रीमती० एस० एस० हलदणकर
श्री० ए० कस्तुरी रंगन
सर्वश्री० बेस्ट बुक्स प्रा० लि०
सर्वश्री० अरुण ग्रेजन्सी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर (जो कि बुहतर बम्बई में है) के बांद्रा जिले
के रजिस्ट्रेशन उप जिले में गोवंडी मार्ग, चेंबूर में स्थित एवं अवस्थित
जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि उप-
नगर स्कीम आर० 3 चेंबूर का प्लाट सं० 86 है और जो पैमाइश
में 1156 वर्गगज या उसके समकक्ष है, वह इस प्रकार से चिरा
हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर उक्त स्कीम की प्लाट
सं० 85 है दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उक्त स्कीम की प्लाट
सं० 87 है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उक्त स्कीम की प्लाट सं०
92 है और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर 30 फुट चौड़ी
दूसरा मार्ग है, उक्त प्लाट का निर्धारण म्युनिसिपल दर और कर
के असेसर और कलेक्टर में एच० वार्ड सं० 614 के अधीन किया
है।

बही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 21-5-76।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई ।

बम्बई, दिनांक 24 मई 1976

निर्देश सं० श्र० ई० 1/1318-10/सितम्बर, 75—अतः
मझे, व्ही० आर० अमीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
रेज 1 बम्बई आयकर अधिनियम 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास
करने का कारण है, कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सं०० एस० नं० 344/10/माटुंगा डिवीजन है,
जो भाऊ दादजी रोड, माटुंगा में स्थित है (और इससे उपाखद
अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 3-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मावजी के० ठक्कर, (2) मानिला के० ठक्कर
(3) गोविंद के० ठक्कर, (4) वसंत के० ठक्कर
(5) चंद्रीकाबेन ए० बोडानी

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेश एच० गांधी
(2) श्रीमती पुष्पा रमेश गांधी

3. (1) एस० रामा अम्बर
(2) एस० एस० तेलंग
(3) बौ० एस० एल० मूर्ती,
(4) श्रीमती नर्मदा एच० ठक्कर
(5) श्रीमती सावित्रीबेन तुलसीदास
(6) जितेंद्र एस० मोदी, (7) जेठालाल एन० भनसाली
(8) मूलजी व्ही० ठक्कर
(9) जमनादास पी० ठक्कर
(10) वसन जी० बेलाजी० छेडा
(11) कमलेश मावजी० ठक्कर,
(12) जोत्सना मावजी० ठक्कर
(13) रमेश एच० गांधी
(14) कमलेश मावजी० ठक्कर

(वह अवित जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई द्वीप में रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई में भाऊ दादजी मार्ग,
माटुंगा में स्थित लीजहोल्ड टेन्युअर जमीन अथवा मैदान और
उस पर बनी मेसुराज, टेनामेट्म् बिल्डिंग या निवास घर सहित
वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो कि जब 'केशव कुंज' के नाम से
जाना जाता है, जोकि पैमाइश में 630 वर्गगज अर्थात् 526.76
वर्ग मीटर के बराबर है और भूराजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में
माटुंगा डिवीजन की न्यू सर्वेक्षण सं० 819 कंडास्ट्रल सर्वेक्षण
सं० 334/10 में पंजीकृत है और म्युनिसिपल दर और कर के
असेसर और क्लक्टर को पुस्तकों में वार्ड एफ० वार्ड सं० 7999 (3)
ओल्ड स्ट्रीट सं० 1455 बी० के अधिन पंजीकृत है और स्ट्रीट
सं० 12 के नीकट है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि पूर्व में
अथवा पूर्व की ओर भाऊ दादजी रोड है, पश्चिम में अथवा पश्चिम
की ओर एक खेल का मैदान है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर
कथित एस्टेट का प्लाट सं० 129 है और दक्षिण में अथवा दक्षिण
की ओर कथित एस्टेट की प्लाट सं० 127 है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई ।

तारीख : 24-5-76

मोहर :

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण')
 अर्जन रेज-1, बम्बई
 बम्बई, दिनांक २८ मई, ७६

निर्देश सं० अ० इ० १/१३२३-१/सितम्बर, ७५— अतः,
 मुझे व्ही० आर० अमीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1 बम्बई आयकर अधिनियम 1961 (1961 का
 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है),
 की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
 करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 २५,०००/- रु० से अधिक है,
 और जिसकी सं० सी० एस० न० ७५३ (अंश) मलबार और
 कंबाला हिल डिवीजन है, जो पेडर रोड में स्थित है (और इससे
 उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन १७-९-७५ के
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
 लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
 कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
 किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(१) १. श्री आय० ए० मकानी २. अब्दुल करीम इब्राहीम
 अब्दुल मकानी ३. अब्दुल हमिद इब्राहीम अब्दुल ए
 मकानी ४-अब्दुल अक्फ़िक इब्राहीम अब्दुल मकानी।
 (अन्तरक)

(२) मकानीं मर्मार को० हा० सो० लि० (अन्तरिती)

(३) १. पी० सी० मेहता २. डा० आर० ए८० पारेख,
 ३. श्री आय० ए० मकानी, (४) श्री भगतसिंग,
 ५. श्री जी० वी० सगार्ड, ६. श्रीमती जैन पीटसं,
 ७. श्री व्ही० पी० मचेट, ८. श्री रणिद मुन्थी,
 ९. श्री व्याय० एम० टल्लदीन, १०. श्री एन० एस० डल्ला
 ११. श्री पी० के० सुचडे, ११. श्री वी० के० सुचडे,
 १३. श्री वन्सीलाल दसाई, १४. श्री एस० ए८० कोटक
 १५. श्री के० के० राजुआ, १६. श्री परीद अहमद

१७. श्रीमती उमिला कोचर, १८. श्रीमती सविता
 परमार, १९. श्रीमती अमिता जेठवानी,
 २०. श्रीमती रेखा जेठवानी, २१. श्री के० ए८०
 मलाजा और अन्य २२. श्री जी० एल० अद्वानी,
 २३. श्री वी० वी० सरकारी, २४. श्रीमती के० पी०
 देवी, २५. श्रीमती उषा जब्हेरी, २६. श्रीमती
 जमुना जेठवानी, २७. श्री एन० पी० छाबलानी,
 २८. श्रीमती ए० के० खान, २९. श्रीमती लीना
 गोपालदास, ३०. श्रीमती रत्ना जी० गुलराजानी,
 ३१. श्री एन० पी० कोहली, ३२. श्रीमती शशी कुमारी
 ३३. श्री बहार उत्तमसिंग, ३४. श्रीमती मेहरु गफत,
 ३५. श्री व्ही० भारतसिंगजी, ३६. श्री ए८० रामचंद्रसिंगजी
 ३७. फीरोज बेगम सुलतान ३८. श्री एस० सी०
 बोस, ३९. श्री के० जी० सोलंकी।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला में पैडर रोड पर¹
 स्थित पेन्शन तथा टैक्स टेन्योर, रिडीस्ट भूमि अथवा मैदान का
 वह तमाम खंड या भाग जो पैमाइश में १५७५ वर्गज अर्थात लगभग
 १३१६.८६ वर्गमीटर है जो एक विशाल भूखंड जो माप में २९६८
 वर्गज अर्थात लगभग २४८१.५४ वर्गमीटर है, का एक भाग है
 और भू-राजस्व के संग्रहक की पुस्तक में बम्बई रजिस्ट्रेशन और उप-
 जिला में मालाबार और कम्बाला हिल डिवीजन के पुराने नं० ७०१,
 संग्रहक का नाम नं० ए०/३१८४, पुराना सर्वेक्षण सं० ८१ और
 नाम सर्वेक्षण सं० २/७१०७ और केंडेस्ट्रेल सर्वेक्षण नं० ७५३ (अंश)
 के अधीन तथा नगरपालिका करों के निधारक और संग्रहक की
 पुस्तक में वी०-वाई० नं० ३४८३, स्ट्रीट सं० १६, पैडर रोड बम्बई
 के अधीन पंजीकृत है और जिस भूखंड अथवा भूभाग की सीमाएँ
 इस प्रकार घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर से पैडर रोड
 है, उत्तर में या उत्तर की ओर वह जायदाद है जो पहले करीमभाई
 इब्राहीम की थी और दक्षिण में या दक्षिण की ओर से मिव कुंज
 को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिं० की जायदाद है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ बम्बई।

तारीख : २८-५-७६
 मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन रेंज I, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 मई 1976

निर्देश सं अ० इ० 1/1353-31/सितम्बर—अतः भुमि
ब्ही० आर० अमीन
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्जन रेंज-I, बम्बई
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं सी० एस० सं 1बी० 295 मलबार और कंबाला
हिल डिवीजन है, जो वालकेश्वर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दि० 27-9-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या बस्से यचने में सुविधा
के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, यद्य उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपावदा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपतु:—

1. फिरोज़ एन० दारोगा और असोशिएट (अन्तरक)
2. फिरोनिका को० आ० हा० सो० लि० (अन्तरिती)
3. 1. फेरोज़ एन० दारोगा, 2. कु० वानी एन० दारोगा,
3. रामकृष्ण देवडे, 4. गुरुजीत मिंग और को०,
5. देवचंद मेहरा, 6. पिरोज एन० दारोगा,
7. शोभा सिंग हरभजन सिंग और को०,

8. अरविद ब्ही मोटशा, 9. कु० तृप्ती बी० पटेल,
10. मिसेस पद्मा डी० गंधी, 11. किशोर बी० झवेरी,
12. रतनचंद एल० पारीख, 13. यतिद्र लक्ष्मीदास,
14. कुमारपाल एन० झवेरी, 15. परवेज़ एच०
पोस्टबाला, 16. पोपटलाला एन० शहा,
17. फेरोज़ एन० दारोगा और असोशिएट्स
18. श्रीमती कालीन एम० शहा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई डीप के जिला और रजिस्ट्रेशन उपजिले
में वालकेश्वर रोड पर स्थित एवं अवस्थित भूमि के भाग अथवा
खंड पर बनी वह तमाम बिल्डिंग जो कि फिरोनिका के नाम से जानी
जाती है, जो कि पेमाइश में 1520 वर्गफुट या उसके आसपास
है अथवा 1270-72 वर्ग मीटर या उसके लगभग है, जो कि कलश्टर
के ओल्ड सं 672, न्यू संदेशा बी०/3019, ओल्ड सर्वेक्षण सं 113,
न्यू सर्वेक्षण सं 4/7219 और 9711 और कंडास्ट्रल सर्वेक्षण
सं 1 बी०/295 मलबार और कंबाला हिल डिवीजन का भाग
है और इस प्रकार से विरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की
ओर वालकेश्वर रोड है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर फौरणोंपर
लैंड है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर एक प्रापर्टी है, जिसका
मलबार और कंबाला हील डिवीजन का कंडास्ट्रल सर्वेक्षण सं १
ए०/295 है और यह ट्रस्टेंसों से संबंधित है, तथा पूर्व में अथवा
पूर्व की ओर प्रापर्टी है, जिसे जो सोभाग महल के नाम से जाना जाता
है और उसका मलबार और कंबाला हील डिवीजन का कंडास्ट्रल
सर्वेक्षण सं 296 है।

ब्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन रेंज-I, बम्बई।

तारीख : 28-5-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (2) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 मई, 1976

निदेश सं० श्र० ई० 1/1357-35/सितम्बर, 75—अतः
मुझे व्ही० आर० अमिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 15/644 मलबार और कंवाला हिल डिवीजन है, जो कारेजेट स्ट्रीट में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. विनोद डजयशंकर पंड्या
पंड्या एन्टरप्राइज
2. मनोहरलाल, जयशंकर पंड्या, 3. मनिवेन जय शंकर पंड्या (अन्तरक)
- (2) मै० मिनोद अपार्टमेंट्स को० आ० हा० मो० लि० (अन्तरिती)

(3) सर्वश्री (1) डा० रत्न, 2. श्रीमती मनी आर० डाक्टर, 3. एम० जे० पंड्या, 4. बी० एल० व्यास, 5. ए० सी० नकोन्हा, 6. श्री ए० जे० शेट्टी, 7. श्री ए० आर० माने, 8. मिस एच० आर० कवरना, 9. श्री आर० जे० शहा, 10. श्री बी० एच० मनियार, 11. श्री होमी एफ० इरानी, 12. श्री कांतीलाल मेहता, 13. श्रीमती सी० एम० पंड्या।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और टापू के रजिस्ट्रेशन उप जिला बम्बई में फोरेजेट स्ट्रीट पर स्थित और अवस्थित हवेली, मकान अथवा निवासधर सहित वह सभी भूखण्ड अथवा भूभाग जो कि पैमाली में 529 वर्गज अर्थात् 483 वर्गमीटर हैं और भू-राजस्व के संग्राहकी पुस्तक में मालाबार और कम्पाला हिल डिवीजन की नयी सर्वेक्षण सं० 1/7066, कडेस्ट्रूल सर्वेक्षण सं० 15/644 और नगरपालिका दरों तथा करों के संग्राहक की पुस्तक में 'डी०' वार्ड सं० 3393 (2ए०) और 3393 (2बी०) और स्ट्रीट सं० 8 और 8-ए० के अधीन पंजीकृत हैं और उसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हैं :

अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर प्लाट सं० 18 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर 40 फुट का राष्ट्रवनी रोड है, उत्तर में या उत्तर की ओर प्लाट सं० 17 है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर रमणीकलाल शाह तथा एक अन्य की जायदाद है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 28-5-76

मोहर :

प्राप्ति आई० दी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1976

निर्देश सं० आ० द० 1/1361-39/सितम्बर, 75-अतः भुजे
व्ही० आर० अमिन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एस० सं० 823 (अंश) माहीम डिवीजन है, जो भागोजी कीर रोड आंफ एल० जे० रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दि० 25-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि और अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बद्रेश्वर नामदार मरम्बान इराना

(अन्तरक)

2. श्री विनकर को० आ० हा० स००

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम अनुसूची

बंबई नगर के बंबई रजिस्ट्रेशन उप-जिला में लेडी जमशेदजी रोड के किनारे पर 1795 वर्गज अर्थात् 1500.62 वर्गमीटर पैमाइश का वह सभा भूखंड प्रथवा भूभाग उस पर खड़ी 'चाल' समेत स्थित तथा अवस्थित है और उसका बंबई नगर नं० 3 माहिम की टाउन प्लानिंग स्कीम का फाइनल प्लाट नं० 486 है और माहिम डिवीजन का केंडेस्ट्रेल सर्वेक्षण सं० 823 (अंश) है और उग्रपालिका जो वार्ड सं० 5812 (अंश) और स्ट्रीट सं० 288, पोचकुमारे स्ट्रीट है और उसकी सीमाएं इस प्रकार धिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर उक्त स्कीम में क्रीडा मैदान के रूप में आरक्षित फाइनल प्लाट सं० 484 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर उक्त स्कीम में स्कूल के लिए आरक्षित है उसका फाइनल प्लाट सं० 487 है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर से पेराडाइज रोड द्वारा और उत्तर में या उत्तर की ओर उक्त स्कीम का फाइनल प्लाट सं० 485 है।

द्वितीय अनुसूची

लेडी जमशेदजी रोड के किनारे भागोजी कीर रोड पर स्थित एवं अवस्थित वह तमाम दायाप्त भूमि और अहाता (प्रिमाइजेज) जो कि पैमाइश में 1371 वर्गज अर्थात् 1145.10 वर्गमीटर है, जो दायाप्त भूमि और अहाता का एक भाग है जिसे बम्बई नगर में और बम्बई रजिस्ट्रेशन उप-जिला में लिखित उपरोक्त प्रथम अनुसूची में विशेष रूप से वर्णित किया गया है जिसका बम्बई नगर-III माहिम के टी० पी० एस० का फाइनल प्लाट सं० 486-ए० और माहिम डिवीजन का केंडेस्ट्रेल सं० 823 (अंश) है और म्युनिसिपल 'जी०' वार्ड सं० 5812 और स्ट्रीट सं० 288 पोचकुमार स्ट्रीट है जो श्रीमी भागोजी कीर रोड के नाम से जाना जाता है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार धिरी हुई हैं कि पूर्व में या पूर्व की ओर छाड़ा मैदान के लिए आरक्षित उक्त स्कीम के प्लाट सं० 484 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर स्कूल के लिए आरक्षित उक्त स्कीम का प्लाट सं० 487 है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर से पोचकुमार स्ट्रीट द्वारा और उत्तर में या उत्तर की ओर से प्लाट सं० 486 वी० है जो उपर्युक्त लिखित प्रथम अनुसूची में वर्णित दायाप्त भूमि और अहाता की भूमि का बचा हुआ भाग है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज, बम्बई।

तारीख : 28-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

निर्देश सं० अ० ई० 1/1322-14/सितम्बर, 75—अतः
मुझे छी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सू० एस० नं० 755 मलबार और कंबलाला हील डिवीजन है, जो पेड़र रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1975। को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात्—

(1) जहांगीर फीरोजशहा लेनटीन
(अन्तरक)

(2) मै० जहांगीर लेनटीन एस्टेट प्रा० लि०
(अन्तरिती)

(3) 1. मेसर्स हिन्दुस्तान लीब्हर, 2. चंद्रकांत मेहता
(3) कली बिलीमोरीया, 4. मेसर्स सिमेन्स
इण्डिया लि०, 5. विरेन्द्र पटेल, 6. मेसर्स पोलिश

ओगन लाइन्स, 7. श्री जमीन पारीख, 8. मेसर्स अहता और बी०, 9. मेसर्स अडवानी आर्लिंगन, 10. श्री मिरचंदानी, 11. श्री अनिल मुनजी, 12. श्री मनसुख कोठारी, 13. श्री ई० सी० उम्ही, 14. मेसर्स व्होल्टास लि०, 15. श्री जगन्नाथ राव, 16. मेसर्स सिंग, 17. मास्टी सकपाल।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और टापू में पेड़र रोड से पूर्थक 30 फीट चौड़े निजी भाग से सटा हुआ पेन्शन तथा टैक्स जमीन अथवा मैदान का वह सभी खण्ड या भाग जिसका उप-प्लाट नं० 11 जो सरकार को संचाय उपकर से मुक्त है, पैमाली, में 1711.75 वर्गमीटर के लगभग है और जो विशाल भूखण्ड का एक भाग है ((जो 11 उप-प्लाटों में विभाजित है) जिसका मालाबार और कम्बलाला हिल डिवीजन का नया सर्वेक्षण नं० 7095 का प्रांश खंड और कैडेस्ट्रैल सर्वेक्षण नं० 3 जे०/755 का खंड है और नगरपालिका के दर और कर के अस्सेसर और कलक्टर द्वारा 'डी' वार्ड नं० 3535 स्ट्रीट नं० 60 नवरोजा गमाडिया रोड के अधीन निर्धारित है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर अंशतः प्लाट नं० 6 तथा अंशतः प्लाट नं० 5 है उत्तर में या उत्तर की ओर स्व० श्री जहांगीर एवं गमाडिया के इस्टेट का परिसर है, पश्चिम में या और निजी रास्ता अथवा 30 फीट चौड़े रोड है और दक्षिण में या और उप-प्लाट नं० 10 है।

व्ही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीखः

मोहरः

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 1 जून, 1976

निर्देश सं० अ० इ० 1/1333-11/सितम्बर, 75—अतः
 मुझे व्ही० आर० अमीन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 384 माझगांव डिवीजन है, जो 16 हंसराज लेन भायखला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० सिताराम इंडस्ट्रिज लि० (अन्तरक)
 (2) मै० बोना हन्डेस्टमेंट प्रा० लि० (अन्तरिती)
 (3) 1. इलेक्ट्रिक कन्स्ट्रक्शन और इकोपर्मेंट को० लि०
 2. जसवंतलाल कांतीलाल, 3. बाबूलाल कांतीलाल
 4. राजकुमार सुनोराम, 5. इडीयन लूप्स अंड
 व्हीविंग मशिनरी मन्युफैवर्चरिंग को०
 6. प्रकाश वागरी । 7. वल्लभ बागी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई टापू में, बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में, 16 हंसराज लेन, बाकुला भायखला, बम्बई में स्थित एवं अवस्थित, जमीन, मैदान, एराडिटामेंट्स और प्रिमिसिज का वह तमाम भाग, इस पर बनी बिल्डिंग और स्ट्रक्चर सहित, जो कि केडास्ट्राल सर्वेक्षण रजिस्ट्रार के अनुसार पेमाइश में 4620, वर्गगज अर्थात् 3869 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, लेकिन वास्तव में वह 2857 वर्गगज अर्थात् 2397.10 वर्गमीटर या उसके बराबर है उसका एस० सं० 1-ए०/3674, नवी संख्याएं 11836, 11837 और हिस्सा सं० 829 और माझगांव डिवीजन की कैडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 384 है और इसका निर्धारण बम्बई भ्युनिसिपल कार्पोरेशन के अस्सेसर और कलेक्टर ने 'ई०' वार्ड सं० 4717 (1), 4718 (6), 4717 (4) स्ट्रीट संख्याएं 16ए० और 16बी० 16ए०बी०, हंसराज स्ट्रीट के अधीन किया है, वह इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्राप्ती है जो कि विशेषा से सम्बन्धित है और जिस का सी० एस० सं० 1/384 है, दक्षिण अथवा दक्षिण की ओर अंशतः सेन्ट्रल रेलवे लाइन है (यह पहले जो० आई० पी० रेलवे लाइन के नाम से जानी जाती है) और अंशतः प्राप्ती है जिसका सी० एस० सं० 383 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर सेन्ट्रल रेलवे लाइन है और पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्राप्ती है जिसका सी० एस० 2/334 है, यह कथित शुभ संदेश को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड से जुड़ा है।

व्ही० आर० अमीन
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बम्बई ।

तारीख : 1-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1976

निर्देश सं० अ० इ०-१/१३५४-३२/सितम्बर, 75—अतः
मुझे क्षी० आर० अमीन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 62/10 माटुंगा डिवीजन है,
माटुंगा एस्टेट है, जो प्लाट सं० 62 (दक्षिण) दादर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शेखर मोरेश्वर किर्तीकर

(अन्तरक)

(2) 1. गहानूर वेगम गुलाम मोहम्मद उर्फ पापामीया

2. श्रीमती कुलसुम अब्दुल लतिफ शेख

3. खैरस्तीसा अलवक्ष शेख

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री भालवनकर
3. श्री बी० बी० पटेल
5. श्री रामतेज सिंग
7. श्री जी० डी० नेशरकर,
9. श्री क्षी० आर० इंगले, 10. श्री एस० एम० जूवेकर
11. श्री टिप्पनीस, 12. श्री गोले।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अमीन का यह तमाम भाग जो कि पैमाइश में एक हजार दो
सौ पन्द्रह (1215) वर्गगज या उसके बाबार है वह बम्बई नगर द्वीप
और सब रजिस्ट्रेशन जिला में स्थित एवं अवस्थित कारपोरेशन की
दादर माटुंगा एस्टेट की प्लाट सं० 62 (दक्षिण) है तथा उसकी
सीमाएं इस प्रकार से आवद्ध है कि उस्तर पूर्व में 30 फुट सड़क है,
दक्षिण पूर्व में 40 फुट खोड़ा सर भालचन्द्र रोड़ है,
उत्तर पूर्व में अंशतः उपर कही गई ऐस्टेट जिसे कि सादमन जोसफ
फासिस फोनसिका को लीज पर दी गई है, वह है और अंशतः प्लाट
सं० 78 है यह उपर बाटाई गई उस जमीन का भाग है जिसका नया
सर्वेक्षण सं० 1152 (पार्ट) और कैडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 62/10
माटुंगा डिवीजन, उस पर बनी बिल्डिंग सहित जिसमें केवल मैन
बिल्डिंग का ग्राउंड फ्लोर ग्राउंड और एक अपर फ्लोर शामिल है
और एक ग्राउंड फ्लोर की वह आउट बिल्डिंग है जो प्रिमिसिज अब
पट्टेदार के अधिभोग में है इसके नीचे टेनामेंट्स हैं और जिसका निर्धा-
रण दर और कर के अस्सेसर तथा कलक्टर ने एक० बाईं सं० 7244
(1) 7222(2), स्ट्रीट संख्याएं 2-76 ए और 2 के अधीन किया है।

क्षी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, बम्बई

दिनांक : 1 जून 1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई,
बम्बई, दिनांक 1 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1371-49/सितम्बर, 75—अतः
मुझे, व्ही० आर० अमीन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 20/644
मलबार, कंबाला हिल डिवीजन है, जो गोवालिया टैक रोड में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
27-9-75 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तररक्षण) और अन्तरिती (अन्तररितियाँ) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री फकुदधीन मोहम्मद श्रीली लकड़ावाला (अन्तरक)
- (1) सम्यद फकीर हुसेन इकाम हुसेन
- सम्यद साहीर हुसेन इकाम हुसेन
- सम्यद साकीर हुसेन इकाम हुसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और टापू में पोर्ट के बाहर, बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन उपजिले में गोवालिया टैक रोड के पास आँफ फोरजेट स्ट्रीट पर स्थित एवं अवस्थित, मेसयूजेज, टेनामेंट्स या आवासीय मकानों सहित, पैशन और टैक्स भूमि अथवा मैदान (जिसकी उपकर मोचित कर दिया गया है) का वह तमाम भाग अथवा खंड; जो कि पैमाइश में 624 वर्ग गज, अर्थात् 520.74 वर्ग मीटर के समकक्ष है। और भूराजस्व, बम्बई कलक्टर की पुस्तकों में अन्य जमीनों के साथ मालाबार और कम्बाला हिल डिवीजन की नयी संख्याएँ 7066, के डास्टल सर्वेक्षण सं० 20/644 के अधीन म्युनिसिपल दर और कर के कलक्टर की पुस्तकों में दी० वार्ड सं० 3412 (2ए) और स्ट्रीट सं० 3 राघव जी रोड के अधीन रजिस्टर्ड है और इस प्रकार से धिरा हुआ है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर श्रेणिक हिम्मतलाल मेहता की प्राप्ती है जिसका सी० एस० सं० 161644 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर जमनादास प्रभाकर शेट्टी और अन्य की प्राप्ती है इसका सी० एस० सं० 25/644, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर एक नया मार्ग है जो कि गोवलिया टैक रोड से राघव जी रोड तक जाता है और दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्राप्ती है जिसका मालाबार हिल डिवीजन का कैडास्ट्राल सर्वेक्षण सं० 2/644 (पाट) है, यह प्राप्ती क्वीन्स मेन्शन के नाम से जानी जाती है और इसकी प्रिमिसिस 'बम्बई न्यू' के नाम से जानी जाती है।

(व्ही० आर० अमीन)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 1-6-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1976

निर्देश सं० आई 1/1347-25/सितम्बर, 75—अतः, मुझे,
क्षी० आरा० अमीन, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 601/10 माटुंगा डिवीजन
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-9-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री रस्तम धनजीणां करानी (अन्तरक) ।
2. 1 डा० श्रीमती अब्बास एम० सम्युश्र
- 2 आपसे नरीमन करानी
- 3 श्रीमती अमैती रस्तम तिरनदास (अन्तरिती)
3. किराएवार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है) ।

हूँ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, वे अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

बम्बई नगर और टापू के रजिस्ट्रेशन उपजिले में म्युनिसिप-
लिटी की दादर माटुंगा ऐस्टेट की प्लाट सं० 780 जो कि जेम जम-
योद रोड पर स्थित एवं अवस्थित है, वह उस पर बनी मेसयुजेज
सहित म्युनिसिपल लीज-होल्ड जमीन अथवा मैदान का वह तमाम
भाग अथवा खंड जोकि पैमाणश में 1693 वर्गगज या उसके समकक्ष
है और बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में न्यू सर्वेक्षण सं० 1/1109
(पार्ट) और कैडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 601/10 माटुंगा डिवीजन
के अंतर्गत और म्युनिसिपल दर और कर के कलक्टर की पुस्तकों
में वार्ड सं० 6832 (1, 1ए, 1एबी), स्ट्रीट संख्याएं 27, 27ए,
28 के अंतर्गत रजिस्टर्ड हैं, इसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई
हैं कि उत्तर पूर्व में अंशतः उस उक्त ऐस्टेट की प्लाट सं० 791 है,
जिस ऐस्टेट को रस्तमजी पी० मेहता और अन्य को सीज पर देने के लिए
सहमती हो गई है, और अंशतः उस उक्त ऐस्टेट की प्लाट सं०
781 है, जो कि सर कावासजी जहांगीर तथा अन्य को जीज के आधार
पर दी गई है, दक्षिण पूर्व में मनचरजी जोशी रोड है, और दक्षिण
पश्चिम की ओर उस उक्त ऐस्टेट का प्लाट सं० 779 है, जोकि
जे० पी० दासवाला को लीज पर देने के लिए सहमती दी गई है,
और पश्चिम में जेम जमयोद रोड है।

क्षी० आरा० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई ।

तरीख : 3-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० डी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1976

निर्देश सं० अ० ई० 1/1310-२/सितम्बर, 75—अतः, मुझे,
क्षी० आर० अमीन, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि रथावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1752 फोर्ट डिवीजन है, जो बवीस
रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध शत्रुसूची में श्रौत पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-९-७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में
कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. १ नरेश जाला इंजीनियर
2. नाना जाला इंजीनियर (अन्तरक)
2. नरीमन विलिंग को० आ० हा० स०० लि० (अन्तरिती)
3. १ श्री बी० डी० भिरचंदानी अंड फेमिली, २. ले० क००
एन० एम० धोतीवाला अंड फेमिली, ३. श्री ए० पी०
पटेल एंड फेमिली, ४. श्री दयाला डी० चनराय अंड
फेमिली, ५. श्रीमती नेरेश ए० इंजीनियर ६. श्री
होनी बी० बाड़ीया, ७. श्री अश्वी एस० श्राफ, ८.
नाना जे० इंजीनियर, ९. श्री और श्रीमति आर० के०
बंक और फेमिली, १०. मिस पी० आर० मुल्लांड

फेमिली, ११. श्री एस० डी० औफ एंड फेमिली,
१२. श्री महम्मद जावेद एंड फेमिली १३. मिसेज
खतिजा जावेद एंड फेमिली (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या दत्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसीं
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित
में विए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम अनुसूची उपरोक्त संदर्भित जायदाद

बम्बई नगर एवं टापू के जिला रजिस्ट्रेशन उप-जिला बम्बई
में ब्वीन्सरोड जो कि अब महापिंकवें रोड के नाम से जाना जाता है,
उसके पश्चिमी और (साइड) में, क्रूप रेज के सामने, बड़े स्टेंड पर
स्थित एवं अवस्थित जमीन का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जिसका
इस समय बम्बई सरकार और महाराष्ट्र सरकार के बैकब्रे रिक्ले-
मेशन इस्टेट के ब्लाक-II में प्लाट सं० 137 है वह पैमाण में
1463.18 वर्गमीटर (शर्थात् 1750 वर्गमीटर के लगभग) है और
बम्बई के भूराजस्व के कलक्टर की पुस्तक में उस पर बनी मेस्यूजेंज
टेनामेंट्स, निवास घर सहित जो कि नरीमन विलिंग के नाम से
ज्ञातव्य है, वह फोट डिवीजन के रेट रोड नं० 100034 और
केंड्रल सर्वेक्षण सं० 1752 के अधीन पंजीकृत है और उसका निर्धा-
रण म्युनिसिपल दर और कर वे असेसर और कलक्टर ने वार्ड
संख्याएं 1315 (2बी) और 1315 (2बीबी) और स्ट्रीट संख्याएं
162 और 162 ए ब्वीन्स रोड, बैड स्टेंड के अंतर्गत किया है उक्त
प्रिमिसिज इस प्रकार से विराम हुई है कि उसर में अथवा उत्तर की ओर
बैकब्रे रिक्लेमेशन एस्टेट की प्लाट सं० 135 है दक्षिण में अथवा
दक्षिण की ओर ब्वीन्स रोड है और पश्चिम में अथवा पश्चिम में अथवा
पश्चिम की ओर उक्त एस्टेट का प्लाट सं० 139 है।

क्षी० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, बम्बई।

तारीख : 3-6-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एल० एन० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जून 1976

निदेश सं० एफ० नं० IX/5/27/(सितम्बर) /1975-76:-
अतः मुझे, जि० रामनातन

आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 463, 3रड अवेन्यू, अश्वा नगर, मद्रास-40 है, जो एस० आर० औ० मद्रास (डाकुमेंट सं० 2663/75) में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

प्लाट सं० 463, 3रड अवेन्यू, अश्वा नगर, मद्रास-40 में 1 ग्रैन्ड और 1415- सूकेयर कुट भूमि और घर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जि० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 1-6-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 24 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5000/75-76/एक्य०/बी०:-
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 (पुराना नं० 59) है, तथा जो येल्लप्पा गार्डन I, क्रास स्विम्मिंगपूल एक्स० मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छूट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एन० जयलक्ष्ममा सुपुत्री य० के० नरसिंहा होलेनरसिपुर नं० 5 (पुराना नं० 59) I क्रास, स्विम्मिंगपूल एक्सटेंशन मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 (अन्तरक)

(2) श्री एच० आर० नागराजु सुपुत्र वी० रामचन्द्रा नं० 5 (पुराना नं० 59), I क्रास, स्विम्मिंगपूल एक्सटेंशन, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2514/75-76 ता० 3-10-75)

गृह नं० 59 (पुराना नं०) नया नं० 5 (येल्लप्पा गार्डन, I क्रास स्विम्मिंगपूल एक्सटेंशन, मल्लेश्वरम, बंगलूर-3 (डिसेंबर नं० 6))

अवस्थान क्षेत्रफल:—पूर्व से पश्चिम-39' 6"
उत्तर से दक्षिण-33'

गृह क्षेत्र:—9. 81 स्कोयर्स

सीमाएं:—

पूर्व: श्री पुट्ट्या।

पश्चिम: बैचने वाले की संपत्ति का बाकी भाग व 8' रास्ता।

उत्तर: गृह जो श्रीमति कोवेरम्मा व मुनियप्पा का।

दक्षिण: श्री कृष्णप्पा का घर।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 23-4-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 27 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5046/75-76/एसीकू०/बी—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 225 व 222 सी है, तथा जो कस्वा बाजार
गांव, X वार्ड, जुम्मा मजिद रोड, मंगलूर में स्थित है और
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतीश कुमार सुपुत्र श्री जमुना दास सेठ
प्रतिनिधि : श्री चन्द्रकान्त सुपुत्र श्री जमुनादास सेठ
जुम्मा मजिद रोड, बन्दर, मंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शरीफमा पत्नि श्री एम० अब्दुल्ला,
श्रीजुहीन रोड, मंगलूर या
टाउन सर्वे नं० 225 व 222/सी जे० एम० रोड,
बन्दर, मंगलूर।
(अन्तरिती)

3. मैसर्वे ए० एम० ए० सत्सा,
व्यापारी, जे० एम० रोड, बन्दर, मंगलूर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 757/75-76, दिनांक 17-10-75)

संपत्ति : टाउन सर्वे नं० 225 व 222/सी, कसबा बाजार,
गांव, 9 ग्रास, जुम्मा मजिद रोड, बन्दर, मंगलूर-1

प्रवस्थान क्षेत्रफल :—4 सेंट्स या 1904 वर्ग फीट।

गृह क्षेत्र : निचली मंजिल :—1525 वर्गफीट या 142 स्क्वायर
मीटर्स।

पहली मंजिल : 1307 वर्ग फीट या 122 वर्ग मीटर्स।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 27-4-76

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 27 अप्रैल 1976

निर्देश सं० सी०आर०-62/5047/75-76/एसीक्यू/बी—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक और जिसकी सं० 230, 225, 222/सी, 226, 227, 228 व 229 है, तथा जो कसबा बाजार गांव, X वार्ड, जुम्मा मजजिद रोड, मंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था इपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसर में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-126 GI/76

- श्री चन्द्रकान्त सुपुत्र श्री जमुनादास सेठ, जुम्मा मजजिद रोड, बन्दर, मंगलूर-1 (अन्तरक)
- श्री ए० अम्बुल रहीम सुपुत्र श्री मोहम्मद, कंडदपल्ली, मंगलूर-1, या फल व तरकारी व्यापारी नं० 107, सेंट्रल मार्किट, मंगलूर-1 (अन्तरिती)
- मैसर्स चंपकलाल बादर्स, अरिका एण्ड हिल प्रोड्यूस मर्चेन्ट्स, जै० एम० रोड, बन्दर, मंगलूर-1 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 756/75-76, दिनांक 17-10-75) सम्पत्ति संख्या नं० 230, 225, 222/सी, 226, 227, 228 व 229 कसबा बाजार गांव, X वार्ड, जुम्मा मजजिद रोड, बन्दर, मंगलूर-1 में स्थित है।

प्रबस्थान क्षेत्रफल : 5 3/4 सेंट्रस या 2564 वर्गफीट या 238 वर्ग मीटर्स।

गृह क्षेत्र : 2507 वर्ग फीट या 233 वर्ग मीटर्स।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंगलूर

तारीख: 27-4-1976

सोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० सी० आर०-62/5085/75-76/स्य०/भी— यस०;
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी संख्या 56/3, है तथा जो मुनिमारप्पा क्रास रोड
(नन्दिदुर्ग रोड), बंगलूर-46 में स्थित है (और इससे
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-10-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एम० बी० शारदम्मा पत्नि श्री के० मारप्पा रेडी
नं० 55, नन्दिदुर्ग रोड, बंगलूर-46

(अन्तरक)

2. श्री एम० श्रीनिवास राव सुपुत्र श्री कूसप्प्या,
नं० 111, लोवर पालस आर्चेड्स, बंगलूर-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2750/75-76, दिनांक 30-10-75)

कोने का अवस्थान गृह सहित नं० 56/3, मुनिमारप्पा क्रास
रोड, (नन्दिदुर्ग रोड), सिविल स्टेशन (डिवीजन 46),
बंगलूर में स्थित ।

अवस्थान बोक्फल :

पूर्व से पश्चिम : 50 फीट } 4000 वर्ग फीट
उत्तर से दक्षिण : 80 फीट }

सीमाएं :

पूर्व : बेचने वाले की निजी संपत्ति ।

पश्चिम : सड़क व गृह नं० 56/2, मुनिमारप्पा क्रास रोड,

उत्तर : मुनिमारप्पा क्रास रोड,

दक्षिण : गृह नं० 56, नन्दिदुर्ग रोड, बेचने वाले का ।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20-4-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विल्सी-1

4/14 क, आसफाबाली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस०/11/1181/76-77—
अतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5864-5867 है, तथा जो जोगीबाड़ा, नई
सड़क, विल्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्सी
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1975
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अभीतः—

1. (1) श्री बंशीधर गुप्ता सुपुत्र श्री पदम चन्द्र
(2) बीपकंधर
(3) श्री धीरजधर, सुपुत्र श्री बंशीधर गुप्ता,
निवासी 1, अन्धरहिल रोड, दिल्ली-1

(अन्तरक)

2. मै० छोटे लाल राम किशोरी,
1277, बकीलपुरा, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

3. सर्व श्री (1) राम काश
(2) केशव राम एण्ड शिव साल
(3) सीर्वराम ग्यान चन्द्र
(4) महेश्वर दास
(5) श्रीमप्रकाश
(6) छोटे लाल एण्ड राम किशोरी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति के हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जोकि 683. 1/3 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 5864-5867 है, जोगी-
बाड़ा, नई सड़क, विल्सी में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, विल्सी, नई विल्सी-1

तारीख: 10-5-1976

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-विनांक 10 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 11/1180/76-77/—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अवधार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन संक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 33/14, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक प्रकृत्या, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केदारनाथ, सुपुत्र एल० जीवन मल,
निवासी 33/16, शक्ति नगर, दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री रामजीदास कथूरिया, सुपुत्र श्री अमीर चन्द्र कथूरिया
निवासी 1432, गली गनेश, शोरा कोठी, सज्जी मण्डी,
दिल्ली-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जे के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 111.2 वर्ग गज है,
और नं० 14, ब्लाक नं० 33 (नं० 33/14) है, शक्ति नगर
(रोपनआरा एक्सटेंशन स्कीम) दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	गली 10 फुट
पश्चिम :	प्लाट नं० 15
उत्तर :	गली 15 फुट
दक्षिण :	रोड 40 फुट

एस० एन० एल० अवधार
अक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 मई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/II/1182/76-77/—

यतः मुझे, एस० एन० एल० अध्यवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 65 से 85 तक का 15/100 वां भाग, चौक कुतब रोड, सदर बजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अकूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजरानी, पत्नी श्री काशतूरी लाल, निवासी 73, राजा गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रामेश कुमार सुपुत्र श्री सीता राम, निवासी 61/2, रामजस रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. मै० सीता राम किंदार नाथ,

70-71, चौक कुतब रोड, सदर बजार, दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुमंजिला मकान का 15/100 वां भाग जिसका क्षेत्रफल 6110 वर्ग फुट है और म्युनिसिपल नं० 65 से 85 है, चौक कुतब रोड, सदर बजार, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पुर्व : अम्य जायवाद

पश्चिम : रस्ता मण्डी पान

उत्तर : रोड

दक्षिण : भ्रह्मता

एस० एन० एल० अध्यवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20 मई, 1976।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, दिल्ली-1
4/14, आसपाली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1183/76-77—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 65 से 85 तक का 15/100 वां भाग है तथा
जो चौक कुतबरोड़, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर,
1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी संकर सुपुत्र श्री कस्तूरी लाल,
निवासी 73, राजा मार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मंगत राम दुआ, सुपुत्र श्री नारायण दास
निवासी 53/50, रामजस रोड, करौल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुमंजिला मकान जिसका म्युनिसिपल नं० 65 से 85 है
का 15/100 वां भाग जिसका क्षेत्रफल 6110 वर्ग फुट है, चौक
कुतब रोड, सदर बाजार, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार
से स्थित है:—

पूर्व :	अन्य जायदाद
पश्चिम :	रास्ता मण्डी पान
उत्तर :	रोड
दक्षिण :	प्रहारा

एस० एन० एस० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20 मई, 1976।

मोहर:

प्रारूप ० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 20 मई, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1184/76-77—

अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति में जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1890-91-92 है तथा जो हवेली जुगल किशोरी किशोरी के पास, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और हस्ते उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री शाफीक्यूदीन, इशाक अहमद, मोहम्मद अहमद, श्रीमती नरगिस बेगम, श्रीमती सबरी बेगम, सभी निवासी 3143, बकील बाली गली, कूचा पंडित लाल कुआं, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० मंगलानी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०, 87, बनारसी दास ईस्टेट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री गोरखधन दास एण्ड संस
(2) श्री ब्रज मोहन मेहता ।
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और, पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जोकि 111 वर्ग गज के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 1890-91-92 है, हवेली जुगल किशोरी, के पास, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20 मई, 1976

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिये

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1185/76-77—
यह: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

औरजिसकी सं० मकान नं० 121 से 124, ब्लाक नं० सी है, तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गवर्धन दास, सुपुत्र श्री रामजी दास निवासी 1890-91, चांवनी चौक, दिल्ली ।

(2) श्री मुलखराज गुप्ता (जनरल पावर प्राफ अटार्नी,) सुपुत्र श्री तोली राम, निवासी 124-सी, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री हंसराज गुप्ता, सुपुत्र श्री तोली राम गुप्ता, निवासी सी-122, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री सी० एल० सुधाकर,

(2) श्री मुलखराज

(3) श्री एच० आर० गुप्ता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सीजहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 251.332 वर्ग गज है और नं० 121, 122, 123, 124, ब्लाक नं० सी है, रमेश नगर, (झग्ल स्टोरी मकान), नई दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20 मई, 1976 ।

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1186/76-77—

अतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 111/2841 है तथा जो अशोक गली, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—126 GI/76

1. श्री देवराज, सुपुत्र श्री लाहोरी लाल,
निवासी 2541, मोरी गेट, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सरवे कीर्ति कुमार, सुपुत्र श्री ओमप्रकाश,
निवासी 17/2, रामेश नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि फीहोल्ड प्लाट पर 125 वर्ग गज क्षेत्रफल पर बना हुआ है जिसका नं० 111/2841 है, अशोक गली, मोरी गेट, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 111/3092

पश्चिम : गली

उत्तर : जायदाद नं० 111/2840

दक्षिण : जायदाद नं० 111/2842

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20 मई, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाबाली मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 20 मई, 1976

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/ 11/1187/75-76—
अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4/552 से 554 तक, हैं तथा जो एसपलैन्ड
रोड, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ज रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्तूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहुत कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वदेशिक आर्या प्रतिनिधि सभा

(इन्टरनेशनल आर्या सीग के नाम से भी जानी जाती है)
महाराष्ट्र दयानन्द भवन, राम लीला ग्राउन्ड के सामने,
आसफाबाली रोड, नई दिल्ली ।

इनके प्रेजीडेंट के द्वारा । (अन्तरक)

2. (1) श्री बाबूराम गुप्ता सुपुत्र श्री रनजीत सिंह, निवासी
4/554, एसपलैन्ड रोड, दिल्ली-6
(2) सुरिन्द्र कुमार
(3) ललित कुमार
(4) अनील कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री राम कंवर निवासी
4/552, एसपलैन्ड रोड, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जोकि 175 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4/552-554 है,
एसपलैन्ड रोड, दिल्ली-6 में है । यह मकान निम्न प्रकार से
स्थिति है :—

पूर्ब : एसपलैन्ड रोड

पश्चिम : म्युनिसिपल लेन

उत्तर : म्युनिसिपल लेन

दक्षिण : जायदाद नं० 556 तथा 557

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20 मई, 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, दिल्ली-1

4/14 क, आसफाबादी मार्ग, नई दिल्ली

दिनांक 28 मई, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू/2/1188/76-77--
अतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1711 है तथा जो नहार सादत खान
दिल्ली-6 में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्मत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री महादेव प्रसाद बागला पुन श्री राय बहादुर
सेठ कन्हैया लाल, निवासी 5-एच, न्यू रोड,
अलीपुर, कलकत्ता ।
(2) श्री किशनवागला ,
(3) श्री श्रीराम बागला दोनों पुत्रगण लाल हनुमान
प्रसाद बागला निवासी 2-बी, रोलेन्डसे रोड,
कलकत्ता और 5-के न्यू रोड, अलीपुर,
कलकत्ता ।
(अन्तरक)
- श्री नरेन्द्र नाथ गुप्ता, पुन श्री जयाहर लाल गुप्ता
निवासी 1711, नहार सादत खान दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1711 नं० जायदाद का भाग जो कि नहार सादत खान
दिल्ली-6 में है जिसमें 3 कमरे पहली मंजिल पर एक रसोई
स्नानागार और टीन रोड बरसाती दूसरी मंजिल पर तथा एक
दुकान निचली मंजिल पर है ।

एम० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रें-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28 मई, 1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती सरस्वती देवी एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 जून 1976

निदेश सं० 90-आर०/अर्जन—अतः मुझे एक० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 37/46 है, तथा जो विरद्धापुर, वाराणसी
में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. कुमारी राजेश्वरी गोयल, एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए
जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 37/46, विरद्धापुर, वाराणसी।

एक० रहमान,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 अप्रैल 1976

निदेश सं० 912/अर्जन/मथुरा/75-76/54—अतः मुझे
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाब्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मथुरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 24-10-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला बाई पत्नी दयाल दास, तिलक द्वार,
मथुरा ।
(अन्तरक)

2. बस्वर्द्ध भुषण प्रेस, चूरी बाली गली, मथुरा
बजरिये पार्टनर सूरज भान भरतिया पुत्र द्वारका प्रसाद
जगदीश प्रसाद, हरी बाबू और राम प्रसाद, भारतिया
पुत्रगण सूरज भान भारतिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जमीन थोकफल 3467 वर्ग गज जो मौजा
जयसिंहपुरा, जिला मथुरा में स्थित है 38,000 रु० मूल्य में
हस्ताक्षरित किया गया है ।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 8-4-1976
मोहर ।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अप्रैल 1976

निदेश सं० 476/अर्जन/कानपुर/ 75-76/84—अतः, मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 25-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार गुरमुख सिंह पुल सरदार राम सिंह निवासी 122/219, फैक्टरी एरिया, सरोजिनी नगर, कानपुर
(अन्तरक)
2. श्रीमती महिन्दर कौर जोजा सरदार बलबन्त सिंह साकिन 111-ए/146, अणोक नगर हाल, 122/219, सरोजिनी नगर, फैक्टरी एरिया, कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अन्तर्सम्पत्ति मकान नंबर, 122/219 जो फैक्टरी एरिया
सरोजिनी नगर, कानपुर में स्थित है 80,000 रु० मूल्य में
दस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-4-1976

भोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजून रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1976

निदेश सं० 983/अर्जन/मेरठ/75-76/138—अतः मुझे,
विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार से स्थित है, (और इससे उपावड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिहें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री फोहै चन्द दीवान, पुत्र श्री दीवान आसा नन्द,
निवासी देव नगर, सी० एम० एस० कम्पोउण्ड,
मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री (1) कृष्ण लाल गुप्ता (2) बलवन्त राय पुत्र
श्री एल० राजा राम, देव नगर सी० एम० एस०,
कम्पोउण्ड, शहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 154, एक मंजिला जो देव
नगर सी० एम० एस० कम्पोउण्ड, शहर मेरठ में स्थित है और
जिस का क्षेत्रफल 588 वर्ग गज है, 98,000) रु० मूल्य में
हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मौहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०.....

(1) कुमारी मधुर मामशेन निवासी 70, लिटन रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनक 15 अप्रैल 1976

निवेश सं० 962/अर्जन/देहरादून/75-76/39—अतः; मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) डा० एस० के० गुप्ता निवासी 1-ए रेस कोर्स रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के रापजन्म में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रापजन्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान एटा काटेज जो 70, सुभाष रोड, (लिटन रोड) देहरादून में स्थित है और जो 1, बीघा, 11 विस्वा, और 10 विस्वसी क्षेत्रफल पर बना हुआ है, 60,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 15 अप्रैल 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1976

निदेश सं० 921/अर्जन हाथरस/75-76—अतः मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इसमें उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—126 GI 76

(1) श्री रत्न सिंह, (2) श्री तेज सिंह पुत्रगण भोला सिंह, निवास: यहांपुर हाथरस।

(अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक आफ इण्डिया इम्प्लाइज कोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि०, द्वारा श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सचिव, जगन्नाथ, सभापति और वेद प्रकाश सिंहल, उपसचिव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लाट क्लैवफल 9603, वर्ग गज स्थित मौजा याहियापुर, हाथरस, 93,751 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक 17 अप्रैल 1976

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269—घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1976

निदेश सं० 885-ए/अर्जन/गाजियाबाद/75-76—अतः मुझे विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 सितम्बर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (या 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री हरीचन्द पुत्र श्री ब्रह्मा राम निवासी मकान, नम्बर 114 मौहल्ला अफगानान देहली गेट, गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत्र लाला राम किशन दास निवासी मकान नम्बर 34, मौहल्ला गोशन ग्राम देहली गेट, गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक मकान तीन मंजिला बम्बरी नगर पालिका 114 क्षेत्रफल 120 वर्ग गज स्थित अफगानान मौहल्ला देहली गेट, गाजियाबाद, जिला मेरठ, 40,000 रु० मूल्य में हस्तांतरित किया गया है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
(अर्जन रेज), कानपुर

दिनांक 24 अप्रैल 1976

मोहर :—

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनक 29 मई 1976

निदेश सं० 904-ए/अर्जन/फिरोजाबाद/75-76/563—
अतः, मुझे, विजय भार्गवा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद
में, रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 20 सितम्बर 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और वह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती महारानी बेबा ठाकुर मुलायम सिंह निवासी
ग्राम ओखरा तहसील फिरोजाबाद, डाकखाना
ओखरा।

(अन्तरक)

(2) श्री नाहर सिंह (2) विरेन्द्र पाल सिंह (3) राजेन्द्र
पाल सिंह (4) हाकिम सिंह पुत्रगण भूप सिंह
(5) पुष्पेन्द्र पाल सिंह पुत्र बहादुर सिंह (6)
श्रीमती रामदेवी बेबा धनपाल सिंह साकिब ग्राम
परीक्षतपुर मौजा रत्नौली तहसील फिरोजाबाद
डाकखाना नारखी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अन्त सम्पत्ति कृषि भूमि क्षेत्रफल लगभग खाता नं० 90,
खसरा नं० 3 और 6 किता 2 रकबा 20-3-11 लगानी 28.15 पैसा
का 1/2 भाग बाकै ग्राम मौजा ओखरा फिरोजाबाद जो 30,000
रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है ।विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 29 मई 1976

मोहर :—

प्र० र० प्र० श्री रामचंद्र देवी ० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जनवरी 1976

निदेश न० 740/अर्जन/कानपुर 75-76—अतः मुझे एफ० ज० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है।

और जिस की स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

(1) श्री डा० के० पी० भार्गवा (2) श्याम भार्गवा (3) गोपाल भार्गवा (4) श्रीमती पद्ममा भार्गवा (5) श्रीमती उर्मला भार्गवा (6) श्रीमती दीपालीका भार्गवा साकिनान 9 शामीयाना रोड, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री चान्दमल अग्रवाल (2) भोहन लाल अग्रवाल निवासी 113/48, 49, स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति पूर्वी आधा भाग मकान न० 113/48 और 113/49 जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है और जिसका आधा भाग प्लाट न० 49 और 50 ब्लाक सी, स्कीम न० 7 गुटिया कानपुर बना हुआ है 75,000 रु मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० ज० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक 27 जनवरी 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जनवरी 1976

निवेश नं० 739/अर्जन/कानपुर/75-76—अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा आया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 अक्टूबर 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया आया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० के० पी० भार्गवा (2) श्याम भार्गवा (3) गोपाल भार्गवा (4) श्रीमती पद्मा भार्गवा (5) श्रीमती उमेला भार्गवा (6) श्रीमती दीपालिका भार्गवा साकिमान 9 शामीयाना रोड, लखनऊ।
(अन्तरक)

(2) श्री चान्दमल अग्रवाल (2) श्री मोहन लाल अग्रवाल निवासी 113/48 और 113/49, स्वरूप नगर, कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

अचल सम्पत्ति परिवर्ती आधा भाग मकान नं० 113/48 और 113/49 जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है और जिस का आधा भाग प्लाट नं० 49 और 50 ब्लाक सी, स्कीम नं० 7 गुद्या कानपुर जिसका क्षेत्रफल 625 वर्ग गज बना हुआ है, 75,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक 27 जनवरी 1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज चण्डीगढ़,

156, सैक्टर 9 बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० जे.जी.आर/1185/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी, को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि 30 कनाल 8 मरले हैं तथा जो गांव अगवाड़, गजरा, तहसील जगराओं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करनैल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) सर्वधी

(i) कुलवन्त सिंह

(ii) कुलदीप सिंह

(iii) गुरचरन सिंह

(iv) परमजीत सिंह

(v) लखबीर सिंह

पुत्र श्री गुरदेव सिंह

निवासी अगवाड़ गुजरा, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 30 कनाल 8 मरले जोकि गांव अगवाड़ गुजरा तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है।

खाता नं० 1226/1297,

आयत नं० 54

किला नं० 11-12/1, 19/2-20-21-22/1-27 जमाबन्दी साल 1969-70

(जिसे कि रजिस्टीकृत के विलेख नं० 3528, अक्टूबर 1975 में रजिस्टीकर्ता अधिकारी जगराओं के कायलिय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 11 मई 1976

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकारकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० के०एन०एल०/1667/75-76—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० रनधीर गली में प्लाट नं० 5 पर बनी इमारत के भाग की सम्पत्ति है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान से प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी करनाल कैथल कोआपरेटिव टांसपोर्ट सोसायटी लिमिटेड द्वारा बाबा जान सिंह, पुत्र बाबा नानक सिंह, डाइरेक्टर करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री हरपरीत सिंह मलिक, पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह मलिक, 190/सी, माडल टाउन करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रनधीर गली में प्लाट नं० 5 पर बनी इमारत के भाग की सम्पत्ति।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4390 अक्टूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 12 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1433/75-76—अतः, मुझे, विवेक
प्रकाश मिश्नोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 559 है तथा जो सैक्टर 8-बी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) मि० दरोपदी देवी ग्रोवर, विधवा स्वर्गीय स०
गुरमुख सिंह ग्रोवर,

(ii) श्री रविन्द्र सिंह, पुत्र स्व० स० गुरमुख सिंह ग्रोवर,

(iii) श्री हरजीत सिंह, पुत्र स्व० स० गुरमुख सिंह ग्रोवर,

(iv) मि० कमला सुन्दर सिंह सलूजा, पुत्री स्वर्गीय
स० गुरमुख सिंह ग्रोवर,

(v) मिसेज रमोला कक्कड़ पुत्री स्वर्गीय स० गुरमुख
सिंह ग्रोवर, मकान न० 559, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) (i) श्री कश्मीरी लाल मैहता, पुत्र श्री कर्म चन्द मैहता,

(ii) मिसेज कुशलया देवी मैहता, पत्नी श्री कश्मीरी
लाल मैहता, निवासी मकान नं० 559 सैक्टर 8-बी,
चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी न० 559 सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 12 मई 1976

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निर्देश सं० पीटीए/1389/75-76/—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है। और जिसकी सं० रजबाहा रोड़, लैहल कालोनी में मकान नं० बी-2/1104 पटियाला है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—126GT/76

(1) श्री दीन दयाल, पुत्र श्री रिद्धी राम, निवासी रजबाहा रोड़, लैहल (पटियाला) । (अन्तरक)

(2) श्री गुरबख्ना सिंह, पुत्र श्री अतर सिंह, निवासी गांव बरराना, सब तहसील डेरा बसी जिला पटियाला। अब मकान नं० बी-2/1104, रजबाहा रोड़, लैहल कालोनी, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्विरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-2/1104 जोकि लैहल कालोनी रजबाहा रोड़ पटियाला पर स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 3047 अक्टूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 12 मई 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० सीएचडी/1429/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० कोठी नं० 34 है तथा जो सैक्टर 4 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

अनुसूची

कोठी नं० 34, सैक्टर 4, चण्डीगढ़।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 11 मई 1976
मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० सीएचडी/1431/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० एस० सी० एफ० नं० 53 सैक्टर 26 है तथा जो ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री

(i) मुरारी लाल, पुत्र मेवा लाल,
(ii) वेद प्रकाश,
(iii) बलबीर कुमार
(iv) सिया राम, पुत्र मुरारी लाल,
निवासी मकान नं० 29, गोहला नं० 7, जालन्धर कॉट।
(अन्तराक)

(2) सर्वश्री

(i) बनबारी लाल, }
(ii) अमर लाल, } पुत्र श्री जय लाल
(iii) जगदीश राय }
निवासी 100-ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप कम फ्लैट नं० 53, सैक्टर 26, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 11-5-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० एलझीएच/सी/1546/75-76/—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 80-क है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह, पुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी गांव सुनेत, तहसील और जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरबचन कौर, पत्नी श्री हरनाम सिंह, निवासी दसमेश मार्किंग, पटना शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 80-के, सराभा नगर, लुधियाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5400 अक्टूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 11 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० एलडीएच/सी/1714/75-76.—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्ट के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32-के है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विषयास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी 'कसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह, पुत्र श्री दीवान सिंह, विकास नगर, लुधियाना। द्वारा श्री प्रेम कुमार पुत्र श्री भगत राम, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री देविन्द्र सिंह, पुत्र श्री रणधीर सिंह, निवासी लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसंगी

प्लाट नं० 32-के, सराभा नगर, लुधियाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6409, दिसम्बर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक: 12 मई 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
156, सैक्टर 9-बी०
चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० चण्डीगढ़/1675/75-76:—अतः मुझे, विवेक
प्रकाश मिनोचा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 102 सी० पुराना नं० 11 गली 'सी०'
सैक्टर 28-ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लष्मन सिंह पुत्र श्री दौलत सिंह, निवासी कालका,
जिला अम्बाला द्वारा उसके पुत्र और मुख्यार आम श्री
भगत सिंह, निवासी मकान नं० 540, सैक्टर 10-ए०,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (i) श्री दविन्द्र कुमार चड़ा } पुत्र श्री आर० एल०
(ii) श्री गोगिन्द्र कुमार चड़ा } चड़ा
निवासी मकान नं० 2775, सैक्टर 22-सी०
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 102 सी० (पुराना नं० 11 गली 'सी०') सैक्टर
28-ए० चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1194 फरवरी, 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 मई 1976।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

1. श्री भग्न सिंह पुन श्री हरी सिंह, निवासी कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1976

निदेश सं० एल० शौ० एच०/सी०/1541/75-76:—अतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 कनाल भूमि है तथा जो काराबारा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. मै० न्यू इंडिया कोलोनाईजरज (रजिस्टर्ड) 55-भदौङ हाउस, लुधियाना, द्वारा श्री वाल कृष्ण, पुत्र श्री देवी सरन, निवासी बी०-४/1760, मुहल्ला छींबया, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल भूमि जोकि कारा बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5258 अक्टूबर 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 मई, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 18 मई 1976

निदेश सं० लुधियाना/सी०/ 1542/75-76:—अतः, मुझे

विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बिधे भूमि (पुरुता) है तथा जो गांव महसेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती नरिन्दर कौर, पुत्री श्री लछमन सिंह, निवासी दाखां मण्डी, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मै० वेश्वन्त कोलड सटोर, लुधियाना, द्वारा श्री हर प्रताप सिंह, पुत्र श्री हरचरन सिंह, निवासी वेश्वन्त भवन, राजा सांसी रोड़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 बिधे (पुरुता) भूमि, जोकि तरफ गहलेवाल, तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 842/342, 841/341, 845/342, 843/342, 844/342 खेवट नं० 512, खतौनी नं० 582, जमावन्दी नं० 1973-74।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5284 अक्टूबर, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 18 मई 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 मई, 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1378/75-76:—अतः, मूल्य, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 40-41, सैकटर 17-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—126GI/76

(1) श्री आर० एस० आनन्द (राजिन्द्र सिंह आनन्द),
पुत्र राय साहिब काबूल सिंह,
(2) श्री इन्द्र पाल सिंह आनन्द, पुत्र श्री आर० एस०
आनन्द, निवासी, 22, महादेव रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री

1. हरदित सिंह बसी पुत्र हरनाम सिंह बसी
2. हरभजन सिंह बसी पुत्र हरदित सिंह बसी
3. हिन्दराज सिंह बसी, पुत्र हरदित सिंह बसी,
4. भरत पाल सिंह बसी, पुत्र हरदित सिंह बसी, निवासी गांव और डाकघर बीर बसीया, जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 40-41 का 1/2 भाग, सैकटर 17-ए, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 19 मई, 1976
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 19 मई 1976

निदेश सं० चण्डीगढ़/1381/75-76:—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 40-41 (1/2 भाग), सेक्टर 17-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिस्त्रि निर्मल मोहन्दा, पत्नी लै० कमाडर टी० एस० मोहन्दा, निवासी 1/22, बसन्त विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री

1. हरदित सिंह बसी, पुत्र हरनाम सिंह बसी,
2. हरभजन सिंह बसी, पुत्र हरदित सिंह बसी,
3. हिन्दराज सिंह बसी, पुत्र हरदित सिंह बसी,
4. भरत पाल सिंह बसी, पुत्र हरदित सिंह बसी, निवासी गांव और डाकघर बीर बसीयां जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 40-41 का 1/2 भाग, सेक्टर 17-ए, चण्डीगढ़

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़, ।

तारीख : 19 मई 1976]
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 20 मई 1976

निदेश सं० सरहिन्द/1952/75-76 :—अतः मुझे विवेक
प्रकाश मिनोचा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 58 कनाल और 13
मरले हैं तथा जो गांव हुसैनपुरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामजी दास, पुत्र श्री चड्ठु मल, संगतपुरा
खेतपार हुसैनपुरा, तहसील सरहिन्द ।
(प्रस्तरक)

(2) सर्व श्री

1. सोहन लाल
2. मोहन लाल
3. केशर चन्द
4. अशोक कुमार } पुत्र श्री दुनी चन्द,
5. मिठन लाल पुत्र श्री रामजी दास, निवासी
संगतपुरा तहसील सरहिन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अन्तर बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जोकि गांव हुसैनपुरा, तहसील सरहिन्द में स्थित
है। (क्षेत्रफल 58 कनाल और 13 मरले)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 2047 अक्टूबर,
1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय में
लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 20-5-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269अ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी, 1976

निदेश सं० ए०-१२२/ टिन/७५-७६ :—अतः मुझे ए० एग्वेंट सिंग

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269अ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इस पर सिंहल दि गई है है तथा जो हिजूगुरी टिनसुकिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) श्री शान्ति रंजन भट्टाचार्जी, 2. सकती भारत भट्टाचार्जी, 3. सुविर भट्टाचार्जी पुत्र का मृतक (अन्तरक)

(2) श्री एच० पी० देवी उसकी मृतक पत्नी भूपेन्द्र नाथ भट्टाचार्जी बुरगाबारी टिनसुकिया (अन्तरिती)

(3) श्री इस्वार प्रासाद जालान एन० श्राफ० एम० पि० जालान हिजूगुरी तिनसुकिया (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर और जमीन का माप 1 बिंदा 2 काढा 8 लेछा जिसकी पक्का पटा सं० नहीं है, नं० 21 (पुराना) 188 (नया) दाग नं० 928 (पुराना) /88, 89, 90 और 91 (नया) हिजूगुरी, टिनसुकिया मौजा में स्थित है।

एग्वेंट सिंग
सक्रम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 27-2-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 76

निवेद सं० आई० ए० सी० एक्ची०/भोपाल /76-77/

फा० नं० 603:—अतः मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपायदृश अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लक्ष्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्वेस्टिमेंटों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मूमर मल डांगा सुपुत्र श्री सुजान मल डांगा 2 सुरेश कुमार डांगा पुत्र मूमरमल डांगा निवासी बुजपारा रायपुर

(2) श्री नजीरऊ रहमान 2. श्रीमती क्यार जहां बेगम 3. शंकील एहमद पुत्र श्री हबीब एहमद 4. हबीब एहमद पुत्र काजी मोहम्मद फारुक 5. सरीनबानो (नावालिंग) पुत्री हबीब एहमद निवासी बूधा पारा, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाया 20 के में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 33 और 34 खसरा नं० 911 शीत नं० 40 स्थित म्यूनिसिपल वार्ड सटा बाजार रायपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वीं
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 76

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी० /भोपाल 76-77/633
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वीं के अधीन
सक्षम पदाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
है और जिसकी सं० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकूट अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-10-75 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वीं की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री श्याम लाल पुत्र हीरा नन्द निवासी 167
जयराम पुर, कालोनी, इन्दौर
(ii) श्री सुरेश कुमार (अवयस्क) पुत्र श्री गोरखन
लाल जी निवासी 183 विद्यानगर, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विशन वास पुत्र उद्धनदास आहुजा निवासी

24-बी० रंगमहल हुकुम चन्द मार्ग इन्दौर

2. श्री रमेशचन्द्र पुत्र श्री राजमल जैन निवासी 7/27
निहाल पुरा इन्दौर3. श्रीमति कमला बाई पत्नी भांगी लाल जी
राजपुर निवासी 77 श्रीतला माता बाजार, इन्दौर4. श्री रमेश चन्द्र पुत्र लक्ष्मणदास जी निवासी
85, हुकुमचन्द मार्ग रंग महल, इन्दौर5. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र मोती लाल जी जैन
निवासी निहाल पुरा, इन्दौर6. श्री नीदेश चन्द्र पुत्र राम चन्द जी परवाल
निवासी 92, लोधी पुरा नं० 1, इन्दौर7. श्रीमति सरस्वती बाई पत्नी उद्धवदास जी
निवासी 85 हुकुम चन्द मार्ग, रंग महल, इन्दौर8. कैलाश कुमार पुत्र श्री उद्धवदास जी 85 हुकुम
चन्द मार्ग, रंग महल, इन्दौर9. मुकेश कुमार पुत्र पेर मल जी निवासी 57/2,
राजस्वामाम, धतरी बाग, इन्दौर10. श्री अशोक कुमार पुत्र राम किशन निवासी
735, सिलावट पुरा, इन्दौर11. श्रीमति निर्मला बाई पत्नी ठाकुर दास जी
निवासी 14, रंगमहल मार्ग, इन्दौर12. श्रीमति कीशल्या बाई पत्नी द्या राम जी
निवासी 124, राज मोहल्ला, इन्दौर13. श्री रमेश चन्द्र पुत्र गोरखन दास जी निवासी
40/5, मल्हार गज, इन्दौर14. श्री श्रीमति प्रकाश पुत्र मधनदास जी निवासी
107 काजूलू कालोनी, इन्दौर15. श्रीमति रमाधेवी पत्नी श्री उद्धव दास जी
निवासी रंग महल, हुकुम चन्द मार्ग, इन्दौर16. श्रीमति राम प्यारी बाई पत्नी राम निवास
जी निवासी 1/11 लुधियापुरा, इन्दौर17. श्री श्याम लाल पुत्र मोदू मल निवासी 22,
यंशवन्त रोड, इन्दौर18. श्रीमति सोहन बाई पत्नी मूलचन्द जी 68,
जूनीकसेरा बाखल, इन्दौर19. श्री मोहन लाल निवासी 48, परवेसी पुरा;
इन्दौर20. श्रीमती भगवती बाई पत्नी श्री लक्ष्मी चन्द जी
निवासी 20, रंग महल हुकुमचन्द मार्ग इन्दौर21. श्री अशोक कुमार पुत्र मोहन लाल जी निवासी
49 अहिल्यापुरा इन्दौर22. श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री दीप चन्द निवासी
97 मराठी मोहल्ला इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्याहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसमें भूमि के प्लाट है जो कि नं० 47 शीतला माता बाजार इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-5-76

मोहर :

प्रह्ल शाई० टी० एन० एस०—

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० शाई० ए० सी० एक्ची० /भोपाल 76-77/636:—
अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चार्षीगढ़ शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण भूकंप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-10-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमति विनयबर्मार्डि पुत्र श्री जी० वी० बर्नार्डि निवासी 372, नेपियर टाउन, जबलपुर (अन्तरक)
- (2) रान्धी बाजार निर्माण समिति द्वारा कार्यालय विमरा जबलपुर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग जिसका एरिया 5404 वर्गफूट खसरा नं० 40/1 जो कि करौधी ग्राम जबलपुर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 7-5-76

मोहर :

प्र० र० आ० र० दी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 मई 1976

निवेद सं० आ० र० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/637—
यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा, 269व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजबहादुर सिंह पुत्र श्री राज कुमार सिंह निवासी इन्द्रा भवन तुकोगंज, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार 2. सतीश कुमार पुत्र श्री दरयाव लाल पाण्डा 3. श्रीमति लक्ष्मी बाई बाबरा और दूसरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 19 कंचन बाग कालोनी, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-5-76

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैल, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० /भोपाल-76-77/638:-

मत: मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11-126GI/76

(1) मैसर्स जवाहर मल एण्ड सन्स 2. पार्टनर
श्रीमति मनकमाई 3. श्रीमति उषा पत्नी श्री एच०
एल० पारिख 4. श्री छोटेलाल पुत्र जवाहरमल
पारिख, निवासी 1/3 नया पलासिया, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री छोटे लाल जो पुत्र श्री जवाहर लाल 1/3 नया
पलासिया, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय यें दिया
गया है।

अनुसूची

खुसा प्लाट नं० 4 संघी कालोनी, इन्दौर

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 10-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 मई 76

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/644—

अतः, मूल्य, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-10-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामगोपाल अग्रवाल पुल श्री कन्हैया लाल अग्रवाल कहरा, सागर

(अन्तरक)

(2) श्री पायम दास पुल श्री केवल राम सिंधी द्वारा मैसरी मायाराम एण्ड कम्पनी गुजराती बाजार, कटरा, सागर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्तियों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 108 का आधा भाग जो कि कटरा सागर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 19-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 26 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/648:—
अतः मुझे, थी० के० सिन्हाआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,और जिसकी सं० प्लाट है, जो हन्दौर में स्थित है (और इससे
उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हन्दौर में रजिस्ट्रीकूत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-75 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के उक्त अन्तरण में लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्रीमती उमराओ बाई पत्नी श्री मानक चन्द्र
तोम्या निवासी 6/2 पलासिया, हन्दौर
(अन्तरक)(2) पं० रहन लाल 2. श्री राज कुमार 3. श्री जीतेन्द्र
कुमार 4. श्री विलीप कुमार 5. ललित कुमार 6.
हेमलता देवी 7. श्रीमति मीना देवी निवासी
हेमलता बाजार, हन्दौर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
वहीं अर्थ देगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० (5 पुराना) और नया प्लाट नं० 20/1
महाराजन वार्ड, पलासिया, बाम्बे आगरा रोड, हन्दौर।वी० के० सिन्हा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 26-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज थोल, भोपाल
भोपाल, विनांक 26 मई 76

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० /भोपाल/ 76-77/650:—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट
अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीनिवास पुत्र सीता राम जी लम्हा निवासी
बलवत भेर की गली, उज्जैन
(अन्तरक)
(2) श्री रनछोडलाल पुत्र श्री कन्हैया लाल जी व्यापारी,
गोला मण्डी उज्जैन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर पालिका म० क० 4/1601/1 मिर्जा नियाम बैंग
मार्ग, उज्जैन

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 26-5-76
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज थेट्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 26 मई 76

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/651—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकूत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

(1) श्री कालू प्रसाद पुत्र श्री हीरा लाल जी, निवासी
24 बैराठी कालोनी नं० 1, इन्दौर
(अन्तरक)
(2) श्री ठाकर दास पुत्र श्री पोतराम जी, सिधी निवासी
राजमोहल्ला भ० क० 16/21, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अद्य बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं प्रथ्य होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30 और मकान जो कि बैराठी कालोनी भ० 1
इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 26-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 मई, 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एकबी० /भोपाल 76-77/652:
—अतः मुझं, वी० के० सिन्हा०,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन संक्षेप, प्राधिकारी को, व्यवस्थापन करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹
से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी है जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनूच्चीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-10-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण में लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रिन्सेस उषा द्रस्ट और देवी अहिल्या वाई होल्कर
ऐजूकैशनल द्रस्ट, मानिक बाग, इन्दौर
(अन्तरक)

(2) सर्वजन कल्याण समिति द्वारकापुरी इन्दौर इसके
सदस्यों द्वारा:—
1. श्री राम स्वरूप दयाल,
2. श्री गौरी शंकर वाजपेयी, अध्यक्ष
3. श्री सद्कुमार मोदी, उपाध्यक्ष
4. श्री उपेन्द्र शुक्ला
5. श्री सधन चन्द्र अग्रवाल
6. श्री सुभाष चन्द्र पातौदी
7. श्री प्रदीप कुमार पहाड़िया
8. श्री प्रेम स्वरूप खण्डेलवाल
9. श्री बाल कृष्ण शर्मा, सभी सदस्य निवासी
16 इमली बाजार, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि फूटी कोठी के नाम से जानी जाती है
जो सुख निवास रोड, इन्दौर में स्थित है।

वी० के० सिन्हा०
संसाम प्राधिकारी०
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 28-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1 श्री बाबूलाल पुत्र गोपीलाल नीमा निवासी 166जी/4/
हर मार्ग, इंदौर
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 31 मई 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/76-77/653—
अतः मुझे, वी० के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 22 है, जो इंदौर में स्थित है (ग्रीष्म इसे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 24-10-75को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2 श्रीमति मंजू पत्नी रामचन्द्र एरन निवासी 6/4 स्नेहलता-
गंज इंदौर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्युनिसिपल हाउस नं० 22, पिपली बाजार, इंदौर।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 31-5-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री श्याम बिहारी पुत्र श्री प्यारे लाल जयस्वाल, दशहरा
मैदान, उज्जैन।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एचवी०/भोपाल/76-77/
654—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकूट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्ति दिती गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 (1) श्री मल्हार राव (2) बाल कृष्ण पुत्र श्री नाना
सहब भराठे, सरदार पुरा, उज्जैन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
मकान क्रमांक 5 वार्ड नं० 1/153, लक्ष्मी बाई मार्ग, गली नं० 3, सरदार पुरा, उज्जैन।वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 31-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री शिव कुमार पुत्र श्री कान्हाजी राव मक्कर, 37
बल्लभनगर, इंदौर
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष
(1) के अधीन सूचना2. श्री क्षेत्रीय धानगर सेवा संघ, प्र० स० यशवंत रोड, इंदौर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/655—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका मकान है, जो इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-75

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

गृह क्रमांक 104, परधारीनाथ पथ, इंदौर

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-126GI/76

तारीख : 31-5-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना, विनांक 3 मार्च 1976

निदेश सं० सी० ए० 5/हवेली-1 /अक्तूबर 75/273/75-76-यतः, मुझे, एच० एस० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व द्वारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० क्र० 431/196, स० नं० 718, एफ० पी० क्र० 37 है तथा जो शुक्रवार पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्तव्य करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (ए) श्री अर्विद राघवेंद्र पुरंदरे,
- (बी) श्री गाधय गाधपेंद्र पुरंदरे,
- (सी) श्री सुनील माधव पुरंदरे,
- (डी) श्री अमोल माधव पुरंदरे,
- (ई) श्री श्रीकृष्ण राघवेंद्र पुरंदरे,
- (एफ) श्री अनिश्च्छ श्रीकृष्ण पुरंदरे—सभी रहने वाले 1317/2, कसबा पेठ, पूना-II ।

(अन्तरक)

2. श्री रामचंद्र हरीहर पंडीत "आशियाना", लौ कलेज रोड, पूना-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ए) सी० टी० एस० क्र० 431/196, स० नं० 718, मूंजेरी, फा० प्लाट नं० 37, शुक्रवार पेठ, पूना-2, क्षेत्रफल :— 3448. 838 वर्ग मीटर।

(बी) खुली जगह क्षेत्रफल 2.787 वर्ग मीटर स० नं० 718 मेसे, मूंजेरी, सी० टी० एस० क्र० 430 (पुराना) शुक्रवार पेठ, फा० प्लाट क्र० 718, टी० पी० स्कीम क्र० 3 फी होल्ड।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत लिवेख क्र० 2247, दिनांक 25-10-75 को सब रजिस्ट्रार हवेली-1-पूना के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 3-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० —————

1. मे० लॅंब्हीनो कपूर प्राय० लिमिटेड 510 डी/ई निरंजन
सुभाष रोड, बंबई-400002
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

पूना-411004, दिनांक 10 मार्च 1976

निम्नेत्र सं० सी० ए०५/बॉने (थाना)/अक्तूबर 75/274/
75-76 :—यतः, मुझे, एच० एस० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्तम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० क्र 29 (पार्ट) है तथा जो पंचपाखड़ी, थाना में
स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
18-10-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (i) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. मे० रेनबो टेक्स्टाइल प्रोसेसर्स प्राय० लिमिटेड 3-जी ठाकेर
इंडस्ट्रियल ऐस्टेट एन० एम० जोशी मार्ग, बंबई-
400001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यगा है ।

अनुसूची

प्राप्ती सं० नं० 29(पार्ट) पंचपाखड़ी, थाना, जमीन का बड़ा
दुकड़ा 19200 वर्ग याड़ में से छोटा त्रिस्ता जिसका क्षेत्रफल 4869
वर्ग याड़स है जो थाना म्युनिसिपिलिटी के कक्ष में है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 556 अक्तूबर 1975 में
सभ-रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है ।)

एच० एस० औलख,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-3-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० सी० ए० 5/बंबई (थाना)/ओक्टोबर 75/275/
75-76—यतः मुझे एच० एस० ग्रौलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० क्र० 29 (पार्ट) है तथा जो पंचपाखड़ी
(थाना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षित:—

1. मे० लक्ष्मीनो कपूर प्रायः लिमिटेड, 501 डी० ई० निरंनज
सुभाष रोड, बंबई-400062
(अन्तरक)

2. मे० रेनबो टेक्सटाईल प्रोसेसर्स प्रायः लिमिटेड 3 जी
ठाकेर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन० एम० जोशी मार्ग, बंबई-
400001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्टी सं न० 29 (पार्ट) पंचपाखड़ी, थाना जमीन का बड़ा
दुकड़ा 19200 वर्ग याड़स में से छोटा हिस्सा जिसका क्षेत्रफल
2824 वर्ग याड़स है जो थाना म्युनिसिपलिटी कक्ष में है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 915 अक्टूबर 75 में सब-
रजिस्ट्रार बंबई के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० ग्रौलख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 10-3-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004 दिनांक 7 मई 1976

निदेश सं० सी० ए०/५/अक्टूबर 75 हवेली-II (पूना)/285
of 76-77—यतः, मुझे, एच० एस० औलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 247/14बी/15 सर्वे क्रमांक 247/
14बी/16 है तथा जो येखडा (पूना) में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 20-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बास के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 मेरसं संघी श्वेरी 318/19 चनूशिंगी रोड पूना-16
(अन्तरक)

2 स्पार्टन एनक्लेव को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी चेयर-
मन, श्रीमती चंद्रीका जे० भुट्टान 247/14बी/15 येखडा
पूना-16 (अन्तरिती)

3 (1) मेजर आर० जे० थामस और श्रीमति अलाईस थामस
(2) डा० पी० एम० कल्याणी
(3) मेजर एस० एन० बक्षी
(4) श्रीमति चंद्रीका जे० भुट्टा
(5) श्रीमति के० वेणुगोपाल
(6) श्रीमति एल० बी० विमुते
(7) श्रीमति एस० एस० प्रथान
(8) श्री पी० के० दत्त
(9) श्री पी० एन० संघवी
(10) श्रीमति गिरजाबेन एच० मेहता
(11) श्री के० एस० मेनन
(12) श्रीमति कडावार भारचंद्र ठक्कर
(13) श्री डी० के० शेरे
(14) कुमारी दोनस रेण्टी
(15) श्रीमति भोतीबेन एस० पटेल सबी रहने वाले
247/14बी/15 येखडा पुना । (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

फीहोल्ड जमीन

सर्वे क्रमांक 257/14बी क्षेत्रफल 7860 वर्ग फीट
15

सर्वे क्रमांक 247/14बी येखडा क्षेत्रफल 8640 वर्गफिट
16

बिल्डिंग 1969-70 बांधी हुई
ग्राउंड फ्लोर 4656 वर्गफिट
पहला फ्लोर 4656 वर्गफिट
दूसरा फ्लोर 4656 वर्गफिट
(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख क्रमांक 2282 अक्टूबर
75 में हवेली-II के दफ्तर में लिखा है ।)

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-721 (310)/
1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरियाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 82 तथा 83, टी० पी० एस० नं० 21,
एफ० पी० नं० 227, एस० पी० नं० 206, 207, 210 तथा 211
आजाद सोसायटी है, जो वस्तापुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधि-
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-10-75को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री रमणलाल अमृतलाल परीख, उदय पार्क सोसाइटी
बड़ोदा।
(अन्तरक)2. श्री नरेन्द्रकुमार जयंतीलाल त्रिवेदी, आजाद सोसायटी,
एलिसप्रिंज, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्याकृतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त अस्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्र फल 841 वर्ग
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 82 तथा 83, टी० पी० एस० नं० 21
फायनल प्लाट नं० 227, आजाद सोसायटी का सब प्लाट नं० 206
207, 210, 211 है तथा जो वस्तापुर अहमदाबाद में स्थित है।जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबादतारीख: 1-4-1976
मोहर :

प्रॅचूप आई० टी० एन० एस०

1 अंगीत मिल्स लि० अहमदाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1976

तिदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-847 (318)/1-1/

75-76—ग्रतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य बाजार 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 339/1/2, एफ० पी० नं० 83-बी-4, टी० पी० एस० नं० 10 है, जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-10-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2 कल्पना हंडस्ट्रीयल एस्टेट, मेम्बर्स एसोसियेशन, "सहयोग" दीनबाई टावर के सामने, लालदरवाजा, अहमदाबाद [की ओर से :—श्री नंद लाल गिरधर लाल स्वामी]। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली अमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2816 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 339/1/2, फायनल प्लाट नं० 83-बी-4, टी० पी० एस० नं० 10 है तथा जो रखीयाल, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीखः 7-4-76
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-836 (348)/1-1/
75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 172/1 तथा 172/2, है, जो सहिजपुर
बोधा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 27-10-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) धूलीबेन विधवा सोमाभाई नागरदास,
(2) शकरीबेन सुपुत्री सोमाभाई नागरदास, नानी
खाड़की, सहिजपुर बोधा, अहमदाबाद (अन्तरक)
- जयानंद को० श्रौप० हाऊसिंग सोमायटी लि०
10, अस्त्रिका सोमायटी, जवाहर चौक, मणिनगर,
अहमदाबाद की ओर से:—
(1) प्रमुख :—श्री जयंतीलाल हिम्मतलाल शाह,
(2) सेक्रेटरी :—श्री इन्द्रबदन एस० शाह, अहमदा-
बाद। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जर्मीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल
1731418 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 172/1 तथा
172/2 है तथा जो सहिजपुर बोधा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-4-76
मोहर :

प्रह्लाद भाई ठी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-834 (349) / 1-1/75-76—
यतः मुझे, जो० कथूरिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 396, सब प्लाट नं० 4, ठी० पी० एस० नं० 19, है, जो मेमनगर, पर्पिंग स्टेशन के पास प्रोफैसर्स कालोनी के सामने मेमनगर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—
13—126 GI/76

- (1) सुमनभाई प्रल्हादभाई पटेल,
(2) श्री विनेशभाई प्रल्हादभाई पटेल, नवरंगपुरा,
अहमदाबाद
(अन्तरक)
- रजनीकांत अम्बालाल औकसी, मेमनगर पर्पिंग स्टेशन
पास, अहमदाबाद
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 694.4 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 396, सब प्लाट नं० 4, ठी० पी० एस० नं० 19 है तथा जो मेमनगर पर्पिंग स्टेशन के पास, प्रोफैसर्स कालोनी के सामने, मेमनगर, अहमदाबाद में स्थित है।

जो० कथूरिया
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-4-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1 श्रीमती कल्पनाबेन महेंद्रकुमार भट्ट, 19, श्रीरंग सोसायटी,
फलेंगंगा, बड़ोदा-2
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-811 (382)/5-1/
75-76 :—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० सर्वे नं० 266, अनंत वाणी, है, जो बड़वा, भावनगर
में स्थित है (और इससे उपाद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अन्तर्कारण 75को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
को कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्टरितियों)
के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की खात्र, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधारीत :—2 श्री नवजीवन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
को ओर से :—प्रमुख :—श्री एम० एम० मेहता, भावनगर
(अंतरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4701
घर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 266, अनंतवाणी है तथा जो बड़वा,
भावनगर में स्थित है ।जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद ।

तारीख : 17-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 17 मई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० २३-१-८२२ (383) 1-1/75/76-
यतः, मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक

और जिसकी सं० सर्वे नं० 27 अनंत वाडी है, जो बड़वा, भावनगर
में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रकटूबर 75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री शशीकांत बी० पट्टणी, पावर ओफ अटारनी होल्डर :
श्रीमती प्रगनाबेन शशीकांत पट्टणी, पुरान बंगला अनंद
वाडी, भावनगर ।
(अन्तरक)
- 2 श्री नवजीवन को० आप० हाऊसिंग सोसायटी लि० की
से : प्रभुज : श्री एम० एम० मेहता, भावनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल
लगभग 3902 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 266, अनंत वाडी
है तथा जो बड़वा, भावनगर में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-5-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-२३-१-७९४ (385)/१-१/७५-७६ :—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 12-ए, टी० पी० एस० नं० 15, है, जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप० रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री ठाकुरलाल चंदूलाल फुटाल ग्राउंड के सामने कांकरीया अहमदाबाद। (अन्तरक)

2 दी न्यू प्रेमनगर को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि० कांकरीया, अहमदाबाद। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1345 खर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 12-ए, टी० पी० एस० नं० 15 है, तथा जो किरण पार्क सोसायटी के सामने, वाडज, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख: 17-5-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 बड़ोदा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, गोरक्षा
बड़ोदा
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1976निदेश सं० 341/ए० सी० क्य० 23-666/6-1/75-76—
अतः मुझे पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,और जिसकी सं० ८० सं० 1179 ऐंड 1180 गोरक्षा गांव का प्लॉट
नं० जे०-५१ ऐंड जे०-५२ है तथा जो गोरक्षा, जूना इंडस्ट्रियल एस्टेट
बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ८-१०-७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—2 मैं० ज्योति लिमिटेड बड़ोदा
(अन्तरिती)।को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० स० नं० 1179 और 1180 है तथा
जो गोरक्षा गांव, प्लॉट नं० जे०-५१, और जे०-५२ सयाजी गंज वार्ड
बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 20000 वर्ग गज पुल है
जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अवतूबर 1975 के
रजिस्ट्रीफुत विलेख नं० 5985 में प्रदर्शित है।पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-4-1976

मोदूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री जोसफ इजाक डेविड, गुन्टूर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 11 फरवरी 1976

सं० आर ए० सी० सं० ए० सी० क्य० 329 जं० नं० 232
 जीटीआर/74-75 यतः, मुझे, वि० वी० सुब्बाराव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ
 के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
 से अधिक है

और जिसकी सं० डेर नं० 17ए, विद्यनगर है, जो गुन्टूर में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंशित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
 1908 (1908 का 16) के अधीन 15/10/75 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
 के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
 है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
 के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
 गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय भी बाबत, उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसे किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
 नियम 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए या लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (i) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. डा० पिडिकिटि लक्ष्मण राव, विशाखापट्टनम
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से 15-10-75 पाक्षिक अंत में
 पंजीकृत दस्तावेज नं० 5312/75 में निर्गमित अनुसूची समाप्ती।

वि० वि० सुब्बाराव
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा।

तारीख 11-2-1976

मोहर :

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान

(परीक्षा संघ)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 जून 1976

गुडिनपत्र

सं० 13/6/75-प्रबंध—इस संस्थान की दिनांक 27 मार्च, 1976 की समसंबंधक विज्ञप्ति के अंशिक संशोधन में यह सामान्य जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि श्रेणी-II अशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1976 दिनांक 15 सितम्बर, 1976 की बजाए अब 20 सितम्बर, 1976 को होगी।

मदन लाल
निदेशक (परीक्षा)

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, दिसम्बर, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1976

सं० एफ० 7/1/76-ई०-I (भी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 26 जून, 1976 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 6, दिनांक 1 जून के अनुसार नेशनल डिफेंस एकेडेमी के थल, जल और वायुसेना विंगों में प्रवेश हेतु, जुलाई, 1977 से प्रारंभ होने वाले 58वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बर्हाई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जद्पुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटना, शिलांग तथा त्रिवेण्यम में 28 दिसम्बर 1976 से एक परीक्षा ली जाएगी।

उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जुलाई, 1977 से प्रारंभ होने वाले तदनुरूपी सत्र के लिए अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल, मद्रास (अ० प्र० स्कूल) में भी प्रवेश दे दिया जाएगा। अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवार केवल थल सेना में स्थायी कमीशन पाने के पात्र होंगे।

आयोग, यदि जाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केवल तथा उसके प्रारंभ होने की सारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को समय सारिणी तथा परीक्षा के स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपार्थक II पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिए 163, नी सेना के लिए 32 और वायु सेना, एन० डी० ए० खड़गवासला के लिए 55 तथा थल सेना, अ० प्र० स्कूल, मद्रास के लिए 50 होगी।

इन संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जनवरी, 1959, से पूर्व का तथा 1 जुलाई, 1961 के बावजूद का नहीं होना चाहिए। इन आमु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश आहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को मनीश्वार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीश्वार्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नक्श भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राविकारी से भी निःमुक्त प्राप्त किए जा सकते हैं—

- (i) मुख्यालय, बंगाल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैट/उत्तर प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, विहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/झांघा, तमिलनाडु, कर्नाटक तथा केरल एरिया, सैट टामस माउंट, 101 कमान जैल एरिया के अर आफ 99 ए० पी० श००।
- (ii) मुख्यालय, इलाहाबाद सब-एरिया, इलाहाबाद/बम्बई सब-एरिया, बम्बई/खनऊ, सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पुणे सब-एरिया, पुणे/कलकत्ता सब एरिया, कलकत्ता/एम० पी० सब एरिया, भोपाल/जलंधर सब-एरिया, जलंधर/कर्नाटक सब-एरिया, बंगलौर/झांघा सब-एरिया, सिक्किम/विहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर/अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/उत्तरी बंगाल सब-एरिया/21 सब-एरिया/31, 41 तथा 51 सब-एरिया/मुख्यालय 61 स्वतंत्र सब-एरिया।
- (iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगलौरी बागडोगरा (प० व०), पठानकोट, श्रीनगर (ज० तथा क०), धर्म नगर, असम, गोहाटी।
- (iv) सभी भर्ती कार्यालय।
- (v) फ्लेग अफसर, कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान, बम्बई।
- (vi) फ्लेग अफसर कमांडिंग, दक्षिणी नौसेना एरिया, कोचिन।
- (vii) फ्लेग अफसर, कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापट्टनम्।
- (viii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।
- (ix) नेवल अफसर-इनचार्ज, गोआ।
- (x) नेवल अफसर-इनचार्ज, मद्रास।

- (xi) नेवल अफसर-इन चार्च, अंडमान तथा निकोबार।
- (xii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।
- (xiii) वायु सेना मुख्यालय (पसौनल अफसर 3), नई दिल्ली।
- (xiv) सभी नेशनल केंडेट कोर्ट यूनिटें।

वायु सेनिक व्यवस्था—

- (क) द्वारा एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली-110003।
- (ख) 48 मैन्सफ्लॉड रोड, अम्बाला कैट।
- (ग) मुकर्जी कैम्प, कानपुर कैट।
- (घ) पश्चिमी बंगाल जोन, प्रो० ए० एस० आई० एस० नं० 3, एन० एस० सी०, बोस रोड, पो० रिजेन्ड पार्क, कलकत्ता-700040।
- (ङ) निरंजन बिल्डिंग (वौथी मंजिल), ९९ मैरीन लाइन्स (पश्चिम), मैरीन लाइन्स रेलवे स्टेशन के सामने, बम्बई-400002।
- (च) वायु सेना स्टेशन, तांचरम (मद्रास)।
- (छ) नं० १ कब्बन रोड, बंगलौर-५६०००१।
- (ज) असम जोन, उज्जन बाजार, गोहाटी।
- (झ) अनुग्रह नारायण पथ, कदम कुआं, नया एरिया, पटना-८००००३।
- (ञ) ओल्ड पाली रोड, जोधपुर।
- (ट) वायु सेना स्टेशन, ब्रेगमपेट, सिकंदराबाद।
- (ठ) वायु सेना भर्ती व्यवस्था, भुवनेश्वर।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदनपत्र नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, विसम्बर, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा, विसम्बर, 1976 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इस्तर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदनपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदनपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 23 अगस्त, 1976 (23 अगस्त, 1976 या उसके पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्विप्रसमूह या लक्ष्यांतर में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में ६ सितम्बर, 1976) को या उसके पूर्व आवश्यक प्रलेखों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदनपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदनपत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदनपत्र ही असुक तारीख को भेजा गया था। आवेदनपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट:—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदनपत्र एवं संबद्ध कागजात

प्राप्त करने में कठिनाई या देरी हो तो उन्हें उपर्युक्त पैरा 4 के प्रथम उप पैरा में निर्धारित विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए सामयिक कार्यवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदनपत्र के साथ आयोग की उपाधीन-१ में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें।

जिस आवेदनपत्र के साथ इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाधीन-१ के पैरा प्राप्त २ तथा ३ के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार के अपना आवेदनपत्र प्रत्यक्ष रूप देने के बाद उम्मीदवारी व्यापस लेने के सम्बन्ध में उससे प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार जो नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश के लिए मई, 1976 में होने वाली परीक्षा में बैठ रहा है और अब यहां अधिसूचित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता है तो उसे परीक्षा परिणाम या नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदनपत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह मई, 1976 की परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर एकेडेमी में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाधीन-१ के पैरा ४ के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता, बशर्ते कि उम्मीदवारी को रद्द करने और शुल्क की वापसी का अनुरोध आयोग के कार्यालय में १ मार्च, 1977 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।

एम० एस० प्रधी, उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाधीन-१

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदनपत्र के साथ आयोग की शुल्क के रूप में रु० २८.०० (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० ७.०० का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल अर्टरों या स्टेट बैंक अफिया नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफटों द्वारा भुगतान करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़ कर जो आवेदनपत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, किसी अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. थल सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैकों के अफसरों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना में उनके समकक्ष रैकों के अफसरों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रैकों के भूतपूर्व अधिकारियों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में उनके समकक्ष रैकों के अधिकारियों के बच्चे यदि निम्नलिखित शर्तों पूरी करते हों तो उन्हें निर्धारित शुल्क नहीं देना होगा।

- (i) यदि वे मिलिटरी स्कूलों (पहले जिनका नाम किंग जार्ज स्कूल था) / सैनिक स्कूल सौसायटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं तथा
- (ii) उनके आवेदन-पत्र सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रसारित किए जाते हैं कि उन्हें लिखित प्रश्नों के कुल अंकों में से कम से कम 30 प्रतिशत अंक मिलने की आशा है।

3. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है। जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान को (अब बंगला देश) से प्रवजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह अमर्ता से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद प्रवजनन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

4. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे ₹ 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 4.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 8 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 9 में दी गई व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और नहीं शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुबेश

1. इस परीक्षा में संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा संबंधित सेवा आयोग के कायानिय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पावर भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से जून सेना चाहिए। सामान्यतः उन्हें हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुशोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र और पावरी कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा उसे रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावरी कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम सारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीपाल में रहे रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 23 अगस्त, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपाल में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निमाण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कायानिय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन देखिए आवेदन-प्रपत्र का संक्षण “बी”) को भर कर आयोग को भेज देगा।

थल सेना, नौ सेना या वायु सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अफसर की मार्फत भेजना चाहिए पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का संक्षण “बी”) को भर कर आयोग को भेज देगा।

भारतीय नौ सेना के नाविकों (बाल एवं शिल्पी अप्रैटिसों सहित) को अपनी प्रथम वरीयता भारतीय नौ सेना के लिए ही देनी चाहिए। उनके आवेदन-पत्रों पर तर्भी विचार किया जाएगा जबकि वे उनके कमांडिंग अफसरों द्वारा विधिवत् प्रनुशित हों।

राष्ट्रीय छंडियन मिलिटरी कालेज (जिसका नाम पहले सैनिक स्कूल था), देहरादून, वै. कैडेट, मिलिटरी स्कूलों (जिसका नाम पहले किंग जार्ज स्कूल था) तथा सैनिक

स्कूल सोसाइटी द्वारा भूतालित रौनिक स्कूलों के विद्यार्थी अपने आवेदन-पत्र संबद्ध नालेज/स्कूल के ग्रिसिपल की मार्फत भेजें।

गैर सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपावन्ध I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. 10 X 7 सें. मी. 10) की फोटो की एक जैसी दो प्रतियां।
- (v) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vi) शुल्क की मार्फी से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 6)।

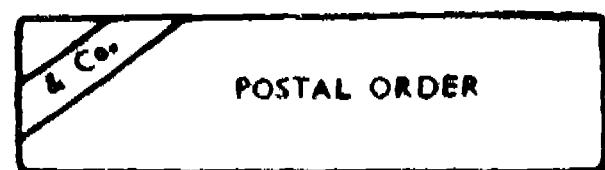
नोट:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त भव (ii), (iii), (v) और (vi), में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही भेजें और वे प्रतिलिपियां सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा उम्मीदवार द्वारा स्वयं सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार सेवा अयन बोर्ड के साक्षरतार के लिए सफल घोषित हो जाएंगे उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाद ही उपर्युक्त मूल प्रमाण-पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के मार्च, 1977 में घोषित किए जाने की समावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाते

उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का बाबा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण नीचे दिया गया है और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



श्रौर इस प्रकार भरा जाए:— Pay to the Secretary, Union Public Service Commission, At New Delhi General Post Office

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समस्त पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, जो नई दिल्ली जनरल पोस्ट आफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट: बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहा हो, वह निर्धारित शुल्क की राशि (रु 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जो भी हों, उनके कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा जीर्ण “0-51-Public Service Commission Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रति भेज दें।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजने में असमर्थ हो तो उसके न भेजे जाने का उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ पैरा 3(iii) के नीचे दिए गए नोट में निर्धारित फार्म पर उस संस्था के प्रिसिपल/हैड मास्टर से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी आयु/जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यथाशीघ्र प्रस्तुत करनी होगी। यदि आगे चल कर उसके द्वारा आवेदन-पत्र में लिखी गई जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष प्रमाण-पत्र में दर्ज की गई जन्म की तारीख से भिन्न पाई गई हो और इस बारे में संघ लोक सेवा आयोग के लिए संतोषजनक प्रतीत होने वाला कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो, तो उसे अनहं घोषित कर दिया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता

है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि उनके हारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग हारा उसके स्थीरूत हो जाने के बाब्त किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र:—उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस साक्ष्य पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ नुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो, अथवा वह इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है किन्तु उसे संबद्ध विद्यालय के हैडमास्टर/प्रिसिपल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी। इन उम्मीदवारों को उम्मीदवारी यदि वे परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी, और हर हालत में 30 जून, 1977 तक प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं तो रद्द कर दी जाएगी।

ऐसे उम्मीदवारों को चाहे वे इस परीक्षा के लिखित भाग में सफल हों या न हों, अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण उपर्युक्त तारीख तक प्रस्तुत करना होगा। यदि वे इस अनुदेश का पालन नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी स्थान वे अपना परीक्षा परिणाम जानने के अधिकारी नहीं होंगे।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

*प्रमाणित किया जाता है कि श्री _____ सुपुत्र
श्री _____ द्वारा संचालित _____ परीक्षा
में _____ सास, 19 _____ में
बैठने वाले/बैठे* चुके हैं।

2. *विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज उनकी जन्म तिथि
जन्म की तारीख _____ है। इस तारीख की स्थानांतरण
प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी ओर से
प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्ट कर ली गई है।

(-----)

(प्रिसिपल/डीन/रजिस्ट्रार* के हस्ताक्षर),
तारीख _____
स्थान _____
(-----)

(कालेज/विश्वविद्यालय/संस्था* का नाम)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

(vi) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने
हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 4 सें.मी. ० × ७ सें.मी. ०)
के फोटों की दो एक जेसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए।
इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए।
और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी
चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी
से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि
आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में
लिखे प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक न लगा होगा और उसे
भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो तो यह आवेदन-
पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस प्रस्तीकृति के विरुद्ध
कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आवेदन-
पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र
ही भेज देना चाहिए और वे (ऊपर पैरा 3 (iii) के नीचे दिए गए
नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेदन-
पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने
के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न
किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के
समय उन प्रत्येकों में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा
सकता है जिनकी प्रतिलिपियां उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनु-
सूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन
में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या
पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल
अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे निर्दिष्ट
है, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए

सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म
में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिरप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि
प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों
की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से
लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी
अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पद्धों पर नियुक्ति के लिए आवेदन
हरने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के
उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

*प्रमाणित किया जाता है कि श्री _____
सुपुत्र श्री _____ जो गांव/कस्बा* _____
जिला/मंडल* _____ राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र¹
के निवासी हैं, _____ जाति/
जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950.*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950.*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951.*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)
आदेश, 1951.*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची
(प्राणोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960,
पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधि-
नियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम,
1971 द्वारा यथासंशोधित) ।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,
1956.*

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित¹
जन जातियां आदेश, 1959.*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1962.

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1962.

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964.*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)
आदेश, 1967.*

संविधान (गोआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1968.*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियां
आदेश, 1968.*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1970.*

2. श्री ————— और/*या
 उनका परिवार आम तौर से गांव/*कस्बा—
 ————— जिला/*मण्डल—
 राज्य/*संघ राज्य क्षेत्र— में
 रहते हैं।
 राज्य
 —————*
 हस्ताक्षर —————
 संघ राज्य क्षेत्र
 **पदनाम —————
 स्थान —————
 (कार्यालय की मुहर सहित)
 तारीख —————

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:— यहां 'आम तौर से रहते हैं' का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेन्टेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी —

(i) जिला मैजिस्ट्रेट अंतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्ष्यद्वारा)।

6. (i) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रज्ञ कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमाण्डेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अंतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाबन्ध I के पैरा 3 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला भैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से बास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पालता-प्रमाण-पत्र (एली-जीबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे इण्डियन मिलिट्री एकेडेमी में प्रशिक्षण के लिए अपना चयन हो जाने के

बाद अभीष्ट पालता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वा आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-पत्र भरते समय कोई भी सूठा व्यौरा न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसको अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी प्रविष्टि में कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेरबदल करें, और न ही फेरबदल किए गए जास्ती प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछले पांच वर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आईर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल रिवोल्टी सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी०" ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउण्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नरमेंट आफ इण्डिया बुक लिपो, 8, क० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

12. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने "ए स्टडी आफ इण्टैलीजेंस टेस्ट स्कोर्स आफ केन्डीडेट्स एट सर्विसिज सलैक्शन बोर्ड" शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित

की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवारों को इस बात की पूरी जानकारी मिल जाए कि सेवा चयन बोर्ड द्वारा बुद्धि-परीक्षण कैसे किए जाते हैं।

यह पुस्तक समूल्य प्रकाशन है और इसकी विक्री कन्ट्रोलर आफ पब्लिकेशन्स, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आईर द्वारा सीधे अथवा नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें (i) किताब महल, रिवोल्टी सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी०" ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउण्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नरमेंट आफ इण्डिया बुक लिपो, 8, क० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहारः—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आविष्कार, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- परीक्षा का नाम
- परीक्षा का महीना और वर्ष।
- रोल नंबर (यदि रोल नंबर उम्मीदवार को सूचित नहीं किया गया हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख)।
- उम्मीदवार का नाम (पुरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आविष्कार में यह व्यौरा नहीं होगा हो सकता है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तनः—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन बोर्ड को सक्षात्कार के लिए अनुशासित उम्मीदवार ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अपने पते में परिवर्तन किया है तो उसे लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, बदले हुए पते के बारे में सेमा मुख्यालय ए० जी० ब्लॉक, आर० टी० जी० ६ (एस० बी०) (ए०) बेस्ट इलाक ३, विंग १, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022), को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस आवेदन का पालन नहीं करेगा वह, सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, किन्तु इस विषय पर वे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते।

15. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा व्यवस्था को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से संबद्ध पूछताला या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी० ६ (एस० पी०) (ए०), बैस्ट ब्लाक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली (110022), को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो, उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना

चाहिए जो, यदि संभव हुआ तो, साक्षात्कार की तारीखें निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अंतिम वरीयता भूमि में ममिलित हों यदि उनके पहले ही दिए गए पते में कोई परिवर्तन हो तो उन्हें योग्यताप्रम के समाचार-पत्रों में प्रकाशन के तुरन्त बाद, सेना मुख्यालय आर० टी० जी० ६ (एस० पी०) (ए०) (i) बैस्ट ब्लाक-3, आर० के० पुरम, नई दिल्ली (110022) को अपना नवीनतम पता सूचित करना चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा प्रेषित कार्यभार ग्रहण करने से अपद्र अनुदेश ठीक समय पर उनके पास पहुंच जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार ग्रहण करने से संबद्ध अनुदेश प्राप्त न होने की पूरी जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 31st May 1976

No. P-1753/Admn.II.—The services of Shri P. R. P. Panikkar, a permanent Accounts Officer in the office of the A.G.C.R. presently working as Finance and Accounts Officer, on deputation basis, with the office of the Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the office of the A.G.C.R., New Delhi with effect from 3rd June 1976 (F.N.).

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi, the 11th May 1976

No. P/1573-Admn.I.—On his appointment as Chief Administrative Officer-cum-Registrar in the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, Shri J. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of CSS and officiating as Deputy Secretary in the Union Public Service Commission, has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 30th April 1976.

The 17th May 1976

No. P/1855-Admn.I.—On his appointment as Principal Scientific Officer in the Department of Science and Technology, New Delhi, Dr. Joseph P. John, Under Secretary, Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 30th April 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi, the 31st May 1976

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—Consequent on his re-allocation to the C.S.S. cadre of the Ministry of Commerce for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year, 1975, Shri H. R. Rishiraj, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission (at present on deputation to the ex-cadre post of Section Officer (Special) and who was provisionally included in the Select List of Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission for the year, 1975 w.e.f. 1st March 1976 vide this office notifications of even number dated 26th March 1976 and 23rd April 1976, has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from the afternoon of 31st May 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 20th May 1976

No. —.—Shri M. Dubey Income Tax Officer (Class II) Ward-A, Bhagalpur is appointed as Chief Enforcement Officer in Calcutta Zonal Office of this Directorate, with effect from 1st May 1976 and until further orders.

S. B. JAIN, Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th May 1976

No. A-20014/62/76-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby promotes Shri A. Kanare S.I. as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Bombay GOW Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 3rd May 1976 until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)
for Dy. Inspector General of Police
Special Police Establishment

New Delhi, the 3rd June 1976

No. A-19036/4/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Sharif-Hassan, Inspector of Lucknow Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 15th May 1976 in a temporary capacity, until further orders.

No. A-19036/10/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. I. Sanyal, an officer of Calcutta Police as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the afternoon of 24th May 1976 until further orders.

No. A-19036/13/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri A. Chakravarti, an Officer of Border Security Force as Deputy Supdt. of Police

in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the forenoon of 25th May 1976, until further orders.

No. R-126/70-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. N. Mukherjee, an officer of Calcutta Police as offg. Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the afternoon of 24th May 1976 until further orders.

No. R-115/68-AD.V.—The Director, CBI and Inspector General of Police, SPE hereby promotes Shri Mohd. Shafique, Crime Assistant C.B.I. as officiating Office Supdt. for the period from 18th May 1976 to 1st July 1976.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)

New Delhi, the 3rd June 1976

No. M-79/66-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Saxena, IPS, Rajasthan 1952 as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Additional Inspector General of Police, Special Police, Establishment, New Delhi with effect from the forenoon of 29th May 1976, until further orders.

K. K. PURI,
Dy. Director (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 2nd June 1976

No. 4/5/75-Admn.—On his reversion from the Air-India, Shri S. N. Bhalla, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, assumed Charge of the post of Research Officer in the Commission, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th May 1976, until further orders.

SHRI NIVAS, Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110001, the 29th May 1976

No. O-11-1047/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. Rameshwar Shah as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on *ad hoc* basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 12th May 1976.

2. Dr. Rameshwar Shah is posted to 21st Bn., C.R.P.F.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st May 1976

No. E-31015(1)/1/75-Ad.I.—On transfer to Khetri, Shri G. R. Khosla, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Hindustan Insecticides Ltd., New Delhi, relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of 6th December 1975.

The 25th May 1976

No. E-38013(1)/3/76-Ad.I.—On transfer to Border Security Force, Ministry of Home Affairs, Shri K. Ramamurti, IPS (Tamil Nadu-1949), relinquished the charge of the post of Deputy Inspector General (Southern Zone), Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the afternoon of 24th May 1976.

The 1st June 1976

No. E-16013(1)/2/76-Ad.I.—On transfer from Central Reserve Police Force, Calcutta, Shri I. M. Mahajan, IPS (MT-1953) assumed the charge of the post of Deputy Inspector General (Southern Zone) Central Industrial Security Force with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 31st May 1976.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 5th June 1976

No. P/T(1)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 20th March 1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. D. Tyagi, Senior Geographer, as Research Officer (Map), for a further period upto 19th June 1976 with effect from 16th May 1976, in the Office of the Registrar General, India.

R. B. CHARI,
Registrar General, India &
ex-officio Jt. Secy.

SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD

Hoshangabad, the 4th June 1976

PF No. Pd-1/2402.—Further to this office notification No. Pd-1/384, dated 13th April 1976 Shri P. P. Sharma, Foreman (Prod.) is allowed to continue to officiate as Assistant Works Manager in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 for a further period from 17th May 1976 to 24th June 1976 vice Shri Joy Peter, Assistant Works Manager, during the extended period of his leave upto 23rd May 1976 and vice Shri M. Padmanabhan, Asstt. Works Manager who is on leave with effect from 24th May 1976 to 24th June 1976.

R. VISWANATHAN, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 31st May 1976

No. Admn. I/O.O 175/5-34/76-77/537—The Accountant General has appointed substantively the following officiating Accounts Officers of this office against permanent posts of Accounts Officers in the time scale of Rs. 840—1200 from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Name	Date of Substantive appointment as Accounts Officer
S/Shri		
1.	H. C. Kogli	1-3-74
2.	B. N. Sawhney	1-7-74
3.	P. N. Sharma	1-3-75
4.	R. P. Sabharwal	1-12-75
5.	H. S. Rekhi	1-12-75
6.	H. L. Gupta	1-12-75

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 26th September 1975

No. Admn.V-16/23(A)(2)B.R.—Shri Babu Ram section officer of the office of the Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Kapurthala has been appointed by Accountant General, Posts and Telegraphs until further orders, as Accounts Officer in the officiating capacity in the office of the Dy. Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Lucknow with effect from 30th July 1975 F.N. The promotion is only on *ad hoc* basis and is subject to revision.

The 6th October 1975

No. Admn. V-23(A)(2)E.Venkatappaya.—Shri E. Venkatappaya, a permanent Accounts Officer of the Office of the Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs Nagpur expired on 3rd August 1975.

The 16th December 1975

No. Admn.V.20/23(A)(2)R. S. Tyagi.—While on deputation to the Ministry of Industry and Civil Supplies, Shri R. S. Tyagi, Accounts Officer of the P&T Audit Organisation retired from service with effect from 31st July 1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 16th December 1975

No. Admn.V.27/23(A)(2)K.C.V.—Shri K. C. Verma, an Accounts Officer of the Office of the Deputy Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Lucknow expired on 11th November 1975.

The 28th December 1976

No. Admn.V/30/23(A)(2)L.K.S.—Shri L. K. Shyamal section officer of the office of the Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Calcutta has been appointed by Accountant General, Posts and Telegraphs until further orders, as Accounts Officer in the officiating capacity in the office of the Dy. Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Patna with effect from 28th November 1975 F.N.

The 31 May, 1976

O. O. No. Admn. V-4/23(A)(2)—The Accountant General Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Accounts Officers and to post Them in P & T Branch Audit Offices indicated / against each ^{order} until further orders. Their promotions are on *ad hoc* basis and are subject to revision.—

Name	Office to which belongs as SO.O.	Office to which posted as S.Y.T. N.C.P. under as A. O.	Date of promotion	1. R. Accounts	
				2. R. A. A.	3. R. A. A. P.
S/ Shri 1. Ajoy Kumar Banerjee	S. W. TEC Calcutta	R. A. O. T.S. & F (Telecom Stores & Factory) under C. S. W. & T. C. Calcutta.	31-1-76		
2. Subodh Ranjan Chakravorty	D.A.A.P & T, Calcutta	Dy. D. A. A. P & T, Lucknow	27-2-76 (A.N.)		
3. V. Swaminathan I	D. A. A. P & T, Madras	Dy. D. A. A. P & T, Patna	17-2-76		
4. S. Desikachari	Dy. D. A. A. P & T, Hyderabad	Dy. D. A. A. P & T, Cuttack	11-2-76		
5. Nirmalendu Banerjee	D. A. A. P & T, Calcutta	RAO Telecom. A/Cs, Bhubaneswar under Dy. D.A.A. P & T, Cuttack	24-2-76		
6. Benoy Kumar Ghosh	D.A.A. P & T, Calcutta.	Dy. D. A. A. P & T, Cuttack	18-3-76		
7. Karan Singh Jain	D. A. A. P & T, Delhi.	Dy. A. A. P & T, Delhi	27-1-76		

O. O. No. Admn. V-5/23(A)(2)—The Accountant General Posts & Telegraphs, has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Accounts Officers and to posts them in P & T Branch Audit Offices indicated against them until further orders. Their promotions are on *ad hoc* basis and are subject to revision.

Sl. No.	Name	Office to which belongs as S. O.	Office to which posted	Date of promotion as Accounts Officer
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
1. S. Subramanian	..	D.A. P & T, Hyderabad.	D.D.A.A. P & T, Bhopal	24-12-75
2. G. Subramanian II	..	D.A.A. P & T, Madras	D.A.A. P & T, Nagpur	22-1-76
3. V. Vidyanathan	..	Do.	Do.	23-1-76
4. Yudhistar Raj Mahajan	..	D.A. P & T, Kapurthala	D.D.A. A. P & T, Lucknow	24-12-75
5. P. S. Ranga Rao	..	D.A.A. P & T, Hyderabad	D.D.A.A. P & T, Bhopal	6-3-76
6. N. Lakshmanan	..	Do.	D.D.A.A. P & T, Cuttack	24-12-75
7. S. Ramaswamy II	..	D.A.A. P & T, Madras	D.A.A. P & T, Nagpur	23-1-76
8. Ramesh Chandra Sharma II	..	D.A.A. P & T, Kapurthala	D.D.A.A. P & T, Patna	26-12-75
9. V. Swaminathan	..	D.A.A. P & T, Hyderabad (Presently posted to H. Qrs. Office Delhi)	D.A.A. P & T, Kapurthala	9-1-76

Sd/-

P. N. MALAVIYA,
Sr. Dy. Account General (H. qrs.)

Office of Accountant General Madhya Pradesh-I

Gwalior -74002, the 22nd May, 1976

No. Admn. I/118—The Accountant General, Madhya Pradesh I, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each name :

S/Shri					
1. R. Venkatachari	(02/0194)	23-4-76 Afternoon
2. K. Y. L. N. Charyulu	17-5-76 Forenoon
3. V. G. Jagannathan	3-5-76 (Forenoon)
4. A. K. Saxena	3-5-76 (Forenoon)
5. D. D. Goyal	3-5-76 (Forenoon)

S. L. MALHOTRA,

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MADHYA PRADESH-II

Gwalior, the 3rd June 1976

No. OE VI/PF-WVP/395.—Shri Wasudeo Vighneshwar Pande, a permanent Accounts Officer, in the office of the Accountant General II Gwalior, retired from Government service, on attaining the age of superannuation w.e.f. 31st May 1976 A.N.

M. M. NARSINGHANI,
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,
EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 1st June 1976

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation, Shri Sasanka Sekhar Mukherjee, Audit Officer, Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the midnight of the 31st May 1976.

N. G. SEN, Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 2nd June 1976

No. 40011(2)/75-AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
S/Shri				
1. John P. Philip (P/171)	...	Permanent Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras
2. Manohar Singh (P/183)	...	Permanent Accounts Officer.	30-9-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
3. B. D. Mahajan (P/615)	...	Permanent Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.
4. R. V. Navarange (O/175)	...	Officiating Accounts Officer	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —South, Madras.
5. Harbans Singh (O/236)	...	Officiating Accounts Officer	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun
6. Purna Nand Sharma (O/277)	...	Officiating Accounts Officer	31-8-76	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.
7. Shiv Kumar Suri (O/278)	...	Officiating Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.
8. B. S. Jain (O/302)	...	Officiating Accounts Officer	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) —North, Meerut.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Rule 48 CCS (Pension) Rules 1972, Shri P. N. Srinivasan, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/241) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Officers) Poona was transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 10th May 1976.

(3) The Controller General of Defence Accounts directs to notify the death of Shri A. Kalyanasundaram, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/420) in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay on 18-4-1976.

Shri A. Kalyanasundaram has accordingly been struck off the strength of the department from 19-4-1976 (FN)

(4) The following is added as sub para to para (1) of this department notification No. 40011(2)/75-AN-A dated 5-5-1976. Shri S. P. Mathur, Permanent Accounts Officers has been granted earned leave for 97 days from 26-4-76 to 31-7-76 pending retirement."

(5) The following is added as sub para to para (2) of this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 5-5-76. "Shri M. L. Sikka, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 99 days from 4-5-76 to 10-8-76".

C. V. NAGENDRA
Deputy Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 24th May 1976

No. 44/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers who were holding the post of DDGOF/GM/(SG) on 1st January 1973 in the pre-revised pay scale of Rs. 2000—125—2250 to the Level I of DDGOF/GM/(SG) of the IOFS in the scale of Rs. 2500—125/2—2750 with effect from the dates shown against their names:—

1. Shri O. P. Bahl, Permt. DDGOF/GM(SG)—1st May 1974.
2. Shri K. D. Kohli, Permt. DDGOF/GM(SG)—1st May 1974.

3. Shri D. Y. Moghe, Permt. DDGOF/GM(SG)—1st May 1974.
4. Shri D. K. Chakravorty, Permt. DDGOF/GM(SG) 1st May 1974.
5. Shri I. K. Nayak, Permt. DDGOF/GM(SG)—1st May 1974.
6. Shri D. Sen, Permt. DDGOF/GM(SG)—1st May 1974.
7. Shri K. K. Bishnoi, Permt. DDGOF/GM(SG)—24th September 1974.

DR. S. BHATTACHARYA,
Director General, Ordnance Factories

Calcutta-16, the 24th May 1976.

No. 41/76/G.—On expiry of extension of service granted for one year, Shri D. Santhanam, Permt. Dy. Manager, retired from service with effect from 31st January 1976 (A.N.).

No. 42/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri B. C. V. Rao, Offg. Asstt. Manager (Sub and perm. Foreman), retired from service with effect from 31st March 1976 (A.N.).

No. 43/76/G.—On attaining the age of superannuation, Shri M. N. Bhandari, Offg. Asstt. Manager (Sub. and perm. Storeholder), retired from service with effect from 31st March 1976 (A.N.).

The 2nd June 1976

No. 46/76/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri Gurwant Singh, Offg. Assistant Manager (Subst. and Permt. Foreman) retired from service with effect from 29th February 1976. (A.N.).

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st May 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/595/60-Admn(G)/3473.—On attaining the age of superannuation, Shri S. H. Kubal relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 30th April 1976.

The 1st June 1976

No. 6/622/61-Admn.(G)/3492.—On attaining the age of superannuation, Smt. S. S. Adurkar relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of 30th April 1976.

P. K. KAUL,
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER
OF IMPORTS AND EXPORTS

Madras-600001, the 28th April 1976

Subjects.—Cancellation of Customs Purpose copy of licence No. P/K/2780250/C/XX/58/M/41-42, dt N5 dated 3rd February 1976 for Rs. 10506/- issued to M/s. The Madras Handkerchief Exporting Co. No. 25, Mangammal St. Madras-600001.

M/s. The Madras Handkerchief Exporting Co. No. 25, Mangammal, Street, Madras-600001 was granted the above mentioned licence by this office for the Import of Dyes and Chemicals.

The firm applied for grant of a duplicate Customs Purpose Copy of the above mentioned licence on the ground that the original licence was lost. It has been stated that the licence was not utilised by them at all. In support of their Claim M/s. The Madras Handkerchief Exporting Co. No. 25, Mangammal Street Madras-600001 have filed an affidavit.

I am satisfied that the original Customs Purpose Copy of the licence has been lost and direct that the duplicate Customs Purpose copy of the licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose Copy of the licence mentioned above is cancelled.

(Issued from file No. CT/Tex/18/OD75/EPC.I.).

I. A. RASHID,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports,
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 2nd June 1976

No. EST.1-2(663).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 10th May 1976 and until further orders Shri S. P. Ghosal, as Deputy Director (P&D) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

No. EST-1-2(502).—Shri V. G. Oka, Deputy Director (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service from the afternoon of the 30th April 1976, on attaining the age of superannuation.

R. P. KAPOOR,
Textile Commissioner

Bombay-400020, the 21st May 1976

No. CER/6A/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (4)/58, dated the 7th March 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification in the column 2, for the existing entries against S. No. 16, the following shall be substituted :—

(i) Deputy Director, Food and Supplies, H.P.—For whole of HIMACHAL PRADESH.

(ii) Distt. Food and Supplies Controllers—In their respective Dist.

(iii) District Inspectors, Food and Supplies—In their respective Dist.

(iv) Inspectors, Food and Supplies—In their respective Jurisdiction/areas.

(v) Sub-Inspectors, Food and Supplies.—In their respective Jurisdiction/areas."

No. CER/6B/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (12)/58, dated the 7th March 1958, namely :—

In the Table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entry against S. No. 15, the following shall be substituted :—

"Deputy Directors, Food and Supplies H.P.—For whole of HIMACHAL PRADESH".

No. CER/6C/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment in the Textile Commissioner's Notification No. CER/6/69, dated the 24th April, 1969, namely :—

In the Table appended to the said Notification after S. No. 4, the following entries shall be added in column 1, 2 and 3 respectively, namely :—

(1)	(2)	(3)
"5 (i) Deputy Directors, Food & Supplies H.P.	For whole of HIMACHAL PRADESH	
(ii) Distt. Food and Supplies Controllers	In their respective Dist.	
(iii) District Inspectors, Food and Supplies.	-Do-	Himachal Pradesh
(iv) Inspectors, Food and Supplies	In their respective Jurisdiction/areas	
(v) Sub-Inspectors Food and Supplies.	-Do-	

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 11th May 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July 1969, add the following under Class 7 Division 2, namely :—

- (i) add "ALUMINIUM TORCHES" before the entry "AMORCES";
- (ii) insert "star mark" before the entry "BON-BON or CHRISTMAS CRACKERS, CHINESE CRACKERS and CRACKERS";
- (iii) add "HAND FLARES" before the entry "LANCES";
- (iv) add "MAGNESIUM TORCHES AND PENCILS" before the entry "MAROON"; and
- (v) add the following after the entry "SOCKET SOUND SIGNALS".

"SPARKLERS (including Electric Sparklers) each consisting of a wire having affixed thereto a mixture of nitrate of barium, aluminium powder, magnesium powder, iron filings, dextrin and gum, the total weight of composition so fixed to each such wire not to exceed 22 grammes provided that each such Sparkler shall be so constructed as not to allow any hot residue to become detached either during or after combustion."

The 29th May 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July 1969, add the following, namely :—

Under Class 6—Division 3.

- (i) add "SAF-T-DETS" after the entry "PERCUSSION PRIMERS".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(Admn. Br. A—6)

New Delhi, the 27th May 1976

No. A-17011(20)/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri M. Gangaraju, Inspecting Officer in Grade III of the Indian Inspection Service, Engineering Branch to officiate as Deputy Director of Inspection in grade II of the Service from the forenoon of the 6th May 1976 until further orders.

Shri Gangaraju relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) at Tatanagar Centre in the Calcutta Inspection Circle in the afternoon of the 24th April 1976 and

assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the Bombay Inspection Circle, Bombay in the forenoon of the 6th May 1976.

The 7th June 1976

No. A-17011/102/76-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri R. C. Verma, Examiner of Stores (Engg.) in the N. I. Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same office with effect from the afternoon of 15th May 1976 until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 27th May 1976

No. A.1/1(849).—The President is pleased to appoint Shri P. C. Sarkar a Grade III officer of the Indian Statistical Service and working as Deputy Director (Statistics) in this Directorate General to officiate as Officer on Special Duty (Statistics) (Grade II of the Indian Statistical Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 14th May 1976 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 27th May 1976

No. 9/58/C/19B.—Shri N. K. Chaudhury, Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th February 1976, until further orders.

No. 50/66(KCPS)/19B.—Shri K. C. P. Singh has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on revision from the Mineral Exploration Corporation Ltd. on the forenoon of 16th January 1976, in an officiating capacity.

No. 50/66(PKH)/19B.—Shri P. K. Hoizal has received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on revision from the Mineral Exploration Corporation Limited on the afternoon of 22nd March 1976, in an officiating capacity.

No. 2222(ACB)/19B.—Shri Asim Chandra Banerjee, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2nd April 1976, until further orders.

No. 2222(CVS)/19A.—Shri C. V. Seshadri, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd March 1976, until further orders.

No. 2222(SKC)/19A.—Shri Sajal Kanti Chaudhuri, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th May 1976, until further orders.

No. 2222(SSG)/19A.—Shri S. S. Gupta, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 25th March 1976, until further orders.

No. 2222(SNS)/19A.—Shri S. N. Singh, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th March 1976, until further orders.

No. 2251(TPR)/19B.—Shri T. P. Rai received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 16th February 1976.

No. 2251(MSR)/19B.—Shri Mangal Singh Rawat, Driller, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 31st January 1976 (afternoon).

The 28th May 1976

No. 2251(KKB)/19B.—Shri K. K. Bakshi received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 23rd January 1976.

No. 51/62/19A.—The following Assistant Administrative Officers of the Geological Survey of India are given proforma promotion to the grade of Administrative Officer in the same Department in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 12th December 1975 under the "Next Below Rules".

1. Shri J. N. Ghosh.
2. Shri K. G. Ramachandran.
3. Shri C. L. Soorma.

No. 459/B/14/74/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Assistant Chemist in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each :

Sl. No.	Name of officers	Date of confirmation
(1)	(2)	(3)

DIRECT RECRUITS

1. Shri S. R. Paul	2-6-70
2. Shri S. B. Akolkar	2-6-70
3. Shri B. P. Chatterjee	2-6-70
4. Shri M. R. Sen Gupta	2-6-70
5. Shri B. D. Kapoor	4-6-73
6. Shri G. P. S. Nair	4-6-73
7. Shri S. S. Lal	4-6-73
8. Shri B. M. Tewari	4-6-73
9. Shri P. R. Paul	4-6-73
10. Shri S. Palani	4-6-73
11. Shri V. P. Sinha	4-6-73
12. Dr. B. Mazumdar	4-6-73
13. Shri G. N. Sachan	4-6-73
14. Shri R. N. Sood	4-6-73
15. Shri R. M. Agarwal	4-6-73
16. Shri R. G. Joshi	4-6-73

1	2	3
DEPARTMENTAL PROMOTEES		
1. Shri V. K. Gupta
2. Shri S. K. Halder
3. Shri S. K. Mitra
4. Shri M. P. R. Nair
5. Shri C. N. Murthy
6. Shri Md. Zafar
7. Shri S. N. Singh
8. Shri V. S. Dwivedi

The 31st May 1976

No. 2222(KPS)/19A.—Shri K. P. Singh Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31st March 1976, until further orders.

No. 2181(SMA)(VPS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31st March 1976, until further orders.

No. 2181(SMA)(VPS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the dates shown against each, until further orders :

1. Shri S. M. Azhar—2-3-1976 (FN).
2. Shri V. P. Sharma—2-3-1976 (FN).

No. 2181(SMA)(VPS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the dates shown against each, until further orders :

1. Dr. Jag Raj Singh—11-3-1976 (FN).
2. Shri B. K. Gulhati—12-3-1976 (FN).

No. 2222(TKC)/19A.—Shri Tapan Kumar Chakravarty is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th March 1976, until further orders.

No. 2586(RPC)/19A.—Shri Ram Prasad Chatterjee, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 1st March 1976 (F.N.).

No. 2222(KK)/19A.—Shri Kuldeep Kachroo is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 11th March 1976, until further orders.

The 2nd June 1976

No. 2222(TKP)/19A.—Shri Tapas Kumar Pyne is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd March 1976, until further orders.

No. 2222(SKG)/19A.—Shri S. K. Gadroke, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1060—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2nd April 1976, until further orders.

No. 683/B/1734(4)/19C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Name's	Designation	Date from which declared Quasi-Permanent
(1)	(2)	(3)	(4)

S/Shri

1. K. K. Chakraborty	Asstt. Geologist	7-5-69
2. A. K. Trichal	Do.	16-12-70
3. D. K. Naga Raja Rao	Do.	11-12-70
4. S. Dutta Gupta	Do.	29-12-70
5. Vijay K. Joshi	Do.	23-1-71
6. P. B. Chattapadhyay	Do.	18-12-70
7. Swapan K. Sarkar	Do.	3-1-71
8. Ranjit K. Datta	Do.	21-12-70
9. P. Devgupta	Do.	16-1-71
10. B. K. Chakrabarti	Do.	31-1-71
11. Rathindranath Datta	Do.	5-1-71
12. K. B. Nair	Do.	12-12-70
13. S. C. Roy	Do.	22-2-71
14. Arun K. Mohanty	Do.	19-12-70
15. P. Prakash	Do.	11-12-70
16. J. L. Thussu	Do.	16-1-71
17. R. V. Iyer	Do.	28-12-70
18. Ranjit K. Chakraborti	Do.	8-1-71
19. Barin Chatterjee	Do.	16-12-70
20. P. K. Thampi	Do.	18-12-70
21. P. B. Taran	Do.	15-2-71
22. K. D. Viswanathan	Do.	19-12-70
23. I. R. Rao	Do.	19-12-70
24. K. V. Venkalesh	Do.	5-12-70
25. Amitabha Roy	Do.	18-12-70
26. R. R. Bandyopadhyay	Do.	18-12-70
27. Manoranjan Das	Do.	16-12-70
28. Sekhar Bhadra	Do.	19-12-70
29. Asim K. Basu	Do.	19-12-70
30. R. K. Wakhloo	Do.	26-12-70
31. Pradip P. Ghosh	Do.	1-1-71
32. M. N. Dange	Do.	5-12-70
33. N. K. R. Verma	Do.	27-12-70
34. Surendra Nath Panda	Do.	19-12-70
35. Lobin Sangma	Do.	3-1-71
36. J. M. Alam	Do.	3-8-68
37. Subrata Chakraborty	Do.	16-1-72
38. R. P. Sharma	Do.	18-4-72
39. R. Sundaram	Do.	29-9-72
40. B. S. Rawat	Do.	23-8-72
41. S. S. Manna	Do.	25-3-73
42. S. K. Bhattacharjee	Do.	2-6-72
43. K. S. Sriram	Do.	20-8-72
44. R. S. Misra	Do.	1-3-72
45. K. P. Reddy	Do.	31-5-72
46. R. N. Mukhopadhyay	Do.	14-4-73
47. S. P. Mahakuda	Do.	6-1-73
48. K. K. Sen	Do.	9-2-73
49. A. V. K. Rao	Do.	28-2-73

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
50. S. C. Udhaji	Asstt. Geologist	26-12-72	
51. P. N. Chowdhury	Do.	8-12-72	
52. S. Mehra	Do.	15-1-73	
53. T. K. Sen	Do.	11-11-72	
54. S. S. Bose	Do.	10-3-73	
55. R. P. Radcliffe	Do.	25-9-72	
56. A. K. Dass	Do.	30-10-72	
57. Harpal Singh	Driller	18-9-68	
58. U. S. P. Gupta	Do.	10-9-68	

V. K. S. VARADAN
Director General

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st June 1976

No. A19011(106)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri H. N. Bandhopadhyaya, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines as Deputy Controller of Mines in an officiating capacity in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th May 1976, until further orders.

The 5th June 1976

No. A19011(30)/75-Estt.A.—On his reversion from the Pyrites, Phosphates and Chemicals Limited, Dehradun Shri D. V. Kulkarni has reported for duty in the Indian Bureau of Mines as Deputy Ore Dressing Officer with effect from the forenoon of 26th May 1976.

A. K. RAGHAVACHARY,
Senior Administrative Officer
for Controller

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-700016, the 31st March 1976

No. 4-122/75/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, hereby appoints Shri Navakishor Das to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 24th February 1976 and until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 2nd June 1976

No. E1-5086/PF(PKS).—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri P. K. Sharma, Assistant Manager, No. 103(PZO) Printing Group (MP), Survey of India, Dehra Dun from Government Service on superannuation with effect from 29th February 1976 (AN).

D. P. GUPTA, Major Engrs,
Assistant Surveyor General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 1st June 1976

No. F.11-2/74-A.I.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Vijay Kumar, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 31-7-1975, until further orders.

The 5th June 1976

No. F.11-2/74-A.1.—Shri B. I. Razdan, Asstt. Chemist Gr. I is appointed to Officiate as Scientific Officer (C.I. II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis w.e.f. 1st June 1976 (F.N.) and until further orders (*vice* Shri C. P. Mehra, Scientific Officer, on leave). This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD
Director of Archives

**DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 25th May 1976

CORRIGENDUM

No. 10/10/76-SIII.—In partial modification of this Directorate Notification No. 2/5/76-SIII dated Nil the name of Shri L. C. Logani of S. No. 15 may please be corrected as J. C. Logani.

B. BHADU
Section Officer
for Director General

New Delhi-1, the 5th June 1976

No. 2/44/60-SII.—In supersession of this Directorate's Notification No. 2/44/60-SII dated 21-5-1975, Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri H. S. Battise, Head Clerk, Television Centre, Bombay, to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Imphal with effect from 14-5-1976 (F.N.) on purely *ad-hoc* basis.

No. 2/7/63-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Naganarasimha, Accountant, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bangalore to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Simla with effect from 27-5-1976 (F.N.).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
ITEMS DIVISION**

Bombay-26, the 29th May 1976

No. 17/20/49-Fst.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. K. Nair Officiating Salesman, Films Division, Bangalore, to officiate as Branch Manager in the same office with effect from 11th May, 1976 (Forenoon) *vice* Shri V. Shrinivasan offg, Branch Manager granted leave.

R. S. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th May 1976

No. 33-12/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. S. Passi, Physiotherapist, Safdarjung Hospital, New Delhi in the post of Senior Physiotherapist at the same Hospital, with effect from the forenoon of the 25th February, 1976, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

The 28th May 1976

No. A-12025/1/76-D.—The President is pleased to appoint Dr. G. C. Srivastava to the post of Senior Scientific Officer, Grade II, in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad, on a purely temporary basis with effect from the forenoon of the 6th April, 1976 and until further orders.

No. 9-24/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Sarla Kapoor, to the post of Senior Tutor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 5th April, 1976 and until further orders.

On her appointment to the post of Senior Tutor, Smt. Sarla Kapoor relinquished charge of the post of Tutor at the same college on the forenoon of the 5th April, 1976.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

**(DEPARTMENT OF FOOD)
NATIONAL SUGAR INSTITUTE**

Kanpur, the 26th May 1976

No. Estt.3(1)/67-IV.—Shri V. Seetharamaiya is appointed substantively to the permanent post of Hindi-cum-Welfare Officer (G.C.S. Class II Gazetted) now Group 'B' in the pay scale of Rs. 650—1200 at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from 15-10-1971.
[No. 3321/Estt.(1)63]

N. A. RAMAIAH
Director

(DEPARTMENT OF IRRIGATION)

**OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT**

Farakka, the 26th May 1976

No. PF-II/223/5448(8).—Shri Chandrakanta Balvant Vadgaonkar is appointed as Assistant Engineer (Mechanical) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Agriculture & Irrigation, Department of Irrigation in a temporary capacity with effect from the 1st January, 1976 (F.N.).

BRIG. D. R. KATHURIA
General Manager
Farakka Barrage Project

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 30th April 1976

No. PA/55(5)/76-R-IV(Vol.II).—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Samuel Kaling Venkata-Raman, Kartaraman, Karthikyan as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 9, 1976 until further orders.

No. PA/81(37)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Tarakad Subbarayan Subbaram, a permanent Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 9th May 1976

No. PA/81(16)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vishwanath Ganesh Oka, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

No. PA/81(57)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Anant Krishna Bhat, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

The 11th May 1976

No. PA/81(128)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Narain Hiranand Punwani, a permanent Draughtsman (B) and officiating Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 29th May 1976

No. V/415/Med/Estt.IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Tara Ramachandra Valsangkar, a permanent Assistant Matron, to officiate as Matron in this Research Centre on the following occasions *vice* Smt. Chacko, Matron granted leave.

1. 58 days from 28-1-76 to 25-3-76.
2. 62 days from 5-4-76 to 5-6-76.

M. K. S. SUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 29th May 1976

No. 5/1/76/Estt.II/989.—In continuation of this Research Centre notification No. 1/1/71/Estt.XII/3846 dated 29-10-1975, the Controller, B.A.R.C. appoints Shri Krishnapuram Raman Pillai Venugopalan Nair, a permanent Asstt. Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from 21-9-1975 (FN) to 30-4-1976 (AN).

S. KRISHNAMURTHY
Dy. Establishment Officer

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 24th May 1976

No. DPS/A/11013/32(a)/76/Estt.6580.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. V. Nair, a temporary storkeeper in the Hyderabad Regional Purchase and Stores Unit of this Directorate at Hyderabad as a temporary Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-3-1976 (FN) to 3-4-1976 (AN) *vice* Shri V. B. Prabhu, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/11013/32(a)/76/Estt.6580.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri D. D. Nayak, a temporary Purchase Assistant in the Hyderabad Regional Purchase and Stores Unit of this Directorate at Hyderabad as a temporary Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 16-1-76 (FN) to 21-2-76 (AN) *vice* Shri P. Balaganadharan, Assistant Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 27th May 1976

No. PPED/3(262)/76-Adm.6458.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a quasi-permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity.

16—126GI/76

city with effect from the forenoon of May 10, 1976 to afternoon of June 11, 1976 *vice* Shri G. S. Khurana, Asstt. Personnel Officer proceeded on leave.

R. J. BHATIA
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 28th May 1976

No. AMD.2/2447/75-Adm.—Consequent on his resignation from service having been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, Shri Dibakar Goswami, an officiating Scientific Officer/Engineer Grade/SB of the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, relinquished charge of his post in that Division on the afternoon of 23rd March, 1976.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative and Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 7th May 1976

No. SAC/EST/1.1.56/76.—The Director is pleased to appoint Shri N. Narayanaswamy as Station Officer on a basic pay of Rs. 710/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from March 5, 1976.

(Sd/-), ILLEGIBLE
MAJOR R. C. SAMUEL (RETD.)
Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd June 1976

No. E(I)03515.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chaudhury, Prof. Assistant office of the Director, Instruments, Poona to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17-5-76 to 13-8-76.

Shri Choudhury Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director (Instruments), Poona.

The 4th June 1976

No. E(I)04255.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Ghosh, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 21-5-76 to 17-8-76.

Shri Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. L. Ghosh, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 21-5-76 to 17-8-76.

Shri Ghose, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05195.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Das, Professional Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17-5-76 to 13-8-76.

Shri Das, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(I)05773.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. M. Saxena, Professional Assistant, Office of the Deputy Director General of Observatories, (Instruments) New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 18-5-76 to 14-8-76.

Shri R. M. Saxena Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Instruments) New Delhi.

The 5th June 1976

No. E(1)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhownik, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 21-5-76 to 17-8-76.

Shri Bhownik, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th May 1976

No. A 22015/13/76-ES.—Shri Amiya Kumar Maitra assumed charge of the office of Accounts Officer, Regional Pay & Accounts Office, Civil Aviation Department, Calcutta on the forenoon of the 1st April, 1976.

The 28th May 1976

No. A.38012/7/76-ES.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Antia, Senior Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta-700052, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th April, 1976.

The 31st May 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants in the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 1st May, 1976 (FN) and until further orders and to post them in the same office.

1. Shri Thomas Koshy,
Technical Assistant, A.C.S., Madras.
2. Shri K. V. S. Murthy,
Technical Assistant, A.C.S., Madras.

The May 1976

No. A.32013/18/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Kishu Tekchandani, Senior Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to officiate in the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from the 15th May, 1976 and until further orders and to post him in the Civil Aviation Department, R. K. Puram, New Delhi.

The 2nd June 1976

No. A.38012/1/76-EC.—Shri Sukh Dev Raj, Assistant Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of his office on the 30th April, 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 24th May 1976

No. A-31013/7/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri P. K. Ramachandran in the post of Director of Air Routes & Aerodromes in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from the 1st January 1976.

The 25th May 1976

No. A-31013/9/75-EH.—The President has been pleased to appoint Shri G. C. Roy in the post of Inspector of Flying in the Civil Aviation Department, in a substantive capacity with effect from the 13th November 1975.

The 27th May 1976

No. A.31013/3/75-EH.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Sarkar, in a substantive capacity, in the grade of Deputy Director General in the Civil Aviation Department with effect from 10th April, 1975.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 28th May 1976

No. A. 32013/3/75-EA.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the Grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Force Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the dates mentioned against their names and until further orders :

Sl. No.	Name	Station	Date				
			1	2	3	4	
1.	Shri T. S. N. Rao	RD Office, Dum Dum	29-3-76				
2.	Shri B. M. Roy	Dum Dum	8-4-76				
3.	Shri S. Bhatt	Posted at Head- quarters as Asstt. Director (Information & Regulations).	1-4-76				
4.	Shri R. N. Bhatnagar	Civil Aviation Training Centre Allahabad.	29-3-76				
5.	Shri K. N. Bahl	Do.	27-4-76				
6.	Shri K. C. Duggal	Udhampur	8-5-76				
7.	Shri I. M. Tuli	Patna	30-4-76				
8.	Shri V. V. Bagga	Palam	30-3-76 (AN)				
9.	Shri R. J. Yuvraj	Nagpur/Bombay	29-3-76				
10.	Shri M. K. Das	Dum Dum	29-3-76				
11.	Shri M. S. G. K. Warrier	Bombay.	10-5-76				

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the June 1976

No. 1/369/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh Supervisor, OCS, New Delhi Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 11-2-76 to 28-2-76 (both days inclusive) and from 1-3-76 to 15-3-76 (both days inclusive), against short-term vacancies.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS
OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL
EXCISE, GUNTUR

Guntur-4, the 27th April 1976

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 1.—Shri B. Gnanasambanthan, Officiating Superintendent of Central Excise, Class-II Hqrs. Office, Guntur has retired from service with effect from 16th January, 1976 A.N. under the provisions of F.R. 56-J.

No. 2.—The following permanent Senior Grade Inspectors of Central Excise, have been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise, Class II in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents, of Central Excise, Cl II with effect from the dates noted against each:

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Supdt. of Central Excise, Class II
1.	J. Rama Murthy	P. & I. Kothapeta.	1-4-75
2.	Syed Mahamood	I.D.O. Eluru	3-3-76
3.	Md. Ezaz Hussain	Hqrs. Office, Guntur.	23-2-76
4.	P. Putrayya	M.O.R. Ramachandrapuram.	11-3-76
5.	P. A. Gajapathi Rao	I.D.O. I Visakhapatnam	8-3-76
6.	M. Dhavalaswara Rao	M.O.R. Pothavaram	2-3-76

P. R. KRISHNAN,
Collector.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad, the 15th May 1976

No. 27/1976.—Shri S. N. P. Trivedi, officiating Superintendent, Central Excise, Group B, previously posted as Superintendent (Tech.) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Gorakhpur, handed over the charge of the office of the Superintendent (Tech.) on 30-4-1976 (afternoon) to Shri G. P. Darbari, Superintendent, Central Excise, Gorakhpur and retired from Government service with effect from the said date and hour.

H. B. DAS
Collector
Central Excise, Allahabad

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE
PATNA

Patna, the 2nd June 1976

C. No. II(7)5-ET/75/5227-Dated the 7-6-76.—In pursuance of Government of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order No. 15/76 issued their letter F. No. A.52012/17/75-CERC(Adm) dated 21-4-76 appointing Sri S. S. Tandon, Administrative officer group 'B' Central Excise Collectorate, Allahabad to officiate as Chief Accounts Officer group 'A' assumed charge as Chief Accounts Officer, Central Excise Collectorate, Patna in the forenoon of 10-5-76.

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th June 1976

(ESTABLISHMENT)

No. 48.—Shri M. L. Kapoor, Inspector (S.G.), Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs, Group 'B' in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed the charge of the office of Superintendent, Customs, Air Cargo Unit, Palam, New Delhi in the afternoon of 17-4-76.

No. 49.—Shri Jagat Prakash Anand, Inspector (S.G.), Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs, Group 'B' in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of the office of the Superintendent, Customs, Foreign Post Office, New Delhi in the afternoon of 17-4-76.

M. L. BADHWAR
Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 1st June 1976

No. 41.—On his appointment, Shri B. L. Bhandari an officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as Superintendent (Executive) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the forenoon of 12th February, 1976 in the office of the Deputy Narcotics Commissioner, Neemuch.

No. 42.—On his appointment Shri R. P. Nirmal an officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as District Opium Officer, Bhilwara in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the forenoon of 12th February, 1976 relieving Shri B. Tirath, District Opium Officer, Chittorgarh-I of the additional charge.

No. 43.—On his appointment Shri Rahim Bux, an officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as District Opium Officer, Neemuch-III Division in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the forenoon of 13th February, 1976 relieving Shri J. Maganji, District Opium Officer, Neemuch-IV Division of the additional charge.

No. 44.—On his appointment Shri C. M. Prasad an officiating Deputy Superintendent (Executive) assumed charge as District Opium Officer, Barabanki III Division in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the afternoon of 19th February, 1976 vice Shri D. N. Srivastava transferred.

No. 45.—On his transfer from Barabanki-III Division Shri D. N. Srivastava took over charge as District Opium Officer, Mandsaur II Division in the afternoon of 29th February, 1976 vice Shri Muneshwar Ram retired.

No. 46.—On his appointment Shri I. S. Ratra an officiating Deputy Office Superintendent Level-I (Superintendent Ministerial) assumed charge as Administrative Officer Group B in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the forenoon of 3rd May, 1976 and posted in the Export Cell, New Delhi.

No. 47.—Shri Muneshwar Ram lately posted as District Opium Officer Mansaur-II Division retired on superannuation pension on 29th February, 1976 (Afternoon).

No. 48.—Shri Rahim Bux lately posted as District Opium Officer, Neemuch III Division retired on superannuation pension on 31st March, 1976 (Afternoon).

A. SHANKER
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-20, the 22nd May 1976

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/12-Adm.V (Vol. II), dated the 16th October, 1975, the Chairman, Central Water Commission, is hereby appoints Shri M. P. Namoodri, Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Western Gauging Division, Ahmedabad, Central Water Commission, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the purely temporary and *ad-hoc* capacity for further period from 1-1-1976 to 9-5-1976. Shri Namoodri stands reverted to the post of Research Assistant with effect from 10-5-76 (forenoon).

JASWANT SINGH
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st May 1976

No. 27-EE/R(1)/69-ECII.—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt. Service on 30-4-1976 (AN).

Name and Present designation :

1. Shri Jai Prakash—Surveyor of Works (Avn.) Office of S.S.W. (Avn.) C.P.W.D., New Delhi.
2. Shri A. C. Rajagopal—Ex. Eng. (E) Madras Cent. Elect. Divn. No. II, C.P.W.D., Madras.

The 4th June 1976

No. 27-F/H(8)/72-FC.II.—Shri Harsaran Singh, formerly Executive Engineer, Central Stores Division No. II, C.P.W.D., New Delhi who proceeded on L.P.R. from 23-4-76, retired from Govt. service on attaining the age of superannuation (58 years) with effect from 31-5-1976 (AN).

P. S. PARWANI
Dy. Director of Adminn,
for Engineer-in-Chief

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 1st June 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A.C. overhead Traction wires will be energised on 25 kV on or after 10-6-1976 in the Sections detailed below. On and from the same date, the overhead traction lines shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

- (i) Ghaziabad (Excl.) to Sahibabad (incl) (Structure No. Km 18/29 and 24-11/19G, 30G on GA1 11/29, 22 on Main Line.

- (ii) Sahibabad (Excl.) to New Yamuna Bridge (incl) on GAL Sec. (Structure No. Km. 11/19G, 30G-1532/19, 20 towards New Delhi, 1533/GAL-6, GAL-7 towards Tughlakabad).
- (iii) New Yamuna Bridge (Excl.) to Tilak Bridge (incl) (Structure No. Km. 1532/19, 20-1536/19-20 towards New Delhi and Km. 1534/1-2 on Main line towards Bombay).
- (iv) Tilak Bridge (Excl.) to New Delhi (incl) including Minto Bridge. (Structure No. Km. 1536/19-20-1539/8, 11).

A. L. GUPTA
Secretary, Railway Board

INTEGRAL COACH FACTORY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 19th May 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—Shri A. K. GANESH, Officiating Shop Superintendent/P.C./Shell (Class III) is promoted to officiate as Assistant Works Manager/M.Fur. (Class II) on *ad-hoc* basis with effect from 3-4-1976 and reverted to Class III service with effect from 3-5-1976.

Shri S. SANKARALINGAM, Temporary Assistant Electrical Engineer/Construction is promoted to officiate as Works Manager/Electrical (S.S.) on *ad-hoc* basis with effect from 8-4-1976.

Shri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Assistant Accounts Officer (Class II) is promoted to officiate as Senior Accounts Officer/Furnishing (S.S.) with effect from 10-5-1976.

Sri L. G. SRINIVASAN, Inspector of Stores Accounts (Class III) has been promoted to officiate in Class II as Assistant Accounts Officer/C.A.S. on *ad-hoc* basis with effect from 10-5-1976.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
for General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 1st April 1976

No. 8.—Shri H. R. Chopra, Chief Planning Officer, (H.O.D. Level I) Northern Railway an Officer of I.R.S.M.E. Department has finally retired from service with effect from 31-3-1976 (A.N.).

V. P. SAWHNEY
General Manager

New Delhi, the 24th May 1976

No. 14.—The following Asstt. Engineers have retired/com-
retired/compulsorily retired from Railway Service from the date noted against each :

1. Shri H. L. Sewak—31-12-75 (AN).
2. Shri Mohan Lal—5-12-75 (AN).
3. Shri Dhyan Singh—10-2-76 (AN).
4. Shri V. P. Tiwari—27-1-76 (AN).

The 31st May 1976

No. 10.—The following officers of Stores Department of Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each.

1. Sh. O. P. Trehan, ACOS, Kanpur—31-1-1976 (A.N.).
2. Sh. S. P. Srivastava ACOS/Shakurbasti—31-1-1976 (A.N.).
3. Sh. C. L. Sondhi, S.S.O./Hd. Qrs. Office—29-2-1976 (A.N.).
4. Sh. S. K. Patney ACOS/Lucknow—31-3-1976 (A.N.).

No. 11.—The following officers of Railway Protection Force Department of Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each.

1. Sh. Kanhaya Lal G, Security Officer/Ferozepur—
31-1-1976 (AN).

2. Sh. Jaswant Rai ASO/Fire) Hd. Qrs. Officer—
31-3-1976 (AN).

P. R. PUSALKAR
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 27th May 1976

No. E/55/III/96(O).—Shri S. S. Khurana who was appointed as a Probationer in the Electrical Engineering Department is confirmed as Assistant Electrical Engineer in the Junior Scale with effect from 21-11-75.

H. L. VERMA
General Manager

MINISTRY LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of

Citrus Products Private Limited

Hyderabad, the 21st May 1976

No. 1162/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Citrus Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. V. MEDHI
Registrar of Companies
Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Lakhota Industries Private Limited

Bhubaneswar, the 27th May 1976

No. A.426/76-734(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lakhota Industries Private Limited, unless cause is shown to contrary, will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Utkal Luxmi Corporation Private Limited

Bhubaneswar, the 27th May 1976

No. A.215/76-735(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of M/s. Utkal Luxmi Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be dissolved.

C. R. DAS
Registrar of Companies
Orissa

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
U.P., KANPUR

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. W.R. Draper Company Private Limited

Kanpur, the May 1976

No. 220-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. W. R. Draper Company Private Limited, unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. L. SAH
Registrar of Companies
U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
The Binao Data Processing Services Private Limited

Gwalior-474001, the 29th May 1976

No. 1069/KBLJ/450.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Binao Data Processing Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

MAHESH PRASAD
Registrar of Companies
Madhya Pradesh,
Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Premier Stock & Share Dealers Private Limited

Calcutta, the 1st June 1976

No. 12435/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Premier Stock & Share Dealers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Western Art Process Private Limited

Calcutta, the 1st June 1976

No. 25823/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Western Art Process Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Mitwax Industries Private Limited

New Delhi, the 3rd June 1976

No. 3502-9529.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mitwax Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Delhi & Haryana
New Delhi

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. The Tatanagar Foundry Company (Bihar) Limited
—Notice Under Section 445(2)*

Patna, the 5th June 1976

No. (592)Liqn/1161.—By an order dated 7-5-76 of the court of Judicature at Patna in Company Petition No. 2 of 1976 it has been ordered to wind up Messrs. The Tatanagar Foundry Company (Bihar) Limited.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Bihar

INCOME TAX DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX,
KERALA I

Cochin-682016, the 24th May 1976

INCOME TAX

ORDER NO. I/76-77

C. No. 1(9)(B)/GL/76-77(1).—In exercise of the powers conferred on me under Sub-Section (2) of Section 124 of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income Tax, Kerala I, Ernakulam hereby direct that with effect from 1-6-1976 the following amendments should be made to the schedule appended to the Order No. I/73-74 (C. No. 1(9)(B)/GL/73-74 dated 12-7-73) as amended from time to time.

1. In Column 3 under Item 12 (Trivandrum) Page 8 add Income Tax Officer, F-ward as Item (v).

ORDER NO. 2/76-77

C. No. 1(9)(B)/GL/76-77(1).—In exercise of the powers conferred on me under Section 124(2) of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income Tax, Kerala I, Ernakulam hereby direct that with effect from 1-6-1976 the following amendments should be made to the Order No. 2/73-74 dated 12-7-73 (C. No. 1(9)(B)/GL/73-74) as amended from time to time.

1. In Page 4 under Income Tax Circle, Trivandrum add Income Tax Officer, F-Ward, Trivandrum after Income Tax Officer, E-ward, Trivandrum.

2. All the officers in the Income Tax Circle, Trivandrum will exercise the functions mentioned in Column 2 and 3 of the schedule to the order No. 2/73-74 referred to above.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF WEALTH-TAX,
KERALA I, POST BAG NO. 1758 COCHIN-682016

WEALTH TAX

ORDER NO. 3/76-77

C. No. 1(9)(B)/GL/76-77/I.—In exercise of the powers conferred on me under Section 8(A) of the Wealth Tax Act, 1957, I, the Commissioner of Wealth Tax, Kerala I, Ernakulam hereby direct that with effect from 1-6-1976 the following amendments should be made to the Order No. 3/73-74 dated 12-7-73 [C. No. 1(9)(B)/GL/73-74] as amended from time to time.

1. In Page 4 under Income Tax Circle, Trivandrum add "Income Tax Officer, F-ward, Trivandrum" after Income Tax Officer, E-ward, Trivandrum.
2. All the Officers in the Income Tax Circle, Trivandrum will exercise the functions mentioned in Column 2 and 3 of the schedule to the order No. 3/73-74 referred to above.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF GIFT-TAX,
KERALA I, POST BAG NO. 1758, COCHIN-682016

GIFT TAX

ORDER NO. 4/76-77

C. No. 1(9)(B)/GL/76-77/I.—In exercise of the powers conferred on me under Section 7(A) of the Gift Tax Act, 1958, I, the Commissioner of Gift Tax, Kerala I, Ernakulam hereby direct that with effect from 1-6-76 the following amendments should be made to the Order No. 4/73-74 dated 12-7-73 [C. No. 1(9)(B)/GL/73-74] as amended from time to time.

1. In Page 4 under Income Tax Circle, Trivandrum add "Income-tax Officer, F-ward, Trivandrum" after Income Tax Officer, E-ward, Trivandrum.
2. All the Officers in the Income Tax Circle, Trivandrum will exercise the functions mentioned in Column 2 and 3 of the schedule to the order No. 4/73-74 referred to above.

P. SADAGOPAN
Commissioner of Gift Tax
Kerala-I

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Haye Alias Sahir Ludhianvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AYURVED HOSPITAL BUILDING, 5TH FLOOR,
NEAR CHARNI ROAD STATION, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1976

Ref. No. ARII/2061/4050/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 38 H. No. 1 (pt) situated at Juhu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Parchhaiyan Co-op H.S. Ltd.

(Transferee)

(3) List of Tenants.—

1. Ibrahimbhai A. Nadiadwala.
2. Habib Abdulkarim Aadiadwala.
3. Dr. Ramprakash Kapoor.
4. Kumari Farida Abdul Karim.
5. Smt. Saheeda A Nadiadwala.
6. Smt Phiroza Ibrahim Nadiadwala.
7. Kumari Anwar Sultan Mohd. Shafi.
8. Daram Chopra (Office Premises)
9. Sardar Begum.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided portion along with building known as PARCHHAIYAN consisting of ground and three upper storeys and two garages containing admeasurement 1200 square yards or thereabouts being portion of all that larger piece or parcel of land situate, lying and being at Juhu Santacruz, Bandra, is South Salsette Taluka District Bombay Suburban in Greater Bombay survey No. 38 Hissa No. I (part) area 7681 square yards or thereabouts and assessed as Municipal, R-Ward No. 9875.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Jaivanti Jaisinh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BLD., NEAR
CHARNI ROAD STATION, BOMBAY-2.

Bombay, the 15th May 1976

Ref. No. AR-II/2068/4111/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 218 H. No. 3 situated at Vile Parle (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Jaivanti Jaisinh.

(Transferor)

(2) Andheri Nav Bahar Co-op. Hsg. So. Ltd.

(Transferee)

(3) Unauthorised occupants.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Jaisinh Mathurdas & Vijay Mathurdas.
Mrs. Kanto Sundersinh Kapadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situated lying and being at Vile Parle, Taluka Andheri, within the former Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban and now in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban bearing Survey No. 218 Hissa No. 3, admeasuring 515 square yards or 430.542 sq. metres or thereabouts and assessed at 0.40 p. and bearing C.T.S. No. 666 Sheet No. 16.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Najamai Dorabji Dinshaw Asli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rasiklal alias Rohitkumar M. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGDMP AYURVEDIC HOSPITAL BLD.,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

(3) Shri M. H. Jalnawala (2) A. B. Daruwala (3) M. B. Dumasia, (4) E. D. Daruwala (5) P. F. Mistry & (6) K. S. Tata.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 19th May 1976

Ref. No. ARI/1327-5/Sept. 75.—Wheeras, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 578/10 Matunga Division situated at Plot No. 732, Dadar, Matunga Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

17—126GI/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying and being at Dadar Matunga Estate in the City Island and sub-Registration District of Bombay bearing Plot No. 732, containing by admeasurement 703 sq. yards, i.e. 587.80 sq. mts. and bounded as under: That is to say on or towards the North East by Plot No. 721 of the said Estate leased to Bai Bachubai Nowroji Batliwala and another, on or towards the South East by Road No. 4, Parsi Colony, i.e. Jehangir Vimalalal Road and on or towards the North West by Plot No. 732 of the said Estate leased to the Society, which piece or parcel of land bears New Survey No. 118C part and C.S. No. 578/10 Matunga Division.

The buildings and structures standing on the said plot of land bearing No. 732 and known as Dinshaw House.

Once fully paid up share bearing No. 7413, comprised in share Certificate No. 1093 held by the Assignor in the said Society and of the face value of Rs. 50/-.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.'

Date: 19-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(3) LIST OF MEMBERS OF THE KOMAL VILLA PREMISES CO-OPERATIVE SOCIETY LTD.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY

Bombay-400 002, the 21st May 1976

Ref. No. AM.V/451/35/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 86 of Suburban Scheme No. III situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 23.9.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Leela V. Gad, and M/s Komal Construction Co.
(Transferor)
- (2) The Komal Villa Premises Co-op. Soc. Ltd.
(Transferee)

AS ON 1ST AUGUST 1975

Shop No. 1 & 2—MR. OM PRAKASH GARG.
Shop No. 3—MR. VISHANJI MORARJI
Shop No. 4—MR. TALAKSHI KUNVARJI
Shop No. 5 }
Shop No. 6 }—MR. R. NEELAKANTAN
Shop No. 7 }
Shop No. 8—MR. K. KALYANJI.
Garage No. 1—MRS. A. S. PINTO
Garage No. 2—MR. S. S. HALDANKAR.
Flat No. 11—MR. K. P. SUBRAMANIAM
Flat No. 12—MR. M. C. BHATEJA.
Flat No. 13—MESSRS. VASANTH & CO.
Flat No. 14—MR. VENKATARAMAN.
Flat No. 15—MRS. J. A. PITRE.
Flat No. 16—MRS. P. M. BETTIGERI.
Flat No. 17—MRS. S. S. HALDANKAR
Flat No. 18—MR. A. KASTURI RANGAN.

Commercial No. 1—MESSRS BEST BOOKS PVT. LTD.
Commercial No. 2—MESSRS ARUN AGENCY.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying and being at Govandi Road Chembur in the registration sub-district of Bandra District Bombay Suburban (now Greater Bombay) being Plot No. 86 of the Suburban Scheme R. III Chembur containing by admeasurement 1156 sq. yds. or thereabouts and bounded as follows that is to any on or towards the North by plot No. 85 of the said scheme, on or towards the South by plot No. 87 of the said Scheme, on or towards the East by Plot No. 92 of the said Scheme and on or towards the West by 30 feet 2nd Road, which said plot is assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under H Ward No. 614.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 21-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. K.G.D.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY 400 002

Bombay-400 002, the 24th May 1976

Ref. No. ARI/1318-10/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. 344/10 Matunga Division situated at Bhau Dadaji Rd., Matunga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mavji K. Thakkar 2. Manilal K. Thakkar,
3. Govind K. Thakkar 4. Vasant K. Thakkar
and 5. Chandrikaben A. Bodani.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh H. Gandhi, 2. Smt. Pushpa Ramesh Gandhi.
(Transferee)

(3) List of Occupants :—

1. S. Rama Iyer.
2. M. S. Telang.
3. B. M. L. Moorthy,
4. Smt. Narmada H. Thakkar.
5. Smt. Savitriben Tulsidas.
6. Jitendra N. Mody.
7. Jethalal N. Bhasani.
8. Mulji V. Thakkar.
9. Jaminadas P. Thakkar.
10. Vasanji Velji Chheda.
11. Kamlesh Mavji Thakkar.
12. Jyotsna Mavji Thakkar.
13. Ramesh H. Gandhi.
14. Kamlesh Mavji Thakkar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of leasehold tenure with the messuages, tenements building or dwelling house standing thereon now known as 'Keshav Kun' situated at and being plot No. 128 (North of the side of Dadar Matunga Estate of the Municipal Corporation of the City of Bombay situated on Bhau Dadaji Road, Matunga, in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay, containing by admeasurement 630 sq. yds. or thereabouts Equivalent to 526.76 sq. mts. and registered in the books of the Collector of Land Revenue New Survey No. 819/ Cadastral Survey No. 334/10 of Matunga District Division, and in the Books of the Assessor Collector of Municipal Rates and Taxes under F Ward No. 7999 (3) old Street No. 1455B and near Street No. 12 and bounded as follows :— that is to say, on or towards the East of Bhau Dadaji Road, on or towards the West a Playground on or towards the North by plot No. 129 of the said Estate and or towards the South by Plot No. 127, of the said Estate.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 24-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

AYURVED HOSPITAL BUILDING

5TH FLOOR, NEAR CHARNI ROAD, STATION

BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 28th May 1976

Ref. No. ARI/1323-1/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. Amin the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS No. 733 (Pt) of Malabar & Cumballa Hill Divn. situated at Peddar Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri I. A. Makani, 2. Abdul Karim Ibrahim Abdul Makani, 3. Abdul Hamid Ibrahim Abdul A Makani, 4. Abdul Azis Ibrahim Abdullah Makani. (Transferor)
- (2) Makani Manor Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)

*List of the Members of the Makani
Manor Co-op. Hsg. Soc. Ltd.*

1. P. C. Mehta.
2. Dr. R. H. Parekh.
3. Mr. I. A. Makani.
4. Mr. Bhagwant Singh.
5. Mrs. Joan Peters.
6. Mr. V. P. Merchant.
7. Mr. Rashid Munshi.
8. Mr. Y. M. Alladin.
9. Mr. N. S. Dalla.
10. Mr. P. K. Suchde.

11. Mr. B. K. Suchde.
12. Mr. Bansilal Desai.
13. Mr. S. H. Kotak.
14. Mr. K. K. Rajda.
15. Mr. Farid Ahmed.
16. Mrs. Urmilla Kochar.
17. Mrs. Savita Parmar.
18. Mrs. Amita Jethwani.
19. Mrs. Rekha Jethwani.
20. Mr. K. H. Malani & Other.
21. Mr. G. I. Advani.
22. Mr. D. B. Sarkari.
23. Mrs. K. P. Devi.
24. Mrs. Usha Javeri.
25. Mrs. Jamuna Jethwani.
26. Mr. M. P. Chabiani.
27. Mrs. A. K. Khan.
28. Mrs. Leela Gopaladas.
29. Mrs. Ratna G. Gulrajani.
30. Mr. N. P. Kuka & Others.
31. Mrs. Sheila Kohili.
32. Mrs. Shahsi Kumari.
33. Mr. Bahadur Uttamsingh.
34. Mrs. Mahroo Gagrat.
35. Mr. V. Bharatsingji.
36. Mr. H. Ramchandra Singhji.
37. Feroza Begum Sultana.
38. Mr. S. C. Bose.
39. Mr. K. G. Solanki.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground or pension and Tax Tenure since redeemed situated at Peddar Road in the Registration District and Sub-District of Bombay and containing by admeasurement 1575sq. yards of thereabouts i.e. approximately 2481.54 sq. meters and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under old No. 701, Collector's New No. A/3184 Old Survey No. 81 and New Survey No. 2/7107 and Cadastral Survey No. 753 (part) of Malabar and Cumballa Hill Division in the Registration and sub-District of Bombay and in the Books of the Assessor & Collector of Municipal Taxes under B Ward No. 3483 Street No. 16, Peddar Road, Bombay and which piece or portion of land is bounded as under : that is to say, on or towards the East by Peddar Road, on or towards the West by property of Lalbhoy Ardeshir Sett, on or towards North by the property formerly of currimbhoy Ibrahim and on or towards the South by the property of Mitrakunj Co-operative Housing Society Ltd.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(3) As per annexure.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 SMT. K.G.D.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,
 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
 BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 28th May 1976

Ref. No. ARI/1353-31/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. Amin the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1B/295 Malabar & cumballa Hill Division situated at Walkeshwar Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

- (1) Shri Firoze N. Daroga & Associates. (Transferor)
- (2) Fionika Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

ANNEXURE		
Flat No.	Name of Member	Address
14, 15	Firoze N. Daroga	Fionika, 59B Walkeshwar Road, Bombay-6
13	Miss Banoo N. Daroga	—do—
12	Ramakrishna Heged	—do—
11	Surjit Singh & Co.	—do—
10	Dewanchand Mehta	—do—
9	Piroj N. Daroga	—do—
8	Sobha Singh Harbhajan Singh & Co.	—do—
7	Arvind V. Motasha	—do—
6B	Miss Trupti B. Patel	—do—
6A	Mrs Padma D. Gandhi	—do—
5	Kishor B. Jhaveri	—do—
4	Ratanchand L. Parikh	—do—
3	Yatindra Laxmidas	—do—
2B	Kumarpal N. Jhaveri	—do—
2A	Pervez H. Postwalla	—do—
1	Popatlal N. Shah	—do—
Ground Floor	Firoze N. Daroga & Associates	—do—
Bungalow	Mrs. Colleen M. Shah	—do—
Flat		

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the building known as 'Fionika' standing on the piece or parcel of land or ground situate lying and being at Walkeshwar Road, in the City Island, District and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement about 1520 sq. yds. or thereabouts equivalent to 1270.72 sq. metres or thereabout bearing part of Collector's Old No. 672, New No. B/3019, Old Survey No. 13, New Survey Nos. 4/7219 and 9711 and Cadastral Survey No. 1B/295 of Malabar and Cumballa Hills Division and bounded as follows: that is to say, on or towards the North by Walkeshwar Road, on or towards the South by the Foreshore Land, on or towards the West by the property bearing Cadastral Survey No. 7A/295 of Malabar & Cumballa Hill Division belonging to the Trustees and on or towards the East by the property known as Sobhag Mahal bearing Cadastral Survey No. C.S. No. 15/644 Malabar & Cumballa Hill Division

V. R. AMIN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD.

Bombay-400 002, the 28th May 1976

Ref. No. ARI/1357-35/Sept. 75.—Whereas, J. V. R. Amin, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 15/644 Malabar & Cumballa Hill Division situated at Forjet Street,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Pandya Enterprise 1. Vinod Jayshankar Pandya 2. Banharlal Jayshankar Pandya 3. Maniben Jayshankar Pandya.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

- (3) Sr. No. and Name of purchaser of flat & premises.
- 1. Dr. Ratan
- 2. Mrs. Mani R. Doctor
- 3. Mr. M. J. Pandya
- 4. Mr. B. L. Vyas
- 5. Mr. A. C. Noronha
- 6. Mrs. H. B. Shah
- 7. Mr. K. J. Shetty
- 8. Mr. A. R. Mane
- 9. Miss H. R. Kavarana
- 10. Mr. R. J. Shah
- 11. Mr. B. H. Maniar
- 12. Mr. Homi F. Irani
- 13. Mr. Kantilal Mehta
- 14. Mrs. C. M. Pandya
- 15. Mr. M. J. Pandya

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground with messuages, tenements or dwelling house, if any standing thereon situate lying and being at Forjet Street in the Registration Sub-District of Bombay in the City and Island of Bombay containing by admeasuring 529 sq. yds. i.e. 483 sq. metres and registered in the books of the Collector of Land Revenue under new Survey No. 1/7066-Cadastral Survey No. 15/644 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the books of the Collector of the Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 3393 (2A) and 3393(2B) and Street Nos. 8 and 8-A and bounded as follows : that is to say on or towards the East by Plot No. 18, on or towards the West by 40 feet Raghavji Road, towards North by Plot No. 17 and towards the South by Property of Rammiklal Manilal Shah and another.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Behram Namdar Murzban Irani.

(Transferor)

(2) Dinkar-Cooperative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NETAJI SUBHAS ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 020, the 28th May 1976

Ref No. AR-I/1361-39/Sept.75.—Whereas, I, V. R. Amin the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 823 (pt) Mahim Division off L.J. Rd. situated at Bhagaji Keer Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with chawl standing thereon situate, lying and being at Off Lady Jamshedji Road, admeasuring 1795 sq. yards i.e. 1500.62 sq. metres in the Registration Sub-District of Bombay in the city of Bombay and bearing Final Plot No. 486 of Town Planning Scheme, Bombay City No. III Mahim and Cadastral Survey No. 823 (part) of Mahim Division and Municipal "G" Ward No. 5812 (part) and Street No. 288 Pochakumbhar land and bounded as follows: this is to say on or towards the East by Final Plot No. 484 reserved as recreation ground in the said scheme, on or towards the West by Final plot No. 487 in the said Scheme reserved for School, on or towards the South by Paradise Road and on or towards the North by Final plot No. 485 of the said Scheme.

All that land hereditaments and premises lying and being at Bhagoji Keer Road, Off Lady Jamshedji Road admeasuring 1371 sq. yds. i.e. 1145.10 sq. metres being a portion of the land hereditaments and premises more particularly described in the First Schedule hereinabove written in the registration sub-district of Bombay and in the City of Bombay bearing Final plot No. 486-A of T.P.S. Bombay City No. III Mahim and bearing Cadastral Survey No. 823 (part of Mahim Division and Municipal 'G' Ward No. 5812 and Street No. 288 Pochakumbhar Street now known as Bhagoji Keer Road and bounded as follows: that is to say on or towards the East by plot No. 484 of the said Scheme reserved for recreation ground, on or towards the West by final plot No. 487 of the said Scheme reserved for school, on or towards the South by Pochakumbhar Street now known as Bhagoji Keer Road and on or towards the North by Plot No. 486B being the remaining portion of the land hereditaments and premises described in the First Schedule hereinabove written.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVED HOSPITAL BUILDING 5TH FLOOR
NEAR CHARNTI ROAD STATION

Bombay-400002, the 28th May 1976

Ref. No. ARI/1322-14/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C. S. No. 765 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Peddar Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jehangir Phirozshah Lentin.
(Transferor)

(2) Jehangir Lentin Estate Pvt. Ltd.
(Transferee)

MOUNT EMINANCE			
S. No.	Floor & Block No.	Name of Tenants	Per month Rent
1	Gr. Fl. 1 NW	M/s. Hindustan Lever	730
2	Gr. Fl. 2B	Chandrakant Mehta	125
3	Gr. 2 SW	Fali Bilmoria	300
4	1st 3 NW	M/s. Siemens India Ltd. (inclusive of all taxes)	1,000
5	1st 4 SW	Shri Virendra Patel	450
6	Garrage	Shri Virendra Patel	50
7	2ns 5 NW	M/s. Polish Ocean Lines	1,000
8	Garrage	M/s. Polish Ocean Lines	70
9	2nd 6 SW	Shri Dalin Parikh	400
10	3rd 7 NW	M/s. Ahana & Co.	440
11	3rd 8 SW	M/s. Advani Oerliken	750
12	2nd Storage Room	Shri Mirchandani	40
13	4th 9 NW	Shri Aniff Munjee (Rent inclusive of all taxes)	825
14	4th 10 SW	Shri Mansukh Kothari	490
15	5th 11 NW	Shri E. C. Unni	650
16	5th 12 SW	M/s. Voltas Ltd.	1,500
17	Gr. 1 Rm	Shri Jagannath Rao	40
18	Gr. 1 Rm+ bath	M/s. Singh	50
19	Gr. 1 Rm	Maruti Tapkal	15
20	Garrage	J. P. Lentin	50
21	1st 3rd & 4th Fl. Storage Rooms	J. P. Lentin	

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of Pension and Tax land or ground being sub-plot No. 11 the cess in respect of whereof payable to the Government has been redeemed abutting the private Passage 30 feet wide off Peddar Road in the City and Island of Bombay containing by admeasurement 1711.74 sq. yds, or 1431.01 sq. metres or thereabouts and forming part of a large piece of land (which is divided into 11 sub-plots) bearing New Survey No. part of 7095 and Cadastral Survey No. part of 3J/755 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'D' Ward No. 3535 Street No. 60 Navoroji Gamadia Road and bounded as follows that is to say on or towards the East partly by sub Plot No. 6 and partly by Sub-plot No. 5 on or towards the North by the premises belonging to the Estate of the late Mr. Jehangir N. Gamadia on or towards the West by Private passage or road 30 feet wide and on or towards the south by sub-plot No. 10.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sitaram Industries Ltd.

(Transferor)

(2) Veena Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD
Bombay-400002.

Bombay-400002, the 1st June 1976

Ref. No. ARI/1333-11/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 384 Mazagaon Division situated at 16, Hansraj Lane, Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—126GI/76

(3) LIST OF TENANTS

1. Electric Construction & Equipment Co. Ltd.
2. Jaswantlal Kantilal
3. Babulal Kantilal
4. Rajkumar Tuniram
5. Indian Looms & Weaving Machinery Mfg. Co.
6. Prakash Bagri
7. Vallabh Bagri

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land and ground hereditaments and premises together with buildings and structures standing thereon situate lying and being at 16 Hansraj Lane, Byculla, Bombay, in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 4620 sq. yds. equivalent at 3869 sq. metres or thereabouts according to Cadastral Survey Registrar but on actual measurement admeasuring about 2867 sq. yds. equivalent to 2397.10 sq. metres or thereabout bearing S. No. 1-A/3674 New Nos. 11826, 11837 and Hissa No. 839 and bearing Cadastral Survey No. 384 of Mazgaon Division and assessed by the Assessor and Collector of Bombay Municipal Corporation under 'E' Ward No. 4717(1), 4718(6), 4717(4) Street Nos. 16A and 16B and 16AB Hansraj Street and bounded as follows: i.e. to say on or towards the North by the property belonging to the Vendor bearing C. S. No. 1/384, on or towards the South partly by the Central Railway Line (formerly known as G.I.P. Railway lines) and partly by the property bearing C. S. No. 383, on or towards the West by Central Railway Line (formerly known as G.I.P. Railway Line) and on or towards the East by the property bearing C.S. 2/334 belonging to the said Subh-Sandesh Co-operative Housing Society Ltd.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shekhar Moreshwar Kirtikar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Shanoor Begum Gulam Mohuddin alias Papamia, 2. Smt. Kulsum Abdul Latif Shaikh, 3. Smt. Khairunissa Allaper Sheikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD,
Bombay-400002.

Bombay-400 002, the 1st June 1976

Ref. No. ARI/1354-32/Sept. 75.—Whereas, I, V. R. Amin the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 62/10 Matunga Division situated at Plot No. 62 (South) (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadar Matunga Estate, Bombay on 22-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NAME OF THE TENANTS

1. Dr. Mavalankar.
2. Mr. M. J. Wagle.
3. Mr. B. B. Patel.
4. Mr. Dhondu Laxman Kotre.
5. Mr. Ramtej Singh.
6. Mr. Roopnarayan.
7. Mr. G. D. Nerulkar.
8. Mr. Pinge.
9. Mr. V. R. Ingle.
10. Mr. S. M. Juwekar.
11. Mr. Tipnis.
12. Dr. Gole.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land containing an area of One Thousand two hundred and fifteen (1215) square yards or thereabouts situate on and being plot No. 62 (South) of Dadar Matunga Estate of the Corporation in the City Island and Sub-Registration District of Bombay bounded on the North East by a Road 30 feet in width, of the South East by Sir Bhalchandra Road 40 feet in width, and on the North East partly by Plot No. 53 of the said Estate leased to Simon Joseph Francis Fonseca and partly by Plot No. 78 of the said Estate agreed to be leased to Dattatraya Moreshwar Ranadive which piece of land bears new Survey No. 1152 (Part) and Cadastral Survey No 62/10 Matunga Division together with the buildings thereon consisting of main building parti of a ground floor and one upper floor only and an outbuilding of a ground floor only which said premises are now in the occupation of the lease or her under tenants and are assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 1st Wards Nos. 7244(1), 7222(2), Street Nos. 2-76A and 2.

V. R. AMIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Fakhruddin Mohamudali Lakdawala,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sayed Faqir Husein Ikram Husein, 2. Sayed Zaheer Husein Ikram Husein 3. Sayed Taoqeer Husein Ikram Husein.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD,
Bombay-400002.

Bombay-400 002, the 1st June 1976

Ref. No. ARI/1371-49/Sept.75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 20/644 of Malabar & Cumballa Division situated at Gowalia Tank Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of pension and tax land or ground (the cess whereof is redeemed) with the messuages, tenements or dwelling house standing thereon situate lying and being off Fort Street near the Gowalia Tank Road, outside the Fort in Bombay in the registration sub-District, District of Bombay City and Bombay Suburban in the Town and Island of Bombay containing by admeasurement 624 sq. yards equivalent to 520.74 square metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue, Bombay along with other land under New Nos. A/2290 and A/2319, New Survey No. 1/7066 Cadastral Survey No. 20/644 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes now under D Ward No. 3412 (2A) and Street No. 3 Raghavji Road and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property of Shrenik Himatilal Mehta bearing C.S. No. 161644, on or towards the West by the property of Jamnadas Prabhakar Shetti and another bearing C.S. No. 25/644, on or towards the North by a New Road leading from the Gowalia Tank Road to Road called Raghavji Road, and on or towards the South by the property bearing Cadastral Survey No. 2/644 (Part) of Malabar Hill Division and known as Queen's Mansion and all which premises are known by the name of "Bombay View".

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rustom Dhunjishaw Karani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDIK COLLEGE BUILDING,
NETAJI SUBHASH ROAD,
Bombay-400002.

Bombay-400 002, the 3rd June 1976

Ref. No. ARI/1347-25/Sept.75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 601/10 Matunga Division situated at
Jame Jamshed Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 18-9-1975

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rustom Dhunjishaw Karani.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Mrs. Abbas Myer Samuel, 2. Apsy Nariman Karani 3. Mrs. Armaity Rustom Tirondar.
(Transferee)(3) Tenants.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of Municipal leasehold land or ground with the messuages standing thereon situate lying and being at Jame Jamshed Road being Plot No. 780 of the Dadar Matunga Estate of the Municipality in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement 1693 sq. yards or thereabouts and registered in the books of the Collector of Bombay under New Survey No. 1/1109 part and Cadastral Survey No. 601/10 Matunga Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under F Ward No. 6832 (1, 1A, 1AB) Street Nos. 27, 27A, 28 and bounded on the North East partly by Plot No. 791 of the said Estate agreed to be leased to Rustomji P. Mehta and another and partly by Plot No. 781 of the said estate leased to Sir Cowasji Jhingir and others, on the South East by Mancherji Joshi Road and on the South West by Plot No. 779 of the said estate agreed to be leased to J. P. Daruwalla and on the North West by Jame Jamshed Road.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Nergesh Jal Engineer, 2. Nina Jal Engineer,
3. Ratan Jal Engineer.
(Transferor)

(2) Nariman Bldg., Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING
5TH FLOOR, ROOM NO. 504,
NETAJI SUBHASH ROAD,
CHARNI ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400 002, the 3rd June 1976

Ref. No. ARI/1310-2/Sept.75.—Whereas, I, V. R. Amin, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1752 of Fort Division situated at Queens Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) LIST OF TENANTS

1. Mr. B. D. Mirchandani & family.
2. Lt. Col. N. M. Dotiwala & family.
3. Mr. A. P. Patel & family.
4. Mr. Dayal D. Chanrai & family.
5. Mrs. Nergesh J. Engineer & family.
6. Mr. Ratan J. Engineer.
7. Mr. Homi B. Wadia & family.
8. Mrs. Avy S. Shroff & family.
9. Miss Nina J. Engineer.
10. Mr. & Mrs. R. K. Bunker & family.
11. Miss P. R. Mulla & family.
12. Mr. S. D. Shroff & family.
13. Mr. Mahomed Jagwet & family.
14. Mrs. Khatizan Jadwet & family.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground bearing Plot No. 136 in Block II of the Backbay Reclamation Estate of the then Government of Bombay now of the Government of Maharashtra situate, lying and being on the West side of Queens Road now known as Maharshi Karve Road, Opposite Cooperage, Bandstand, in the City, Island, District and Registration Sub-District of Bombay, containing by admeasurement 1463.18 Square Metres (i.e. 1750 Square Yards or thereabouts) and registered in the Books of the Collector of Land Revenue of Bombay under Rent Roll No. 10034 and Cadastral Survey No. 1752 of Fort Division together with the messuages, tenements, dwelling house and building standing thereon and known as "Nariman Building" and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under 'A' Ward Nos. 1315 (2B) and 1315 (2BB) and Street Nos. 162 and 162A, Queens Road, Bandstand, and which said premises are bounded by follows: that is to say, on or towards the NORTH by Plot No. 135 of the Backbay Reclamation Estates; on or towards the EAST by Plot No. 137 of the said Estate; on or towards the SOUTH by Queens Road and on or towards the WEST by Plot No. 139 of the said Estate.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri L. N. Vasudevan, Chartered Accountant,
329, Thambu Chetty Street, Madras-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 1st June 1976

Ref. No. IX/5/27/(SEPTEMBER)/1975-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 643 situated at ~~3~~ Avenue, Anna Nagar, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at MADRAS (Doc. No. 2663/75) on SEPTEMBER 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri V. Ramalingam, No. 217, Napier Road, Cuddalore, South Arcot District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground & 1415 Sq. ft. with building thereon at Plot No. 463, 3rd Avenue, Annanagar, Madras-40.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 1-6-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 23rd April 1976

C.R. No. 62/5000/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House bearing old No. 59, and present No. 5, (Yellappa Garden), 1st Cross, Swimmingpool Extension, Malleswaram, Bangalore-3, situated at Bangalore (Division No. 6), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2514/75-76 on 30-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati N. Jayalakshamma, D/o U. K. Narasanna of Holenarsipur, No. 5 (old No. 59), 1st Cross, Swimmingpool Extension, Malleswaram, Bangalore-3.
(Transferor)

(2) Shri H. R. Nagaraju, Veterinary Asst. Surgeon, S/o B. Ramachandra No. 5 (old No. 59), 1st Cross, Swimmingpool Extension, Malleswaram, Bangalore-3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2514/75-76, dated 30-10-1975]
House bearing old No. 59, and present No. 5, (Yellappa Garden), 1st Cross, Swimmingpool Extension, Malleswaram, Bangalore-3 (Division No. 6).

Site Area:—

East to West=39'.6'' }
North to South=33' } 1,300 Sq. ft.

Plinth:—

9.81 Squares.

Boundaries:—

East: House of Sri Puttaiah.

West: Remaining portion of the same No. belonging to the Vendor and passage of 8'.

North: House belonging to Smt. Kaveramma and Muniyappa and

South: House of Sri Krishnappa.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-4-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 27th April 1976

C.R. No. 62/5046/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property bearing Town Survey No. 225 and 222/c, Kasaba Bazar Village, 9th Ward, Jamma Masjid Road, Bunder, situated at Mangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head quarters Sub registrar, Mangalore. Document No. 757/75-76 on 17-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satishkumar, S/o Jamunadass Sait, represented by his G.P.O.A. holder Sri Chandrakanth, S/o Jamunadass Sait Jumma Masjid Road, Bunder, Mangalore. (Transferor)
- (2) Shrimati Sharifamma W/o M. Abdulla, Azeecuddin Road, Bangalore or Town Survey No. 225 and 222/c, J. M. Road, Bunder, Mangalore. (Transfree)
- (3) M/s A.M.A. Sons, Merchants and Commission Agents, J. M. Road, Bunder, Mangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 757/75-76 dated 17-10-1975]
The property bearing Town Survey Nos. 225 and 222/C, Kasaba Bazar Village, 9th Ward Jumma Masjid Road, Bunder, Mangalore-1.

Site Area :—4 Cents or 1904 Sq. ft.

Plinth :—Ground floor = 1525 Sq. ft. or 142 Sq. meters
First floor = 1307 Sq. ft. or 122 Sq. meters.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandrakanth, S/o Jamuna Dass Sait, Jumma Masjid Road, Bunder, Mangalore-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Abdul Rahim, S/o Mohamed, Near Kandathapalli, Mangalore-1. or Fruits and Vegetable merchants, No. 107, Central Market, Mangalore-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s Champaklal Brothers, Araca and Hill produce merchants, J. M. Road, Bunder, Mangalore-1.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-27, the 27th April 1976

C.R. No. 62/5047/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property bearing town Survey Nos. 230, 225, 222/c, 226, 227, 228 and 229 Kasaba Bazar Village, 9th Ward, Jumma Masjid Road, situated at Bunder, Mangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Head quarters Sub registrar, Mangalore, Doc. No. 756/75-76 on 17-10-1975,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 756/75-76, dated 17-10-1975]

The property bearing town Survey Nos. 230, 225, 222/C, 226, 227, 228 and 229, Kasaba Bazar Village, 9th Ward, Jumma Masjid Road, Bunder, Mangalore-1.

Site area :—54 Cents or 2564 Sq. ft. or 238 sq. metres.

Plinth :—2507 Sq. ft. or 233 sq. metres.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-4-1976

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shrimati M. B. Sharadamma, W/o Sri K. Marappa Reddy, No. 55, Nandidurga Road, Bangalore-46.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Bangalore-27, the 20th April 1976

C.R. No. 62/5085/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Corner site with premises bearing No. 56/3, Munimarappa Cross Road, situated at (Nandidurga Road), Civil Station, Bangalore. (Division No. 46), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub Registrar's Office Bombay on 3-9-1975 Gandhinagar, Bangalore. Document No. 2750/75-76 on 30-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 2750/75-76, dated 30-10-75]
Corner site with premises bearing No. 56/3, Munimarappa Cross Road, (Nandidurga Road), Civil Station, (Division No. 46), Bangalore.

Site Area:—

East to West : 50'
North to South : 80' } 4000 Sq. ft.

Boundaries:—

East : Private property of the Vendor
West : Road and premises No. 56/2, Munimarappa Cross Road,
North : Munimarappa Cross Road and
South : Premises No. 56, Nandidurga Road of the Vendor.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 20-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Banshidhara Gupta s/o Shri Padam Chander,
2. Shri Deepakdhar 3. Shri Dhirajdhar s/o Shri
Bandhida Gupta r/o 1, Underhill Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1181/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5864-5867 excluding shops at GF Nos. 5862, 5863, 5866, 5868, 5869, 5870, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Chotte Lal Ram Kishore 1277, Vakil Pura, Delhi-6.

(Transferee)

(3) 1. Shri Ram Parkash, 2. Shri Keshav Ram & Shri Shive Lal 3. Shri Tirath Ram Gyan Chand 4. Shri Maheshwar Dass 5. Shri Om Parkash 6. S/Shri Chotte Lal & Ram Kishore.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house constructed on a plot of land measuring 683.1/3 sq. yds constructed on plot No. 5864-5867 (excluding shops at ground floor Nos. 5862, 5863, 5866, 5868, 5869 & 5870) situated at Jogiwara, Nai Sarak, Delhi.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kedar Nath s/o L. Jiwan Mal r/o 33/16
Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1180/76-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33/14 situated at Shakti Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ramjidass Kathuria s/o Shri Amir Chand Kathuria r/o 1432, Gali Ganesh, Shora Kothi, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. 14 in Block 33 (No. 33/14) in Shakti Nagar (Roshanara Extension Scheme), Delhi measuring 111.2 sq. yds and bounded as under :—

North : Gali 15 ft.
South : Road 40 ft.
East : Gali 10 ft.
West : Plot No. 15

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1182/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/100th share of 65 to 85 situated at Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Raj Rani w/o Shri Kashturi Lal r/o 73, Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Sita Ram, r/o 61/2 Ramjas Road, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Sita Ram Kidar Nath 70-71, Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15/100th share in double storied house bearing Municipal No. 65 to 85 situated in Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi with the land measuring 6110 sq. Ft. under the said property and bounded as under:—

North : Road
South : Ahata, under possession of Chaman Lal etc.
East : Others property
West : Rasta Mandi Pan

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Shanker s/o Shri Kasturi Lal r/o 73 Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1183/76-77.—Whereas I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15/100th share in 65 to 85 situated at Chowk Qutab Road, Sadar, Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

(2) Shri Mangat Ram Dua s/o Shri Narain Dass r/o 53/50 Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15/100th share in double storied house bearing Municipal No. 65 to 85 situated in Chowk Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi with the land measuring 6110 sq. ft. under the said property and bounded as under :—

North : Road
South : Ahata, under possession of Chaman Lal etc.
East : Others property.
West : Rasta Mandi Pan

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. S/Shri Shafiqueudin, 2. Ishaq Ahmed, 3. Mohd. Ahmed, 4. Smt. Nargis Begum, 5. Smt. Sabri Begum r/o 3143, Vakil wali Gall, Kucha Pandit Lal Kua, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Mangalani Investment Pvt. Ltd. 87, Banarsi Dass Estate, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Goverdhan Dass & Sons, 2. Shri Brij Mohan Mehta.

[Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1184/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1890-91-92, situated at Near Haveli Jugal Kishore, Chandni Chowk, Delhi,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house constructed on a plot of land measuring 111 sq. yds. situated at No. 1890-91, 92 Near Haveli Jugal Kishore, Chandni Chowk, Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 20-5-1976

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1185/76-77.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Or. No. 121 to 124 in Block C situated at Ramesh Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Goverdhan Dass s/o Shri Ramji Das r/o 1890-91 Chandni Chowk, Delhi through his general attorney Shri Mulakh Raj Gupta s/o Tohli Ram r/o 124-C, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Hans Raj Gupta s/o Shri Tohli Ram Gupta r/o C-122, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri C. L. Sudhakar, 2. Shri Mulkh Raj, 3. H. R. Gupta.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 121, 122, 123, 124 in Block C constructed on a lease-hold plot of land measuring 251.332 sq. yds situated at Ramesh Nagar (Double Storey Qrs) New Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dev Raj s/o Shri Lahori Lal r/o 2541, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1186/76-77.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. III/2841 situated at Ashok Gali, Mori Gate, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated—in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—126GI/76

(2) Shri Sarve Kirti Kumar s/o Shri Om Parkash r/o 17/2 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house constructed on a free-hold plot of land measuring 125 sq. yds. situated at No. III/2841, Ashok Gali, Mori Gate, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. III/2840
South : Property No. III/2842
East : Property No. III/3092
West : Gali

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 20th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1187/76-77.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. IV/552 to 554 situated at Esplanade Road, Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sarvadeshik Arya Pratinidhi Sabha (also known as International Aryan League) at Maharishi Dayanand Bhawan, Opp. Ram Lila Ground, Asaf Ali Road, New Delhi-1, through its President,

(Transferor)

(2) Shri Babu Ram Gupta s/o L. Ranjit Singh r/o IV/554 Esplanade Road, Delhi-6, 2. Surinder Kumar, 3. Lalit Kumar, 4. Anil Kumar Gupta sons of Shri Ram Kanwar, r/o IV/552 Esplanade Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house constructed on a plot of land measuring 175 sq. yds situated at IV/552-554, Esplanade Road, Delhi-6, and bounded as under :—

North : Municipal Lane
South : Property No. 556 and 557
East : Esplanade Road
West : Municipal Lane

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 28th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1188/76-77.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of property No. 1711, situated at Nahar Sadat Khan, Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahadeo Prasad Bagla s/o Shri Rai Bahadur Seth Kanhyalal r/o 5-H New Road, Alipore, Calcutta; 2. Shri Shri Krishna Bagla; 3. Shri Shri Ram Bagla both sons of L. Hanuman Prasad Bagla r/o 2-B Rolandsay Road Calcutta and 5-K New Road, Alipore, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Narendra Nath Gupta s/o Shri Jawahar Lal Gupta r/o 1711, Nahar Sadat Khan, Delhi-6.

(Transferee)

(3) Shri Mool Chand Jain, Surender Kumar Gupta, [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person transferred in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 1711 Nahar Sadat Khan, Delhi-6 consisting of three rooms on the first floor, a kitchen, bath & tin shed, barsati on the 2nd floor and a shop on the Ground floor.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Saraswati Devi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kumari Rajeshwari Goel & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 90-R/Acq.—Whereas, I, F. Rehman, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37/46 situated at Birdapur, Varanasi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 37/46 Birdapur Varanasi.

F. REHMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-6-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kamla Bai w/o Dayal Das, Resident of Tilak Dwar, Mathura.
(Transferor)

(2) Bombay Bushan Press, Churiwali Gali, Mathura, through partners Sri Suraj Bhan Bharatia &/o Dwarika Prasad, Jagdish Prasad, Hari Babu and Ram Prasad Bharatia sons of Suraj Bhan Bharatia, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th April 1976

Ref. No. 912/Acq/Mathura/75-76/54.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 24-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 3467 sq. yds., situated at Mauza Jaisinghpura, Distt. Mathura, transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th April 1976

Ref. No. 476/Acq/Kanpur/75-76/84.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sardar Gurumukh Singh s/o Sardar Ram Singh, R/o 122/219, Factory Area, Sarojini Nagar, Kanpur. (Transferee)

(2) Shrimati Mahendra Kaur, w/o Sardar Balwant Singh, R/o 111A/146, Ashok Nagar, Present 122/219, Sarojini Nagar, Factory Area, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property No. 122/219, Factory Area, Sarojini Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9.4.1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Faizeh Chand Dewan S/o Dewan Assanand
R/o Dev Nagar, C.M.S. Compound, Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Krishan Lal Gupta, 2. Balwant Rai S/o Sri
L. Raja Ram, Dev Nagar, C.M.S. Compound,
Meerut City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th April 1976

Ref. No. 983/Acq/Meerut/75-76/138.—Whereas, I, Vijay Bhargava,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Meerut on 30-10-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 154, single
storeyed, situated at Dev Nagar, C.M.S. Compound, Meerut
City, area measuring 588 sq. yds. transferred for an apparent
consideration of Rs. 98,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Madhuru Mamgain, R/o 70, Lytton Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. S. K. Gupta, R/o 1-A, Race Course Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th April 1976

Ref. No. 962/Acq/Dehradun/75-76/139.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

Immovable property consisting of house property known as ETTA COTTAGE situated at 70, Subash Road (Lytton Road), Dehradun, built on land measuring 1 Bigha 11 Biswas and 10 Biswansi, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Singh and Shri Tej Singh, sons of Bhola Singh, R/o Yahiapur, Hathras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1976

Ref. No. 921/Acq/Hathras/75-76/140.—Whereas, I Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 6-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
21—126GI/76

(2) State Bank of India Employees Cooperative Housing Society Limited, Hathras, through Sri Om Prakash Agrawal, Secretary, Jagan Nath, President and Ved Prakash Singh, Joint Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot of land measuring 9603 sq. yds. situated at Village Yahiapur, Hathras, transferred for an apparent consideration of Rs. 93,751/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-4-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harichand s/o Shri Laddharam, resident of H. No. 114, Afganan Mohalla, Delhi Gate, Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th April 1976

Ref. No. 885-A/Acq/Ghaziabad/75-76/312.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Ved Prakash s/o Ram Kishan Das, resident of H. No. 34, Mohalla Rogan Gram, Delhi Gate Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of three storeyed house bearing Municipal No. 114, land area measuring 120 sq. yds. situated at Afganan Mohalla, Delhi Gate, Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-4-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Maharani Widow w/o Th. Mulayam Singh
R/o Vasi Village Okhara Teh. Ferozabad P.O.
Okhara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th May 1976

Ref. F. No. 904-A/Acq.Ferozabad/75-76/563.—Whereas, I, Vijay Bhargava, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 20-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Sri Nahar Singh, 2. Veerendra Pal Singh, 3. Gajendra Pal Singh and 4. Hakim Singh; sons of Bhoop Singh 5. Sri Pushpendra Pal Singh s/o Bahadur Singh 6. Smt. Rama Devi w/o Dhanpal Singh R/o Village Parichatpur Mauza Ratauli Teh. Ferozabad P.O. Narkhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring about Khata No. 90 Khasra No. 3 and 6 Kita 2 Rakba 20-3-11 Lagani 28—15 Paise ka $\frac{1}{4}$ part situated at Village Mauza Okhara, Ferozabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-5-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th January 1976

Ref. No. 740/Acq/Kanpur/75-76/2582.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Dr. K. P. Bhargava, 2. Shri Shyam Bhargava, 3. Shri Gopal Bhargava, 4. Smt. Padma Bhargava, 5. Smt. Urmila Bhargava and 6. Smt. Diplika Bhargava, All Residents of 9, Shanmina Road, Lucknow.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chandmal Agarwal, 2. Shri Mohan Lal Agarwal, Residents of 113/48-49, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Eastern half portion of premises No. 113/48 and 113/49, situated at Swaroop Nagar, Kanpur, built on half portion of plot Nos. 49 and 50, Block 'C', Scheme No. VII, Gutalya, Kanpur, measuring 625 sq. yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Dr. K. P. Bhargava, 2. Shyam Bhargava, 3. Gopal Bhargava, 4. Smt. Padma Bhargava 5. Smt. Urmila Bhargava, 6. Smt. Dipalika Bhargava, All residents of 9, Shahmina Road, Lucknow.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th January 1976

Ref. No. 739/Acq/Kanpur/75-76/2584.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 20-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Chandmal Agarwal, 2. Mohan Lal Agarwal, R/s 113/48 and 133/49, Swaroop Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Western half portion of Premises No. 113/48 and 113/49, Swaroop Nagar, Kanpur built on half portion of Plot Nos. 49 and 50 of Block 'C', Scheme No. VII, Gutaiya, Kanpur, measuring 625 sq. yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-1-1976
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Karnail Singh, s/o Shri Partap Singh, R/o Agwar Gujran, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. JGR/1185/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 30 kanal and 8 marla, situated at Village Agwar Gujran, Tehsil Jagraon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in October 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

(2) (i) Kulwant Singh,
(ii) Kuldeep Singh,
(iii) Gurcharan Singh,
(v) Lakhbir Singh,
(iv) Paramjit Singh,

R/o Agwar Gujran, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanal and 8 marlas, situated at Village Agwar Gujran, Tehsil Jagraon, District Ludhiana.
Khata No. 1226/1297,
Rect. No. 54.
Killa No. 11-12/1, 19/2-20-21-22/1-27 Jamabandi year 1969-70.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3528 of October, 1975 of the Registering Officer, Jagraon.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11th May 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Karnal Kaithal Cooperatives Transport Society Ltd. through Baba Gian Singh, s/o Baba Nanak Singh, Director, Karnal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harprit Singh Malik, s/o Shri Inderjit Singh Malik, 190/C, Model Town, Karnal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th May 1976

Ref No. KNL/1667/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property consisting of a portion of a building on Plot No. 5, Randhi Lane, situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of a portion of a building on plot No. 5, Randhir Lane, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4390 of October, 1975 of the Registering Officer, Karnal.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12th May 1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9—B

Chandigarh, the 12th May 1976

Ref. No. CHD/1433/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 559, Sector 8-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Mrs. Daropdi Devi Grover, wd/o Late S. Gurmukh Singh Grover, (ii) Shri Ravinder Singh, s/o late S. Gurmukh Singh Grover, (iii) Shri Harji Singh Grover, s/o Late S. Gurmukh Singh Grover, (iv) Mrs. Kamla Sunder Singh Saluja d/o Late S. Gurmukh Singh Grover, (v) Mrs. Ramola Kakkar, d/o Late S. Gurmukh Singh Grover, House No. 559, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Kashmire Lal Mehta, s/o Shri Karam Chand Mehta, (ii) Mrs. Kaushalina Devi Mehta, w/o Shri Kashmire Lal Mehta, Residents of House No. 559, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 559, Sector 8-B, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12th May 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Din Dayal, s/o Shri Rikhi Ram, R/o Rajbaba Road, Lehal (Patiala).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th May 1976

Ref. No. PTA/1389/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. B-2/1104, Lehal Colony, Rajbaba Road, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Gurbax Singh, s/o Shri Attar Singh, R/o Village Bartana, Sub Tehsil Dera Bassi, District Patiala. Now at H. No. B-2/1104, Rajbaba Road, Lehal Colony, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. B-2/1104, situated in Lehal Colony, Rajbaba Road, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3047 of October, 1975 of the Registering Officer, Patiala).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—126GI/76

Date : 12th May 1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Lt. Col. D. Bhatia, s/o Late Shri Devi Ditta Mal,
R/o House No. S-96 Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. CHD/1429/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 34, Sector 4, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Harmeet Singh Mamik, s/o S. Bhagwant Singh Resident of House No. 230, Sector 9-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 34, Sector 4, Chandigarh.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11th May 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Shri
 (1) (i) Murari Lal, s/o Mewa Lal,
 (ii) Ved Parkash,
 (iii) Balbir Kumar,
 (iv) Sia Ram, s/o Murari Lal,
 Residents of House No. 29, Mohalla No. 7, Jullundur Cantt.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th May 1976

S/Shri
 (2) (i) Banwari Lal,
 (ii) Amar Lal,
 (iii) Jagdish Rai,
 Residents of 100-Grain Market, Chandigarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CHD/1431/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 53, Sector 26, Grain Market, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-flat No. 53, Sector 26, Grain Market, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11th May 1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Amar Singh, s/o Shri Sohan Singh, Resident of Village Sunet, Tehsil and District Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. LDH/C/1546/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 80-K, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Gurbachan Kaur, w/o Shri Harnam Singh, Resident of Dasmesh Market Patna City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 80-K, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5400 of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11th May 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Joginder Singh, s/o Shri Diwan Singh, Vikas Nagar, Ludhiana, Through Shri Prem Kumar, s/o Shri Bhagat Ram, Ludhiana.
(Transferor)

(2) Shri Devinder Singh, s/o Shri Randhir Singh, Resident of Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 12th May 1976

Ref No. LDH/C/1714/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 32-K, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32-K, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6409 of December, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 12th May 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. CHD/1675/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 102 (Old No. 11, Street 'C'), Sector 28-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lachhman Singh, s/o Shri Daulat Singh, Resident of Kalka, District Ambala through his son and general attorney Shri Bhagat Singh, R/o House No. 540, Sector 10-D, Chandigarh,

(Transferor)

(a) (i) Shri Devinder Kumar Chadha, (ii) Shri Joginder Kumar Chadha, sons of Shri R. L. Chadha, r/o House No. 2775, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 102, (Old No. 11, Street 'C'), Sector 28-A Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1194 of February, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11th May 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Karabara, Tehsil and District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th May 1976

Ref. No. LDH/C/1541/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, 8 Kanals, situated at Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. New India Colonisers (Regd.), 55, Bhadaur House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan, s/o Shri Devi Saran, Resident of B-4/1760, Mohalla Chhian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 kanals, situated at Karabara, Tehsil and District Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5258 of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th May 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Narinder Kaur, D/o Shri Lachhman Singh, Resident of Dakhan Mandi, District Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th May 1976

Ref. No. LDH/C/1542/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, measuring 2 bighas, (Pukhta) situated at Village Taraf Gahlewal, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Beyant Cold Store, Ludhiana through Shri Har Partap Singh, s/o Shri Harcharan Singh, Resident of Beyant Niwas, Raja Sansi Road, Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 2 bighas (Pukhta), situated at Taraf Gahlewal, Tehsil Ludhiana.
Khasra No. 842/342, 841/341, 845/342, 843/342, 844/342, Khewat No. 512, Khatauni No. 582 with Jamabandi No. 1973-74.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5284 of October, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th May 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th May 1976

Rcf. No. CHD/1378/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in Plot No. 40-41, Sector 17-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

23—126GI/76

(1) (i) Shri R. S. Anand, (Rajinder Singh Anand), s/o Rai Sahib Kabul Singh (ii) Shri Inderpal Singh Anand, s/o Shri R. S. Anand, Residents of 22, Mahadev Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sarvashri (i) Hardit Singh Bassi, s/o Harnam Singh Bassi, (ii) Harbhajan Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, (iii) Hindraj Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, (iv) Bharat Pal Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, Residents of Village & Post Office Bir Bassian, District Jullundur.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 40-41, Sector 17-A, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 19th May 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Nirmal Mohindra, w/o Lt. Commandar T. S. Mohindra, R/o 1/22, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th May 1976

Ref. No. CHD/1381/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 40-41, (1/2 share), Sector 17-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) (i) Shri Hardit Singh Bassi, s/o Harnam Singh Bassi, (ii) Shri Harbhajan Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, (iii) Shri Hindraj Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, (iv) Shri Bharat Pal Singh Bassi, s/o Hardit Singh Bassi, Residents of Village & Post Office Bir Bassian, District Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/2 share in Plot No. 40-41, Sector 17-A, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19th May 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramji Dass, s/o Shri Chartu Mal, Sangatpura
Khewatdar, Hussainpura, Tehsil Sirhind.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th May 1976

Ref. No. SRD/1952/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 58 kanal and 13 marlas, situated at Village Hussainpura, Tehsil Sirhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in October, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Sarvashri (i) Sonhan Lal, (iii) Kesar Chand, (ii) Mohan Lal, (iv) Ashok Kumar, (v) Mithan Lal, s/o Ramji Dass, Residents of Sangatpura, Tehsil Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land situated at Village Hussainpura, Tehsil Sirhind. (Measuring 58 kanal and 13 marlas).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2047 of October, 1975 of the Registering Officer, Sirhind.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1976

Ref. No. A-120/TSK/75-76/4239-46.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per scheduled below situated at Hijuguri, Tinsukia (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 27th October 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(1) 1. Shanti Ranjan Bhattacharjee, 2. Saktibrata Bhattacharjee, 3. Subir Bhattacharjee, Sons of Late H. P. Debi w/o. Late Bhupendra Nath Bhattacharjee, Durgabari Tinsukia.
(Transferor)

(2) Shri Iswar Prasad Jalan, S/o Shri M. P. Jalan Hijuguri, Tinsukia.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1B. 2K, 8Ls bearing periodic patta No. 21 (old/44) (New) Dag No. 124 (old)/88, 89, 90 and 91 (new) of Hijuguri Tinsukia Mouza.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-2-76
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Zoomermal Daga s/o Late Sujanmal, 2. Shri Surendra Kumar Daga s/o Zoomermal, R/o Budhpara, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nazirurrehman, 2. Smt. Qumer Jahan Begum, 3. Shakeel Ahmad s/o Habeeb Ahmed, 4. Habeeb Ahmed s/o Kazi Mohd. Farukh, 5. Sireen Banu (minor) d/o Habeeb Ahmed R/o Budhpara, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 2nd April 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/603.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 33 & 34 bearing Kh. No. 911 sheet No. 40, situated in Municipal ward Satta Bazar, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 29-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 33 & 34 bearing Kh. No. 911 sheet No. 40, situated in municipal ward Satta Bazar, Raipur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2-4-76

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/76-77/633.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property consisting of plot of land, situated at No. 47, Sitlamata Bazar, Indore situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shyamal S/o Hiranand, R/o 167 Jairampur Colony, Indore.
2. Shri Suresh Kumar (Minor) S/o Shri Gordhanlalji R/o 183 Vidhya Nagar, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vishandas s/o Udhavdas Ahuja R/o 24-B Rang Mahal Hukumchand Marg, Indore. 2. Shri Rameshchand s/o Shri Rajmal Jati R/o 1/27 Nihalpura, Indore. 3. Smt. Kamla Bai W/o Mangilalji Rajpoor R/o 11, Sitlamata Bazar, Indore. 4. Shri Rameshchand S/o Laxmandasji R/o 85, Hukumchand Marg, Raug Mahal, Indore. 5. Shri Mahendra Kumar S/o Motilalji Jain, R/o Nihalpura, Indore. 6. Shri Nideschandra S/o Ramchandrajit Porwal, R/o 92, Lodhipura No. 1, Indore. 7. Shrimati Saraswati Bai W/o Udhavdasji R/o 85, Hukumchand Marg, Rang Mahal, Indore. 8. Shri Kailash Kumar S/o Shri Udhavdasji R/o 85, Hukumchand Marg, Rang Mahal, Indore. 9. Shri Mukesh Kumar S/o Paramalji R/o 57/2, Rajsava Gram, Chhatri Bagh, Indore. 10. Shri Ashok Kumar S/o Ramkisan R/o 135, Silayatpura, Indore. 11. Smt. Nirmala Bai W/o Thakurdasji R/o 14, Rang Mahal Marg, Indore. 12. Smt. Kaishli Bai W/o Dayaramji R/o 124, Rajmohalla, Indore. 13. Shri Rameshchandra S/o Gordhandasji R/o 40/5, Malhar Ganj, Indore. 14. Shri Omparkash S/o Maghandasji R/o 107, Katju Colony, Indore. 15. Smt. Ramdevi S/o Ubdhavdasji, R/o Rang Mahal, Hukumchand Marg, Indore. 16. Smt. Rampyari Bai W/o Ramnivasji R/o 1/11, Lodhipura, Indore. 17. Shri Shyanlal S/o Motumal R/o 22, Yashwant Road, Indore. 18. Smt. Sohan Bai W/o Mulchandji R/o 68, Juni Kasera Bakhali, Indore. 19. Shri Mohanlal R/o 48, Pardeshpura, Indore. 20. Smt. Bhagwanti Bai W/o Shri Lakhmichandji R/o 20, Rang Mahal, Hukumchand Marg, Indore. 21. Shri Ashok Kumar S/o Mohanlalji R/o 49 Ahliapura, Indore. 22. Shri Rameshchand S/o Shri Deepchand R/o 97, Marathi Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of plot of land, situated at No. 47, Sitlamata Bazar, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Bernard S/o Shri G. V. Barnard R/o 372, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjhi Bazar Nirman Samiti through its office bearer, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/636/—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Piece of land area 54041 Sft. A part of Khasra No. 40/1 situated at Village : Karondi Teh : & Distt. Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in 6-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land area 54041 Sft. a part of Khasra No. 40/1 situated at Village; Karondi Teh. & Distt. Jabalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajbahadursingh S/o Shri Rajkumar Singhji,
R/o. Indore Bhawan Tukaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. 1. Shri Devendra Kumar S/o Shri Daryavatl Pahwa,
2. Shri Satish Kumar S/o Shri Daryavatl Pahwa,
3. Smt. Laxmibai Babra & others.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal the 10th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/637.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot No. 19 Kanchand Bagh Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th October, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 19, Kanchan Bagh Colony, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/638.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot No. 4, Sanghi Colony, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) 1. M/s. Jawahar Mal & Sons, 2. Partner Smt. Manak Bai 3. Smt. Usha W/o Shri H. L. Parek, 4. Shri Chotelal S/o Shri Jawaharlal Parek all residents of 1/3 New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Chotelalji S/o Shri Jawahar Mal 1/3, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 4, Sanghi Colony, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—126GI/76

Date : 10-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramgopal Agarwal S/o Kanhaiyalal Agarwal
Katra, Sagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pamandas S/o Kewalram Sindhi C/o M/s. Mayaram & Company, Gujarati Bazar, Katra, Sagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 19th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BHOPAL/76-77.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of House No. 108 in Katra, Sagar situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 20-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Half portion of house No. 108 in Katra, Sagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Umrao Bai W/o Shri Manakchandji Tongya,
R/o 6/2 Palasiya, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Ratanlal S/o Mangilal, 2. Shri Rajkumar S/o Ratanlal, 3. Shri Jitendrakumar, 4. Shri Dilipkumar, 5. Shri Lalitkumar S/o Shri Rajkumari Kala, 6. Smt. Hemlatadevi W/o Shri Rajkumar Kala, 7. Smt. Meenadovi W/o Jitendrakumar Kala, R/o Imli Bazar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 26th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/649.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing open plot No. (5, Old) and new No. 20/1, Mahajan Ward, Palasiya, Bombay Agra Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 1-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. (5, Old) and new No. 20/1 Mahajan Ward, Palasiya, Bombay-Agra Road, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 26-5-1976.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Srinivas S/o Seth Sitaramji Ladha, R/o Balvat Bheru-ki-Gali, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ranchodlal S/o Shri Kanhaiyalalji, Businessman R/o Gola Mandi, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 26th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/650.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal House No. 4/1601/1 at Mirza Naimbeg Marg, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 27-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 4/1601/1 at Mirza Naimbeg Marg, Ujjain.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kalooprasad S/o Shri Hiralalji R/o House 24, Bairathi Colony Number I, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Takarh Das S/o Shri Photaramji Sindhi, R/o Rajmohalla House No. 16/2, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 26th May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/651.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 30 and house at Bairathi colony No. 1, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Indore on 30-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 30 and house at Bairathi Colony No. 1, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Princess Usha Trust & Devi Ahilya Bai Holkar Educational Trust, Manikbagh, Indore.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 28th May 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77/652.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property known as Phooti Kothi, Sukhnivas Road, Indore situated at Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Sarwajan Kalyan Samitee Dwarikapuri, Indore through its members 1. Shri Ramswarup Shukla, Dayal, 2. Shri Gaurishankar Bajpai President, 3. Shri Sandkumar Modi Vice President, 4. Shri Upendra Shukla, Secretary, 5. Shri Sugandhendra Agarwal Joint Secretary, 6. Shri Subash Chandra Patodi Accountant, 7. Shri Pradipkumar Pahadia Member, 8. Shri Prem Swarup Khandelwal Member and 9. Shri Balkrishna Sharma Member all R/o 16, Imali Bazar, Indore.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property known as Phooti Kothi, Sukhnivas Road, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 28-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Babulal S/o Gopilal Neema, 1,66m Jawahar-marg, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-777/653.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal House No. 22, Pipli Bazar, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 22, Pipli Bazar, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shyam Bihari S/o Shri Pyarelal Jaiswal Deshera Ma'dan, Ujjain.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malhar Rao (2) Balkrishan S/o Shri Nana-saheb Maratha, Sardarpura, Ujjain.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st May 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/654.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 5, Ward No. 1/153, Laxmi Bai Marg, Gali No. 3, Sardarpura, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 31-10-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5, Ward No. 1/153, Laxmi Bai Marg, Gali No. 3, Sardarpura, Ujjain.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

Date : 31-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shivkumar S/o Shri Kondaji Rao Matkar, 37, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kshatriya Dhangar Sewa Sangh, Prince Yeshwant Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st May 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/655.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House No. 104, Pandharinath Path, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 104, Pandharinath Path, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

25—126GI/76

Date : 31-5-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (a) Shri Arvind Raghavendra Purandare,
 (b) Shri Madhav Raghavendra Purandare,
 (c) Shri Sunil Madhav Purandare,
 (d) Shri Amol Madhav Purandare,
 (e) Shri Krishna Raghavendra Purandare,
 (f) Shri Anirudha Shrikrishna Purandare,
 all residing at 1317/2, Kasba peth, Poona-11.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Harihar Pandit,
 'Ashiyana' Law College Road, Poona-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
 ROAD, POONA

Poona-411004, the 3rd March 1976

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/October'75/273/75-76.—Whereas, I, H. S. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 431/196, S. No. 718, F.P. No. 37, situated at Shukrawar Peth, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 25-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) C.T.S. No. 431/196, whose S. No. 718 Munjeri, whose final plot No. is 37, Sukhrawar peth, Poona 2, measuring 3448.838 Sq. Mtrs.

(b) Open plot of area 2.787 sq. mtrs out of S. No. 718, Munjeri, whose C.T.S. No. is 430 (old) Shukrawar peth, whose final plot No. is 718 T.P. Scheme No. 3—Freehold, (property as described in the sale deed registered under No. 2247 dated 25-10-1975 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 3-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lavino Kapur Private Ltd.,
501 D/E, Niranjan, Subhash Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA

Poona-411004, the 10th March 1976

Ref. No. C.A.S/Bombay(Thana) /October'75/274/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 29 (part), situated at Panchpakhadi, Thana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Bombay on 18-10-75
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(2) M/s. Rainbow Textile Processors Pvt. Ltd.,
3 G Thacker Industrial Estate
N. M. Joshi Marg,
Bombay-400001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground containing by
admeasurement 4869 sq. yds. (i.e., 4070.484 sq. metres) or
thereabouts being part of larger piece of land admeasuring
about 19,200 sq. yds (i.e., 16051.200 sq. metres) or there-
abouts bearing Survey No. 29 (part) situate at Panchpakhadi
within the limits of Thana Municipality in the Registration
Sub-District and District of Thana which piece of land is
bounded on the East by the property of the Vendor on the
West by Agra Road on the North partly by property bearing
Survey No. 30 of Arian Chemicals and partly by property
bearing S. No. 28 and on the south by the property of the
Vendor.

(property as described in the sale deed registered under No.
556 of October, 75 in the office of Sub Registrar, Bombay).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-3-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lavino Kapur Private Ltd.,
501 D/E Niranjan, Subhash Road,
Bombay-400002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

(2) M/s Rainbow Textile Processors Pvt. Ltd.,
3 G Thacker Industrial Estate,
N. M. Joshi Marg,
Bombay-400011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Poona-411004, the 10th March 1976

Ref. No. C.A./Bombay/Poona/October'75/275/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 29 (part) situated at Panchpakhadi, Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Bombay on 18-10-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

All that piece or parcel of land or ground containing by admeasurement 2824 sq. yds equal to 2362.74 sq. metres or thereabouts being part of larger piece of land admeasuring about 19,200 sq. yards equal to 16,051.200 sq. metres or thereabouts bearing Survey No. 29 (part) situated at Panchpakhadi (within the limits of Thana Municipality in the Registration Sub District and District of Thana) which piece of land is bounded on the East partly by the property belonging to Chhaganbhai Dhamji and others and partly by Saligrani G. Khanna, on the West by other property of the purchaser, on the North by property bearing Survey No. 28 and on the South by the property of the Vendors.

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1976.
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Sanghavi Zaveri,
318/79, Chaturshingi Road, Poona-16.
(Transferor)

(2) Sparten Enclave Co-operative Housing Society
Chairman : Smt. Mrs. Chandrika J. Bhutta,
S. No. 247/14B/15, Yeravada, Poona-6.
(Transferee)

(3) 1. Maj. R. J. Thomas & Mrs. Alice Thomas
2. Dr. P. M. Kalyani
3. Maj. S. N. Bakshi (Retd.)
4. Mrs. Chandrika J. Bhutta
5. Mrs. K. Venugopal
6. Mrs. L. B. Vibhute
7. Mrs. S. S. Pradhan
8. Mr. P. K. Datta
9. Mr. P. N. Sanghavi
10. Mrs. Girajaben H. Mehta
11. Mr. K. S. Menon
12. Mrs. Kudabai Balchandar Thakar
13. Mr. D. K. Shetye
14. Miss. Rosan Renty
15. Mrs. Motiben S. Patel.
all residing at 247/14B/15 Yeravada, Poona-16.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 10th May 1976

Ref. No. C.A.5/October'75/Haveli-II(Poona)/285/76-77.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immoveable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 247/14B/15, S. No. 247/14B/16 situated at Yeravada,
Poona
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under
the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Haveli-II (Poona) on 20-10-1975
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land S. No. 247/14B/15, Yeravada—Area: 7860
sq. ft.

S. No. 247/14B/16, Yeravada—Area: 8640 sq. ft.
alongwith building built in 1969-70.

Ground floor: 4656 sq. ft.
first floor: 4656 sq. ft.
Second floor: 4656 sq. ft.

(property as mentioned in the Regd. deed no. 2282 of October, 75 of the Registering Authority, Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 10-5-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramanlal Amratlal Parikh, Uday Park Society, Baroda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendrakumar Jayantilal Trivedi, Azad Society, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-38009, the 1st April 1976

Ref. No. Acq. 23-1-721(310)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 82 and 83, T.P.S. No. 21 Final Plot No. 227 S. P. No. 206, 207, 210 & 211 of Azad Society, situated at Vastrapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 82 and 83, T.P.S. No. 21, Final Plot No. 227, Sub-plot No. 206, 207, 210, 211 of Azad Society and admeasuring 841 sq. yards and situated at Vastrapur, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 1-4-1976

Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ajit Mills Ltd., Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kalpana Industrial Estate Members' Association, "Sahyog", Opposite Dinhai Tower, Lal Darwaja, Ahmedabad (through Shri Nandal Girdharlal Swami,)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
 HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th April 1976

No. Acq. 23-I-847(318)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 339/1/2, F.P. No. 83-B-4 TPS 10 situated at Rakhial, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2816 sq. yards and bearing Survey No. 339/1/2, Final Plot No. 83-B-4 of T.P. Scheme No. 10 and situated at Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 7-4-1976

Seal :

FORM ITNS

1.(1) Dbuliben widow of Somabhai Nagardas, (2) Shakriben daughter of Somabhai Nagardas, residing at Nani Khadki Saijpur Bogha, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1976

Ref. No. Acq. 23-I-836(348)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 172/1 & 172/2 situated at Saijpur Bogha, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Jayanand Co-op. Housing Society Ltd., 10, Ambika Society, Jawahar Chowk, Maninagar, Ahmedabad through—
Chairman : Shri Jayantilal Himatilal Shah
Secretary : Shri Indravadan S. Shah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 17314.78 sq. yards bearing S. No. 172/1 & 172/2 and situated at Saijpur Bogha, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-4-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Sumanbhai Prahladbhai Patel,
(2) Dineshbhai Phahladbhai Patel,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant Ambalal Chokshi, & Others, near
Memnagar Pumping Station, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1976

No. Acq. 23-I-834(349)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 396 S.P. No. 4, TPS No. 19 situated at Near Memnagar pumpiig Station, Opp : Professers' Colony, Memnagar, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on October 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

26—126GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said moneys or other assets which have not been or date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 694.4 sq. yards bearing Final Plot No. 396, Sub-Plot No. 4, T.P.S. No. 19 and situated near Memnagar Pumping Station, Opp : Professors' Colony, Memnagar, Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 23-4-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Kalpanaben Mahendrakumar Bhatt, 19, Shrirang Society, Fategang, Baroda-2.
(Transferor)

(2) Shri Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., through Chairman, Shri M. M. Mehta, Bhavnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

No. Acq. 23-I-811(382)/5-1/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 266, Anantwadi, situated at Vadwa, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar in October, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 4701 sq. yards bearing S. No. 266, situated at Vadwa, Bhavnagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shashikant B. Pattani, Power of Attorney Holder of Shrimati Pragnaben Shashikant Pattani, Old Bungalow, Anantwadi, Bhavnagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., through Chairman, Shri M. M. Mehta, Bhavnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

No. Acq.23-I-822(383)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 266, Anantwadi, situated at Vadwa, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar in October, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3902 sq. yards or thereabouts bearing S. No. 266, Anantwadi, situated at Vadwa, Bhavnagar.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380009.

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Thakur Lal Chandulal,
Opp : Football Ground,
Kankaria, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 17th May 1976

No. Acq.23-I-794(385)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. Plot No. 12-A, TPS 15 situated at Vadej, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 1-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) The New Premnagar Co-op. Housing Society Ltd., Kankaria, Ahmedabad, (Chairman : Shri Tushar Natwarlal Shah)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

An immovable property bearing Final Plot No. 12-A of TPS No. 15, alongwith land admeasuring 1345 sq. yards and situated opposite to Kiran Park Society, Vadej, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Baroda Industrial Development Corporation Ltd.
Gorva, Baroda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jyoti Ltd., Baroda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P.R. No. 341-Acq.23-666/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 1179 & 1180 of Gorva village bearing situated at Gorva near old Industrial Estate, Baroda plot No. J51 & J52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 8-10-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing R. S. No. 1179 and 1180 of Village Gorwa bearing Plots No. J51 & J52 in Sayaji Gunj Ward of Baroda admmeasuring 20000 sq. ft. as described in the sale deed bearing registration No. 5985 of October, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 15th April 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Joseph Isaac David, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. P. Laxmana Rao, Visakhapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 2nd April 1976

Ref. No. Acq.File No. 329/J. N. 232/74-75.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 17-A, situated at Vidya Nagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Guntur on 15-10-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per document no. 5312/75 registered before the SRO, Guntur during the fortnight ended on 15-10-75.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date: 2-4-1976

Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND
MANAGEMENT
(EXAMINATION WING)
CQRIGENDUM

New Delhi-110022, the 26th June 1976

No. 13/6/75-ARRNG.—In partial modification of this Institute's Notice of even number dated the 27th March, 1976, it is notified for general information that Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1976 will now be held on the 20th September, 1976 instead of 15th September, 1976.

MADAN LAL, Dir. (Examinations)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
DECEMBER, 1976

New Delhi, the 26th June, 1976

No. F. 7/1/76-EI(B).—An examination for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy for the 58th Course commencing in July, 1977 will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG AND TRIVANDRUM, commencing on the 28th December, 1976 in accordance with the Notification No. 6 dated 1st June, 1976 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India dated the 26th June, 1976.

On the basis of the results of the examination, admissions will also be made to the Officers' Training School, Madras (O.T.S.) for the corresponding course commencing in July, 1977. Candidates admitted to the O.T.S. will be eligible for grant of permanent Commission in the Army only.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THIS EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 163 for the Army, 32 for the Navy and 55 for the Air Force at NDA, KHADAKWASLA and 50 for the Army at OTS, MADRAS.

These numbers are liable to alteration.

3. A candidate must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd January, 1959 and not later than 1st July, 1961. These age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

(i) Headquarters, Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area,

Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay/Andhra, Tamilnadu, Karnataka and Kerala Area, St. Thomas Mount, 101 Comn. Z. Area c/o, 99 A.P.O.

(ii) Headquarters, Allahabad Sub-Area, Allahabad/Bombay Sub-Area, Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/PUNE Sub-Area, PUNE/Calcutta Sub-area; Calcutta/MP Sub-Area, Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Karnataka Sub-Area, Bangalore/Andhra Sub-Area, Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapore/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area, Madras/North Bengal Sub-Area/21 Sub-Area/31, 41 & 51 Sub-Area/HQ 61 Indep Sub-Area.

(iii) Station Headquarters Bengaluru Bagdogra (WB), Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagur, Assam, Gauhati and Jaipur (Raj.).

(iv) All recruiting Offices.

(v) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.

(vi) Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.

(vii) The Flag Officer, Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.

(viii) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.

(ix) The Naval Officer-in-Charge, Goa.

(x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.

(xi) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.

(xii) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.

(xiii) Air HQ (Personnel Officer 3), New Delhi.

(xiv) All National Cadet Corps Units.

Airmen's Selection Centres :—

(a) C/o Air Force Station, New Delhi-110003.

(b) 48, Mansfield Road, Ambala Cantt.

(c) Mukherjee Camp, Kanpur Cantt.

(d) West Bengal Zone, OASIS, No. 3, NSC, Bose Road, P.O. Regent Park, Calcutta-700040.

(e) Niranjan Building (4th Floor), 99, Marine Lines (West), Opposite Marine Lines Rly. Station Bombay-400002.

(f) Air Force, Station, Tambaram (Madras).

(g) No. 1, Cubbon Road, Bangalore-560001.

(h) Assam Zone, Uzan Bazar, Gauhati.

(i) Anugrah Narain Path, Kadam Kuan, New Area, Patna-800003.

(j) Old Pali Road, Jodhpur.

(k) Air Force Station, Begumpet, Secunderabad.

(l) Air Force Recruiting Office, Bhubaneswar.

NOTE :—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION DECEMBER, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 23rd August, 1976. (6th September, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd August, 1976), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above, must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid.*

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form, the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPHS 2 AND 3 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate who took the examination held in May, 1976 for entry to the National Defence Academy wishes to apply for admission to the examination notified here, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the result or an offer of admission to the National Defence Academy. If he is recommended for admission to the Academy on the results of May, 1976 Examination, his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination (*vide* para 4 of Annexure I), provided the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 1st March, 1977.

M. S. PRUTHI,
Dy. Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise, except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.,

- (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik School Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now 'Bangla Desh') and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 23rd March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

4. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para 4 of the Notice. *Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2(i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, or in Lakshadweep from a date prior to 23rd August, 1976.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, or as a work-charged employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate employed in Army, Navy or Air Force must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission

late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. \times 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of Certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribes, where applicable (See para 5 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 5 and 6 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee :—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :—



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other post office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the Issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank draft for the prescribed fee

Bank draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission, payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank draft drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

NOTE.—A candidate residing abroad at the time of submitting his application may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative as the case may be in that country who, should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

If a candidate is unable to submit an attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit along with his application an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed under the Note below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the institution from where he appeared at the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent examination showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the institution. The candidate will be required to submit an attested/certified copy of his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate as soon as possible. He will be disqualified if later on it is found that the date of birth claimed by him in the application differs from that entered in his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent certificate, unless the discrepancy is explained to the satisfaction of the Union Public Service Commission.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence

as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, or who intends to appear at such a qualifying examination may apply for admission to this examination, but he must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Headmaster/Principal of the School concerned. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th June, 1977.

Such candidates are required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above date whether they qualify or not at the written part of the examination. If they fail to comply with this instruction, their candidature will be cancelled, and they will not be entitled to know their result.

The form of the certificate to be produced by the candidate

This is to certify that Shri son of Shri is expected to appear/has appeared at Examination conducted by in the month of 19

*(2) His date of birth as recorded in the Admission Register of this School is This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his admission to the School.

(Signature of Principal/Dean/Registrar)*
(Name of the College/University/Institution)*

Date _____

Place _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cms. x 7 cms. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in the Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the original of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned, as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district

in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri son of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and*/or his family ordinarily reside(s) in Village*/Town* of District*/Division of the State*/Union Territory of _____

State _____*

Union Territory

Place _____

Date _____

Signature _____

**Designation _____
(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

(ii) Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.

(iii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iv) Even Officers not below the rank of Tehsildar.

(v) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(vi) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.♦

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of India origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training at the National Defence Academy.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should not correct or alter or otherwise tamper with an application or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any discrepancy between two or more of its copies, an explanation regarding the same should be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of submission of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will receive the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive the result of the application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counters of the Publications Branch, at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests, they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

1. NAME OF EXAMINATION.

2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. *Change in address should*

icated to the Commission of the earliest opportunity the particulars mentioned in paragraph 13 above.

DATES RECOMMENDED BY THE COMMISSIONERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES DUE TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION, THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH, RTG. 6(SP), (a), BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF HIS CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

the authorities make every effort to take account of such changes in address and cannot accept any responsibility in the event of non-receipt of the summons letter.

15. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG. 6(SP), (a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any written examination should immediately after the announcement of the result of the written examination intimate the date of such examination to the Army Headquarters, who will take this into consideration before fixing the date of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ, RTG. 6(SP), (a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given, so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.